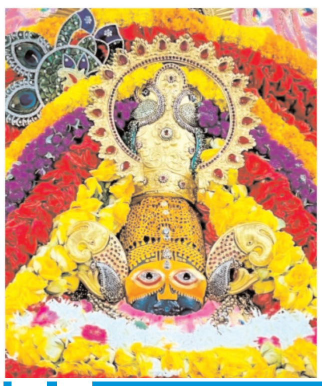

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

वर्ष :15 । अंक:243। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (शनिवार) 25 अप्रैल 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें

सरबजीत माकन

+91-9638877700

mahanagarmetro7@gmail.com

राघव चड्ढा भाजपा में शामिल

राघव चड्डा समेत आआपा के तीन सांसदों का नितिन नवीन ने किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) को शुक्रवार जोर का सियासी झटका लगा है। सांसद राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक एक साथ आप से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल होने का एलान किया है। इस मौके पर राघव चड्ढा ने दावा किया कि किया कि उनके साथ सात सांसद भाजपा में शामिल हो रहे हैं। इससे राज्य सभा में पूरी आप का भाजपा में विलय हो गया है। इसके बाद भाजपा के डीडीयू मार्ग स्थित राष्ट्रीय कार्यालय पहुंचे आप सांसदों का राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने आप सांसदों का स्वागत किया।

'मैंने अपनी जवानी के 15 साल दिए'

शुक्रवार दोपहर आप के तीनों सांसदों ने नई दिल्ली के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में मीडिया से बात की। राघव चड्ढा ने कहा, आप को मैंने अपनी युवावस्था के 15 साल दिए। अब वह अपने सिद्धांतों, मूल्यों और बुनियादी नैतिकताओं से पूरी तरह भटक गई है। अब यह पार्टी देश या राष्ट्रीय हित के लिए काम नहीं कर रही है, बल्कि निजी स्वार्थ के लिए काम कर रही है।

संदीप पाठक की भूमिका भी रही अहम

डॉ. संदीप कुमार पाठक भी 2022 से पंजाब से आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद हैं। इसके साथ ही वह पार्टी में संगठन महासचिव की जिम्मेदारी निभा रहे थे। पंजाब का पिछला विधान सभा चुनाव जिताने में पाठक की भूमिका अहम रही थी। पार्टी उस वक्त उनकी सियासी समझ और संगठनात्मक क्षमता का कायल थी। पंजाब जीत के बाद ही उनको संगठन का महासचिव बनाया गया था। इससे पहले यह जिम्मेदारी आप सांसद संजय सिंह के पास थी। संदीप पाठक ने छत्तीसगढ़ से स्नातकोत्तर की उपाधि लेने के बाद हैदराबाद और पुणे में पढ़ाई की। फिर वह कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गए। वहां से उन्होंने डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की।

चड्ढा का दावा, सात सांसद साथ

राघव चड्ढा ने मीडिया के सामने दावा किया कि दावा किया है कि उनके साथ स्वाति मालीवाल और हरभजन सिंह भी हैं। इतना ही नहीं, बलबीर सिंह सीचेवाल और विक्रमजीत सिंह साहनी भी आप छोड़ रहे हैं। ये सभी पंजाब से सांसद हैं और ऐसे में माना जा रहा है कि इन नेताओं के पार्टी छोड़ने से पंजाब की राजनीति में भूचाल आ सकता है। आने वाले पंजाब विधान सभा चुनाव में इसका असर पड़ना तय माना जा रहा है।

भाजपा के साथ जाने वाले सांसदों ने पंजाब के साथ धोखा किया: आआपा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) ने राघव चड्ढा के नेतृत्व में राज्यसभा के सात सांसदों के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने को 'ऑपरेशन लॉटस' की संज्ञा देते हुए इसे पंजाब की जनता के साथ धोखा बताया है।आआपा नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में भाजपा पर भय और प्रशासनिक तंत्र का उपयोग कर पार्टी नेताओं को अपने खेमें में शामिल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पंजाब की भगवंत मान सरकार के कामकाज से डरकर भाजपा ने उनकी पार्टी को कमजोर करने की कोशिश की है। संजय सिंह ने एक-एक कर सभी सातों सांसदों का नाम लिया और कहा कि पार्टी ने इन्हें कहां से कहां पहुंचाया और उन्होंने पार्टी और पंजाब के साथ गद्दारी की। उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता इन्हें माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि हाल ही में अशोक मित्तल के यहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का छापा पड़ा था। भाजपा ने भय दिखाकर उन्हें अपनी पार्टी में शामिल करा लिया।

भगवंत मान ने भाजपा में जाने वाले राज्य सभा सांसदों को पंजाब का गद्दार बताया

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पार्टी छोड़ने वाले राज्य सभा के सांसदों को पंजाब तथा पंजाबियत का गद्दार करार देते हुए कहा है कि पंजाब की जनता बहुत जल्द उन्हें इस कृत्य का जवाब देगी। आम आदमी पार्टी के सात राज्य सभा सांसदों ने शुक्रवार को दिल्ली में पार्टी छोड़ने का ऐलान किया है। इन सात सांसदों में से छह सांसद पंजाब के हैं। राजनीतिक घटनाक्रम के बाद चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि सात गद्दारों के पार्टी छोड़ने से कोई फर्क नहीं पड़ता है। पार्टी पूरी तरह से मजबूत है।

बिहार विधानसभा में राजग ने साबित किया बहुमत

ध्वनि मत से पारित हुआ विश्वास मत

एजेंसी

पटना। बिहार विधानसभा के विशेष सत्र में शुक्रवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने अपना बहुमत साबित कर दिया। सदन में बिना मतदान के ही ध्वनि मत से विश्वास प्रस्ताव पारित हो गया और सम्राट चौधरी सरकार

ने विश्वास मत हासिल कर लिया। राजग के सभी सहयोगी दलों के विधायकों ने बारी-बारी से सरकार के समर्थन का एलान किया, जिसके बाद विश्वास प्रस्ताव आसानी से पारित हो गया। सम्राट चौधरी ने 15 अप्रैल को नीतीश कुमार की जगह बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उनके साथ जनता दल यूनाइटेड (जदयू) कोटे से विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की थी। विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र के दौरान विश्वास मत प्रस्ताव पर बोलते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री एमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन नेतृत्व, पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राजग के वरिष्ठ नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री की कुर्सी किसी की बपौती नहीं है। 14 करोड़ जनता के समर्थन और आशीर्वाद से मैं मुख्यमंत्री बना हूं।' उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता किसी एक परिवार या व्यक्ति की जागीर नहीं हो सकती।

केंद्र सरकार ने 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' डॉक्यूमेंट्री की रिलीज पर रोक लगाई

- यह जानकारी शुक्रवार को पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने दी।

एजेंसी

चंडीगढ़। राज्य के सामाजिक ताने-बाने को बनाए रखने और सही एवं जिम्मेदार कंटेंट के प्रसारण को सुनिश्चित करने की दिशा में सक्रिय कदम उठाते हुए भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने ज़ी5 ओटीटी प्लेटफॉर्म को एक एडवाइजरी जारी कर 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' शीर्षक वाली डॉक्यूमेंट्री रिलीज न करने के निर्देश दिए हैं। यह जानकारी शुक्रवार को पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने दी। उन्होंने बताया कि विशेष डीजीपी (साइबर क्राइम) वी. नीरजा ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के समक्ष सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की धारा 69ए(1) के तहत कंटेंट की स्क्रीनिंग पर रोक लगाने का आग्रह किया था। इसमें जन व्यवस्था पर इसके प्रभाव को लेकर गंभीर चिंताओं का हवाला दिया गया था। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि इस डॉक्यूमेंट्री में शामिल नाटकीय चित्रण, वास्तविक जीवन फुटेज और विशिष्ट विवरण संगठित

अपराध तथा खतरनाक अपराधियों को महिमामंडित करने का बड़ा जोखिम पैदा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे चित्रण युवाओं को गुमराह कर सकते हैं और राज्य में कठिन प्रयासों से कायम की गई शांति तथा कानून-व्यवस्था को भंग कर सकते हैं।

सावधान तोड़बाज़ गिरोह! 'महानगर मेट्रो' की निडर पत्रकारिता को गीदड़ भभकियों से नहीं दबा पाएगा हार्दिक हुड़िया

जिनालय पर हमले की साजिश का खुला विरोध; जैन समाज एकजुट, अब होगा 'तोड़कांड' का पर्दाफाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

नागदा/सूरत: सच की आवाज़ को दबाने के लिए धमकियों का सहारा लेना कायरों की पुरानी पहचान रही है। हाल ही में 'महानगर मेट्रो न्यूज़' के ग्रुप एडिटर को हार्दिक हुड़िया और उसके गिरोह द्वारा दी गई कानूनी कार्यवाही की धमकियां इसी बौखलाहट का प्रमाण हैं। लेकिन महानगर मेट्रो स्पष्ट करता है कि वह ऐसी 'गीदड़ भभकियों' से न कभी डरा है और न कभी झुकेगा। अब इस तथाकथित तोड़बाज़ गिरोह के हर काले कारनामे का कच्चा चिट्ठा जनता के सामने रखा जाएगा।

जिनालयों पर आंच आई तो चुप नहीं बैठेगा समाज

अभा हिन्दू जैन साधू संत रक्षा समिति के संयोजक अभय चोपड़ा ने जिनालयों पर हमले की कथित साजिश को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, 'जैन समाज शांतिप्रिय है, लेकिन हमारी आस्था के केंद्रों पर कोई भी प्रहार स्वीकार्य नहीं होगा। हम कानून के दायरे में रहकर ऐसा जवाब देंगे कि साजिशकर्ताओं को सिर छुपाने की जगह नहीं मिलेगी। '

गिरेबान तक पहुँचेगा कानून का हाथ

समाज ने साफ संदेश दिया है कि प्रदेश की भाजपा सरकार में कानून-व्यवस्था अत्यंत मजबूत है। शासन-प्रशासन से मांग की गई है कि धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने वाले

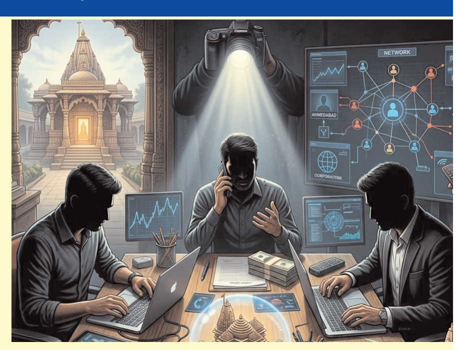

असामाजिक तत्वों की पहचान कर उन्हें सलाखों के पीछे भेजा जाए।

महानगर मेट्रो का सीधा वार:

* **धमकियों से बेअसर:** एडिटर को कानूनी डरावा देने वाले याद रखें कि पत्रकारिता का धर्म सच उजागर करना है।

* **भंडाफोड़ की तैयारी:** जहाँ-जहाँ इस गिरोह ने 'तोड़कांड' (वसूली) की है, महानगर मेट्रो अब उन पीड़ितों की आवाज़ बनेगा।

* **एकजुटता:** जैन समाज और मीडिया का एक वर्ग मिलकर इन अराजक तत्वों के खिलाफ संवैधानिक और कानूनी मोर्चा खोल चुका है।

-'हम संविधान और न्यायपालिका में विश्वास रखते हैं। हार्दिक हुड़िया जैसे लोग जो कलम को डराने की कोशिश कर रहे हैं, वे जान लें कि अब उनके साम्राज्य के अंत की शुरुआत हो चुकी है। महानगर मेट्रो न्यूज़ न रुकने वाला है, न बिकने वाला। '

- दमदम और जादवपुर में प्रधानमंत्री ने कहा -

पहले चरण के मतदान ने बंगाल में बदलाव को मजबूत किया है

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दमदम और जादवपुर में दो जनसभाओं को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि पहले चरण के मतदान ने राज्य में परिवर्तन की लहर पर मुहर लगा दी है और भाजपा के पक्ष में स्पष्ट जनसमर्थन दिखाई दे रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि लंबे समय से बंगाल में बदलाव की जो लहर दिख रही थी, पहले चरण के मतदान ने उसे मजबूत कर दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के पक्ष में जो समर्थन सामने आया है, उसने विजय का शंखनाद कर दिया है। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जिस बंगाल में लोकतंत्र के मंदिर को कुचलने का प्रयास किया गया, उसी बंगाल की जनता ने मतदान के जरिए लोकतंत्र का पुनर्निर्माण किया है। उन्होंने मतदाताओं से दूसरे चरण में इस जनादेश को और मजबूत करने की अपील की। दमदम की सभा में प्रधानमंत्री मोदी ने महिला सुरक्षा को प्रमुख मुद्दा बनाते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस महिला विरोधी पार्टी है, जबकि भाजपा महिला नेतृत्व

वाले विकास मॉडल पर काम करती है। उन्होंने कहा कि बंगाल की हर बेटी को भरोसा दिलाने आए हैं कि भाजपा उनके सपनों को टूटने नहीं देगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद महिलाओं को सशक्त बनाने, रोजगार देने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अनेक योजनाएं लागू की जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं के खिलाफ अन्याय के पुराने मामलों को दोबारा खोला जाएगा और दोषियों पर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी के बंगाल की नई गाथा नारी शक्ति लिखेगी और राज्य की महिलाएं अब बदलाव चाहती हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में आयुष्मान भारत योजना लागू नहीं है, जिसके कारण गरीब और मध्यम वर्ग के लोग मुफ्त इलाज की सुविधा से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर लोगों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ राज्य के लोगों तक पूरी तरह पहुंचाने के लिए डबल इंजन सरकार जरूरी है। उनके अनुसार, जब केंद्र और राज्य की सरकार साथ काम करती हैं तो विकास की गति कई गुना बढ़ जाती है। प्रधानमंत्री ने दमदम की क्षेत्रीय समस्याओं का भी जिक्र किया।

केदारनाथ धाम में आस्था का सैलाब

- 93 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

एजेंसी

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं की आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। यात्रा शुरू होने के बाद अब तक कुल 93,622 तीर्थयात्री बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं, जो आस्था के बढ़ते प्रवाह को दर्शाता है। शुक्रवार को एक ही दिन में 30,370 तीर्थयात्रियों ने बाबा केदार के दर्शन किए। चारधाम यात्रा के लिए 22.61 लाख के अधिक यात्रियों ने पंजीकरण कराया है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार,दर्शन करने वालों में 20,442 पुरुष, 9,797 महिलाएं और 131 बच्चे शामिल रहे। विदेशी श्रद्धालुओं की संख्या इस दिन शून्य रही। यात्रा प्रारंभ होने के बाद से अब तक कुल 93,622 श्रद्धालु केदारनाथ धाम पहुंच चुके हैं, जो यात्रा के प्रति लोगों की आस्था और उत्साह को दर्शाता है। यमुनोत्री धाम और गंगोत्री धाम में शुक्रवार को कुल 64,193 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं।

यमुनोत्री धाम में 31,890 और गंगोत्री धाम 32,303 ने पूजा-अर्चना की। चारधाम यात्रा 2026 के लिए श्रद्धालुओं का उत्साह लगातार बढ़ रहा है। पर्यटन विभाग की ओर से शुक्रवार शाम जारी बुलेटिन के अनुसार कुल पंजीकरण 22,61,664 तक पहुंच गया है। यमुनोत्री धाम 3,79,376,गंगोत्री धाम के लिए 3,91,206 व केदारनाथ के लिए 7,98,175 बद्रीनाथ 6,67,537 हेमकुंड साहिब के लिए 25,370 यात्रियों ने पंजीकरण कराया है। चारो धामों के लिए सर्वाधिक दो दिनों 25 अप्रैल के लिए 56,469 और 26 अप्रैल के लिए 55,510 के साथ ही कुल 26 अप्रैल के लिए कुल 1,11,979 श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया है। राज्य के विभिन्न फिजिकल केंद्रों पर भी ऑफलाइन पंजीकरण जारी है। एक दिन में कुल 5,676 श्रद्धालुओं ने ऑफलाइन पंजीकरण कराया। प्रशासन के अनुसार बढ़ती भीड़ को देखते हुए धाम और यात्रा मार्ग पर सुरक्षा, स्वास्थ्य और व्यवस्थाओं को मजबूत किया गया है, ताकि श्रद्धालुओं को सुगम और सुरक्षित दर्शन का अनुभव मिल सके।

आगामी पांच मई को राज्य में भाजपा की सरकार बनने जा रही है : अमित शाह

शाह ने राज्य में कथित 'सिंडिकेट राज' को समाप्त करने का भी वादा किया

एजेंसी

हुगली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में आगामी 29 अप्रैल को होने वाले दूसरे चरण के मतदान से पहले चुनाव प्रचार अभियान तेज हो गया है। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को हुगली जिले के कोन्नगर स्थित आलकाली मैदान में जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन की शुरुआत में अमित शाह ने स्थानीय मंदिरों और महान विचारक ऋषि अरविंदो घोष को नमन करते हुए भाषण की शुरुआत की। उन्होंने दावा किया कि पहले चरण के मतदान में भाजपा को 110 से अधिक सीटें मिलने का अनुमान है और आगामी पांच मई को राज्य में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। अमित शाह ने अवैध घुसपैठ का मुद्दा उठाते हुए कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर राज्य से 'एक-एक घुसपैठिए' को बाहर किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इन्हें अपना वोट बैंक बना रखा है। साथ ही उन्होंने राज्य में कथित 'सिंडिकेट राज' को समाप्त करने का भी वादा किया। महिला सुरक्षा के मुद्दे पर उन्होंने संदेशखाली, आरजीकर, दुर्गापुर और कोलकाता के विभिन्न मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा सरकार बनने पर महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि महिलाएं रात में भी सुरक्षित महसूस कर सकें। उन्होंने यह भी घोषणा की कि राज्य परिवहन की बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। जनसभा में अमित शाह ने कई लोक-कल्याणकारी वादे भी किए। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर हर लड़की को स्नातक (ग्रेजुएशन) की पढ़ाई के लिए 50 हजार की आर्थिक सहायता दी जाएगी और गरीबों को पांच लाख तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराया जाएगा।

राम मंदिर के मुद्दे पर उन्होंने कहा-

मुगलों से लेकर ममता बनर्जी तक ने इसका विरोध किया, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मंदिर का निर्माण संभव हो सका। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक भाजपा का एक भी कार्यकर्ता जीवित है, तब तक राज्य में 'बाबरी मस्जिद नहीं बनने दी जाएगी।'

नीतू शर्मा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की नई अंतरिम सीईओ नियुक्त

- 'अब तक इस पद पर स्विट्ज़रलैंड के नागरिक क्रिस्टोफ शनेलमैन कार्यरत थे'

एजेंसी

नोएडा। लंबे समय से चल रहे प्रबंधन विवाद के बीच नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए सीईओ की नियुक्ति का मामला अटका पड़ा था। आखिरकार शुक्रवार को इंटरनेशल एयरपोर्ट का अंतरिम सीईओ नियुक्त कर दिया गया है। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (यापल) ने नीतू शर्मा को कंपनी का अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त कर दिया है। यमुना विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी आरके सिंह ने बताया कि यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (यापल) ने शुक्रवार को अहम निर्णय लेते हुए नीतू शर्मा को कंपनी का अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त कर दिया है। अब तक इस पद पर स्विट्जरलैंड के नागरिक क्रिस्टोफ शनेलमैन कार्यरत थे, जिन्हें कंपनी ने नई भूमिका देते हुए एग्जीक्यूटिव वाइस चेयरमैन बना दिया है। उन्होंने

बताया कि एयरपोर्ट के सिक्योरिटी प्रोग्राम को मंजूरी दिलाने में विदेशी सीईओ होना बड़ी बाधा बन रहा था। गृह मंत्रालय ने इसी आधार पर सुरक्षा स्वीकृति देने से इनकार कर दिया था। बताया जा रहा है कि इसी अड़चन को दूर करने के लिए कंपनी ने नेतृत्व में यह बदलाव किया।

बड़ी राजनीतिक हलचलः राघव 'आप' को अलविदा, साथियों संग भाजपा में होंगे शामिल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश की राजनीति में आज उस वक्त बड़ा भूचाल आ गया जब आम आदमी पार्टी (AAP) के दिग्गज नेता और राज्यसभा सांसद (Raghav Chadha) ने अपनी पार्टी छोड़ने और भारतीय जनता पार्टी (BJP) में शामिल होने का ऐतिहासिक फैसला किया। यह खबर राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई है क्योंकि राघव को अरविंद केजरीवाल के सबसे भरोसेमंद करीबियों में गिना जाता था।

दो-तिहाई बहुमत के साथ विलय की घोषणा

राघव ने अकेले यह कदम नहीं उठाया है। एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उनके साथ आम आदमी पार्टी के दो अन्य राज्यसभा सांसद, संदीप पाठक (Sandeep Pathak) और अशोक मित्तल (Ashok Mittal) भी मौजूद रहे। इस मौके पर ने कहाः 'हमने यह निर्णय लिया है कि राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के दो-तिहाई (2/3) सदस्य संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी में विलय करेंगे।'

संवैधानिक पेच और रणनीतिक कदम

राघव का यह बयान कानून की दृष्टि से भी बेहद अहम है। दल-बदल विरोधी कानून (Anti-Defection Law) से बचने के लिए दो-तिहाई सदस्यों का एक साथ जाना जरूरी होता है। पाठक और मित्तल की तिकड़ी के इस कदम से आम आदमी पार्टी को उच्च सदन (राज्यसभा) में एक बड़ा झटका लगा है। क्यों बदला पाला? हालांकि प्रेस कॉन्फ्रेंस में विस्तार से कारणों का खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन सूत्रों का मानना है कि पार्टी के भीतर पिछले कुछ समय से चल रही खींचतान और भविष्य की राजनीतिक दिशा को देखते हुए इन नेताओं ने यह बड़ा फैसला लिया है।

आसमान में गूंजी किलकारीः विमान में महिला ने दिया बच्चे को जन्म, मां की हिम्मत को सलाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कहते हैं कि जाको राखे साइयां मार सके न कोय। आसमान की ऊंचाइयों पर उड़ रहे एक विमान में उस वक्त चमत्कार देखने को मिला, जब एक गर्भवती महिला ने अपनी अदम्य हिम्मत और साहस का परिचय देते हुए एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया।

क्या है पूरी घटना ?

विमान ने अपनी सामान्य उड़ान भरी थी, लेकिन बीच रास्ते में ही महिला को प्रसव पीड़ा (Labor Pain) शुरू हो गई। विमान के क्रू मेंबर्स और वहां मौजूद यात्रियों के लिए यह एक चुनौतीपूर्ण स्थिति थी। जमीन से हजारों फीट की ऊंचाई पर, जहां चिकित्सा सुविधाएं सीमित थीं, वहां महिला ने अपनी शक्ति और धैर्य का अद्भुत उदाहरण पेश किया।

क्रू और यात्रियों का सहयोग

विमान के चालक दल ने तुरंत मोर्चा संभाला और उपलब्ध संसाधनों के साथ एक सुरक्षित माहौल तैयार किया। गनीमत रही कि विमान में सवार कुछ सह-यात्रियों ने भी इस आपातकालीन स्थिति में अपनी भूमिका निभाई। कुछ ही समय में विमान के भीतर एक नन्हीं जान की किलकारी गूंज उठी, जिससे पूरे विमान में खुशी की लहर दौड़ गई।

मां की शक्ति का अद्भुत उदाहरण

यह घटना सिर्फ एक जन्म की कहानी नहीं है, बल्कि एक मां की उस असीम शक्ति और साहस का प्रमाण है, जो हर विपरीत परिस्थिति पर विजय पाना जानती है। फिलहाल मां और बच्चा दोनों सुरक्षित बताए जा रहे हैं। विमान की लैंडिंग के बाद उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

नागदा जंक्शन के वरिष्ठ पत्रकार जीवनलाल जैन बने मध्यप्रदेश इकाई के महासचिव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदाः-अधिमान्य पत्रकार कल्याण संघ के राष्ट्रीय नेतृत्व की सहमति से एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक निर्णय लिया गया है। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय सिह पंसोरिया,राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला इकाई जया बघेल,राष्ट्रीय महासचिव डॉ. मिथिलेश कुमार पाठक, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रजनीश चौहान एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री पंकज बेरागी की अनुशंसा एवं सहमति से नागदा जंक्शन के वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी श्री जीवनलाल जैन (चाय वाले) को मध्यप्रदेश इकाई में महासचिव पद पर मनोनीत किया गया है। यह नियुक्ति उनके लंबे समय से पत्रकारिता एवं सामाजिक क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए की गई है। संगठन को विश्वास है कि उनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश इकाई और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनेगी तथा पत्रकारों के हितों की रक्षा हेतु प्रभावी कार्य किए जाएंगे। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुनील सिंह यादव ने अपने संदेश में कहा कि श्री जीवनलाल जैन जी एक समर्पित, कर्मठ एवं ईमानदार व्यक्तित्व के धनी हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि वे संगठन के मूल उद्देश्यों को आगे बढ़ाते हुए पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा एवं उनके हितों के लिए निष्ठापूर्वक कार्य करेंगे। उनकी नियुक्ति संगठन के लिए एक मजबूत कदम है। संगठन के शिवम तिवारी, कृष्णा यादव, डॉ. प्रेम कुमार वैद्य, रामवेश सिंह राजावत, युवराज सिंह राठौर, मनीष गुप्ता ने संयुक्त रूप से शुभकामनाएं देते हुए कहा किः

हमें आशा है कि आप संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करते हुए पत्रकारों के हितों की रक्षा करेंगे तथा संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। आपका नेतृत्व संगठन के लिए प्रेरणादायक सिद्ध होगा। साथ हि संघठन के पदाधिकारी राजू गुप्ता,दिलीप बुंदिवाल,कैलाश चंद्र व्यास,संदीप दावरे ओर राहुल शर्मा ने भी अपनी शुभकामनाएं प्रेक्षित की अंत में संगठन द्वारा श्री जीवनलाल जैन जी के उज्जवल भविष्य की मंगलमय कामनाएं की गईं।

सावधान मतदाता! लोकतंत्र की नीलामी या आपका भविष्य?

'700 सीटों पर निर्विरोध जीत'–लोकतंत्र की मजबूती या विपक्ष का श्मशान?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात. की राजनीति से आई '700 सीटों पर निर्विरोध जीत' की खबर जितनी भाजपा के लिए जश्न का विषय है, उतनी ही एक जागरूक नागरिक के लिए चिंता का विषय भी होनी चाहिए। जब चुनाव से पहले ही नतीजे तय हो जाएं, तो समझ लीजिए कि लोकतंत्र के आंगन में कुछ तो 'असामान्य' घट रहा है।

1. चुनाव के बिना जीतः क्या मतदाता की अहमियत खत्म हो गई?

लोकतंत्र का असली मतलब है 'विकल्प'। जब 700 से अधिक सीटों पर उम्मीदवार अपना फॉर्म वापस खींच लेते हैं, तो वहां के हजारों मतदाताओं

से उनका 'चुनने का अधिकार' छीन लिया जाता है।

सवालः क्या उन गांवों और वार्डों की जनता के पास अब अपनी शिकायत दर्ज कराने का कोई मंच बचा है?

कड़वा सचः जब कोई विरोध ही नहीं होगा, तो सत्ता निरंकुश (Unchecked) हो जाती है। इतनी बड़ी संख्या में फॉर्म का वापस होना सामान्य बात नहीं है। मतदाताओं को जागरूक होना होगा कि क्या उनके द्वारा समर्थित उम्मीदवार किसी डर, प्रलोभन या राजनीतिक सौदेबाजी के कारण पीछे हटे हैं? यदि विपक्ष लड़ ही नहीं पा रहा, तो यह एक जीवंत लोकतंत्र के लिए 'खतरे की घंटी' है। एक सशक्त विपक्ष के बिना सरकारें अक्सर जनता के प्रति अपनी जवाबदेही भूल जाती हैं।

3. 'बिनविरोध' मतलब 'बिना जवाबदेही'? इतिहास गवाह है कि जो प्रतिनिधि बिना पसीना बहाए और बिना चुनाव लड़े कुर्सी पर बैठता है, वह जनता के प्रति उत्तरदायी कम और अपनी पार्टी के प्रति वफादार ज्यादा होता है।

नुकसानः अगले 5 साल तक उस क्षेत्र की जनता यह सवाल भी नहीं पूछ पाएगी कि 'काम क्यों नहीं हुआ?' क्योंकि नेता जी कह सकते हैं– 'आपने मुझे चुना ही कब था, मैं तो निर्विरोध आया हूँ। ' 4. मतदाताओं के लिए चेतावनीः जागिए, वरना लोकतंत्र कागज पर रह जाएगा यह रिपोर्ट किसी पार्टी के विरोध में नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया के पतन के विरोध में है। जागरूक समाज की जिम्मेदारीः यदि आपके क्षेत्र में विकल्प खत्म हो रहे हैं, तो यह आपकी हार है। राजनीतिक दलों की नीतियां ऐसी होनी चाहिए कि हर सीट पर मुकाबला हो, ताकि जनता को श्रेष्ठ चुनने का मौका मिले। लोकतंत्र तब मर जाता है जब लोग 'सवाल' पूछना बंद कर देते हैं और राजनीतिक दल 'प्रतिस्पर्धा' करना छोड़ देते हैं। 700 सीटों का निर्विरोध होना भाजपा की 'शक्ति' तो हो सकता है, लेकिन यह हमारे 'लोकतांत्रिक स्वास्थ्य' की बहुत कमजोर तस्वीर है। मतदाताओं, याद रखें– अगर आज आप जागरूक नहीं हुए, तो भविष्य में आपके पास 'वोट' देने के लिए केवल एक ही नाम होगा, विकल्प नहीं!

धोलेरा से शुरू हुआ भारत का 'टेक-रिवोल्यूशन'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भारत अब सिर्फ तकनीक का इस्तेमाल करने वाला देश नहीं, बल्कि तकनीक बनाने वाला ग्लोबल पावरहाउस बनने जा रहा है। गुजरात के धोलेरा (Dholera SIR) में 91,000 करोड़ के भारी-भरकम निवेश के साथ शुरू हो रहा सेमीकंडक्टर प्लांट भारत की किस्मत बदलने वाला 'गेम-चेंजर' साबित होने वाला है। यह महज एक औद्योगिक प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल आजादी का शंखनाद है।

युवाओं के लिए खुलेंगे सपनों के द्वार टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और ताइवान की पीएसएमसी **(PSMC)** के सहयोग से बन रहा यह प्लांट भारतीय युवाओं के लिए अवसरों का नया 'गेटवे' है। ज़ रोजगार की बाढ़ः इस प्रोजेक्ट से लाखों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होने की उम्मीद है।

ब्रेन ड्रेन पर लगामः अब भारत का टैलेंट विदेश जाने के बजाय अपने ही देश में दुनिया की सबसे एडवांस चिप बनाएगा।

दुनिया को टक्कर देने की तैयारी अब तक भारत चिप (Chip) के लिए ताइवान और चीन जैसे देशों पर निर्भर था, लेकिन धोलेरा का यह प्लांट भारत को आत्मनिर्भरता की पटरी पर दौड़ाएगा। ?91,000 करोड़ का यह निवेश भारत को दुनिया के उन चुनिंदा देशों की कतार में खड़ा कर देगा, जो पूरी दुनिया की टेक-सप्लाई चेन को कंट्रोल करते हैं।

क्या भारत बनेगा दुनिया का 'चिप-हब'?

विशेषज्ञों का मानना है कि धोलेरा का 'सिलिकॉन वैली' मॉडल भारत की इकोनॉमी को 5 ट्रिलियन डॉलर की ओर ले जाने में सबसे बड़ी भूमिका निभाएगा। स्मार्टफोन से लेकर इलेक्ट्रिक कार और डिफेंस उपकरणों तक, अब हर जगह Made in Indiaचिप का जलवा होगा।

धोलेरा की धरती से शुरू हुआ यह 'टेक रेवोल्यूशन' इस बात का सबूत है कि भारत अब दुनिया को टक्कर देने के लिए नहीं, बल्कि दुनिया का नेतृत्व करने के लिए तैयार है।

जब हमने भगवान की 'पूजा' करना तो सीख लिया लेकिन उन्हें 'समझना' भूल गए!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मज़े की बात है कि मोक्ष की चाह में हमने 'कर्मण्येवाधिकारते मां फलेषु भक्तं' जैसे श्लोक तो रट लिए हैं, लेकिन गीता में दिए गए बेकार 'कर्म' के संदेश को अमल में लाने में आलस करते हैं। हमारी भक्ति आज सिर्फ़ 'मांग' और 'दिखावे' तक सीमित हो गई है। क्या हम सच में मानते हैं कि सिर्फ़ धूप और दीया जलाने से हमारे भ्रष्टाचार, बेईमानी या अनुशासनहीनता के पाप धुल जाएँगे? नदियों को 'माँ' कहना और उन्हें गंदा करना और धार्मिक जगहों पर अनुशासन की कमी रखना इस बात का सबूत है कि हमने भगवान की 'पूजा' तो सीख ली है, लेकिन शायद हम 'समझ' में पीछे रह गए हैं।

1. लक्ष्मी, सरस्वती और विश्वकमाः पूजा हमारी, तरक्की दूसरों की?

हमारा देश धन और खुशहाली की देवी लक्ष्मी की पूजा करता है, फिर भी पश्चिमी देश आर्थिक खुशहाली में आगे हैं। हम ज्ञान की देवी सरस्वती की पूजा करते हैं, फिर भी जापान या चीन जैसे देश रिसर्च और नई टेक्नोलॉजी में आगे हैं। हम भगवान विश्वकर्मा की पूजा करते हैं, लेकिन इंजीनियरिंग और फिनिशिंग में जर्मनी का नाम सबसे आगे है। क्यों? क्योंकि हमने सिर्फ़ 'पूजा' को ही परम 'कर्म' मान लिया है, जबकि उन देशों ने 'कर्म' को ही 'पूजा' मान लिया है। हमारे देवी-देवता असल में सबसे अच्छे गुणों के प्रतीक हैं। लक्ष्मीजी के साथ गणेश की पूजा के पीछे का राज़ यह है कि 'बिना बुद्धि और विवेक के धन नाश की ओर ले जाता है।' अगर हम मेहनत और बुद्धि को नहीं मिलाते, तो सिर्फ़ पूजा-पाठ से लक्ष्मीजी की कृपा स्थिर नहीं रहेगी।

2. आस्था और अनुशासन का मेल

हम गंगा को सबसे पवित्र मानते हैं, फिर भी उसे गंदा करने में नहीं हिचकिचाते। दूसरी तरफ़, डेवलप्ड देशों में कोई नदियों को 'माँ' कहकर नहीं पूजता, फिर भी वहाँ का पानी नहाने लायक शुद्ध है। इससे पता चलता है कि जब आस्था अनुशासन में नहीं बदलती, तो वह सिर्फ़ बाहरी दिखावा बनकर रह जाती है।

3. शास्त्रः आरती के लिए या आचरण के लिए?

श्री कृष्ण ने गीता में संघर्ष और कर्तव्य का रास्ता दिखाया, लेकिन हमने उन्हें सिर्फ़ पालने में झुलाकर 'मक्खन और तेल' ढोने वाला ही माना। श्री राम 'मर्यादा के आदमी' थे, लेकिन उनकी ज़िंदगी से मर्यादा और संयम सीखने के बजाय, हम सिर्फ़ उनकी तारीफ़ करके रुक गए। कड़वा सच यह है कि हमने शायद भगवान को ऊंचे सिंहासन पर बिठा दिया है ताकि हमें उनके जैसा बनने के लिए मेहनत न करनी पड़े। हमने उन्हें 'भगवान' कहकर अपनी ज़िम्मेदारी से छुटकारा पा लिया है। अगर हमने उन्हें 'मार्ग दिखाने वाला' माना होता, तो आज हमारा निजी चरित्र और देश की हालत कुछ और होती।

4. दैवीय गुणों के लिए 'डिसिप्लिन' ज़रूरी है

किसी भी अवतार का जीवन देखें, उसमें संघर्ष, अटूट संयम और एक निश्चित डिसिप्लिन होता है। अगर हम धार्मिक जगहों पर प्रसाद लेने के लिए लाइन में खड़े होने का डिसिप्लिन नहीं रख सकते, तो हम ज़िंदगी के बड़े लक्ष्य कैसे हासिल करेंगे? हम 'शॉर्टकट' ढूंढते हैं। हमें लगता है कि थोड़ा सा डोनेशन या थोड़ी सी परेशानी से सफलता मिल जाएगी। लेकिन याद रखना * 'भगवान के भरोसे मत बैठो, क्या पता भगवान कब तुम्हारे भरोसे बैठ जाएं या मेरा भक्त कब कोशिश करने लगे! अब आत्ममंथन का समय है अगर हम भारत को फिर से 'जगतगुरु' की जगह पर देखना चाहते हैं, तो आरती की थाली के साथ-साथ हमें अपने हाथों में कर्म के औजार भी पकड़ने होंगे। भक्ति मन की शांति और पवित्रता के लिए होती है, लेकिन देश का निर्माण सामूहिक प्रयास और भक्ति से ही होगा। श्री कृष्ण का अकाट्य संदेश है 'कर्म जा पूजा छे'। जिस दिन हम सार्वजनिक जगहों पर साफ-सफाई रखेंगे, सड़क के नियमों का पालन करेंगे और अपना काम पूरी ईमानदारी से करेंगे, उस दिन हमें सच में भगवान की खुशी मिलेगी। परमेश्वर मंदिर में मूर्ति के रूप में विराजमान हैं, ताकि आप बाहर एक अच्छे इंसान के रूप में रह सकें!

लेखकः दर्शना पटेल (नेशनल मेडलिस्ट) स्पोर्ट्स टीचर

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन वंचितों की आवाज अब सीधे पहुंचेगी शासन तक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन की पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल ने प्रदेश के संवेदनशील एवं जननायक मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के द्वारा जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु 'मुख्यमंत्री हेल्पलाइन' प्रारंभ करने के ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह हेल्पलाइन 'सुशासन तिहार' की भावना को साकार करने वाली क्रांतिकारी पहल है। मुख्यमंत्री जी ने यह सिद्ध कर दिया है कि भाजपा की सरकार केवल घोषणाओं की नहीं, बल्कि धरातल पर परिणाम देने वाली सरकार है। अब प्रदेश की माताएं-बहनें, किसान भाई, श्रमिक, अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के बंधु एवं दिव्यांगजन अपनी पीड़ा को बिना किसी संकोच, बिचौलिए या कार्यालयों के चक्कर काटे सीधे शासन तक पहुंचा सकेंगे। रत्नावली कौशल ने कहा कि विशेष रूप से महिलाओं के लिए यह हेल्पलाइन सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन का नया संबल बनेगी। घरेलू हिंसा, राशन-पेंशन में अनियमितता, स्व-सहायता समूहों की समस्या, आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य सेवाएं या कन्या शिक्षा से जुड़ी कोई भी शिकायत अब एक कॉल पर दर्ज होगी और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। यह 'नारी शक्ति वंदन' के संकल्प को सशक्त करने वाला कदम है। रत्नावली कौशल ने अनुसूचित जाति वर्ग की पूर्व प्रतिनिधि होने के नाते कहा कि कांग्रेस शासन में वंचित समाज की आवाज दबा दी जाती थी, फाइलें दफ्तरों में धूल खाती थीं। परंतु मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास' को चरितार्थ करते हुए शासन को सीधे गरीब की झोपड़ी तक पहुंचा दिया है। छात्रवृत्ति, जाति प्रमाण पत्र, आवास योजना, सामुदायिक भवन या अत्याचार निवारण से जुड़े प्रकरणों में अब तत्काल सुनवाई होगी।

रत्नावली कौशल ने कहा कि यह हेल्पलाइन 'डिजिटल छत्तीसगढ़' और 'संवेदनशील प्रशासन' का संगम है। मुख्यमंत्री जी की यह पहल बताती है कि जब नीयत साफ हो और नेतृत्व सशक्त हो, तो व्यवस्था स्वयं जनता के द्वार पर आती है। रत्नावली कौशल ने संकल्प व्यक्त किया कि भाजपा महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष विभा अवस्थी के नेतृत्व में प्रत्येक कार्यकर्ता इस हेल्पलाइन का व्यापक प्रचार गांव-गांव, वार्ड-वार्ड तक करेगी। स्व-सहायता समूहों, मितानिनों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से अंतिम छोर पर बैठी बहन तक इसकी जानकारी पहुंचाई जाएगी, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति न्याय से वंचित न रहे। रत्नावली कौशल ने प्रदेश की मातृशक्ति एवं समस्त नागरिकों से आह्वान किया कि मुख्यमंत्री जी की इस जनहितकारी पहल का भरपूर उपयोग करें और 'सशक्त नारी – समृद्ध छत्तीसगढ़' के निर्माण में भागीदार बनें।

15 हजार की सैलरी और करोड़ों के ठाठ!

समाज सेवा का जज्बा या 'मलाई' का लालच ?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चुनाव का बिगुल बजते ही नगरसेवक बनने के लिए उम्मीदवारों की कतार लग गई है। हैरानी की बात यह है कि बड़ी-बड़ी डिग्रियां रखने वाले और लाखों का व्यापार करने वाले लोग भी इस पद के लिए 'पागल' हुए जा रहे हैं। सवाल यह उठता है कि क्या वाकई यह जोश समाज सेवा के लिए है? या फिर इस छोटे से पद के पीछे छिपा 'बड़ा खेल' कुछ और ही है?

दिखावे की सैलरी, असली खेल 'ग्रांट' का

सरकारी आंकड़ों पर नजर डालें तो एक नगरसेवक का वेतन मात्र 15 से 20 हजार रुपये के आसपास होता है। एक आम शिक्षित युवा इतनी सैलरी के लिए शायद ही इतनी मेहनत करे। लेकिन असली आकर्षण वेतन नहीं, बल्कि पार्षद को मिलने वाली 40 से 50 लाख रुपये की सालाना ग्रांट है।

कड़वा सचः क्षेत्र के विकास के नाम पर आने वाली इस ग्रांट में 'प्रतिशत' (Commission) का खेल किसी से छिपा नहीं है।

ठेकेदारी का जालः सड़क, गटर और स्ट्रीट लाइट के कामों में अपने चहेते ठेकेदारों को काम दिलाना और उसमें से हिस्सा निकालना, यही इस पद की असली 'कमाई' मानी जाती है।

रसूख, रुतबा और सरकारी ठाठ

बात सिर्फ पैसों तक सीमित नहीं है। नगरसेवक का पद राजनीति की पहली सीढ़ी है, जहां से रसूख का रास्ता खुलता है पावर का नशाः एक बार पार्षद बनने के बाद पुलिस, प्रशासन और स्थानीय विभागों में जो धौंस जमती है, उसकी कोई कीमत नहीं।

ऊपर की सीढ़ीः यदि किस्मत चमकी और मेयर, डिप्टी मेयर या स्टैंडिंग कमेटी के अध्यक्ष बन गए, तो फिर चांदी ही चांदी है। सरकारी बंगला, आलीशान गाड़ी और पर्सनल ड्राइवर–ये सब ठाठ-बाट एक झटके में मिल जाते हैं।

पढ़े-लिखे युवाओं की मजबूरी या मौकापरस्ती? आज 15 हजार की प्राइवेट नौकरी के लिए धक्के खाने वाला युवा जब देखता है कि एक नगरसेवक पांच साल में करोड़ों की संपत्ति बना लेता है, तो वह भी इस दौड़ में शामिल हो जाता है। यह समाज के लिए एक चेतावनी है। यदि शिक्षित लोग केवल 'मलाई' खाने के लिए राजनीति में आएंगे, तो विकास के नाम पर सिर्फ भ्रष्टाचार की इमारतें खड़ी होंगी। मतदाताओं को सोचना होगा कि जो उम्मीदवार चुनाव लड़ने के लिए लाखों रुपये पानी की तरह बहा रहा है, क्या वह वाकई 15 हजार की सैलरी में संतुष्ट रहेगा? या फिर वह आपके टैक्स के पैसों से अपनी '40 लाख की ग्रांट' को तिजोरी में भरने की तैयारी कर रहा है

भोरड़ा में 'पंछी आवास' का शुभारम्भ

महानगर मेट्रो

भोरड़ा। (जालोर),24 अप्रैल। प्रकृति संरक्षण और जीव दया की भावना को साकार करते हुए गाँव भोरड़ा में शुक्रवार को दिव्य सरोवर के पावन तट पर 'पंछी आवास' का भव्य शुभारम्भ श्रद्धा, उत्साह और आध्यात्मिक वातावरण के बीच सम्पन्न हुआ। इस पुण्य अवसर पर संत श्री राजारामजी पावन तीर्थधाम शिकारपुरा के पूज्य महंत श्री 108 श्री दयारामजी महाराज के करकमलों द्वारा विधिवत उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में मठ कालन्द्री व गिरनारी आश्रम भोरड़ा के श्री प्रकाशगिरीजी महाराज की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान की। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीण, श्रद्धालु एवं आसपास के गांवों से आए गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पूरे आयोजन स्थल पर उत्साह और सेवा भाव का अद्भुत संगम देखने को मिला। 'पंछी आवास' का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में पक्षियों को सुरक्षित, शांत एवं निर्भय वातावरण उपलब्ध कराना है, ताकि वे स्वतंत्र रूप से निवास कर सकें और प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने में अपनी भूमिका निभा सकें।

संतों ने अपने आशीर्वचनों में कहा कि धर्म की वास्तविक सार्थकता केवल मानव सेवा तक सीमित नहीं है, बल्कि समस्त जीव-जंतुओं के संरक्षण और सेवा में भी निहित है। उन्होंने इस पहल को जीव दया, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

उल्लेखनीय है कि 'पंछी आवास' का निर्माण स्वर्गीय तेजारामजी एवं स्वर्गीय राणारामजी पुत्र स्व. श्री अमरारामजी चौधरी की पुण्य स्मृति में उनके परिवारजनों द्वारा कराया गया है। इस सेवा कार्य में पुत्र हनुमानाराम, पौत्र रमेश चौधरी, गणेश चौधरी तथा पड़पौत्र अनिरुद्ध, विवान और रियांश चौधरी सहित समस्त चौधरी (फक) परिवार का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के प्रवक्ता दिनेश सालेचा ने बताया कि यह पहल न केवल पक्षियों को सुरक्षित आश्रय प्रदान करेगी, बल्कि समाज में जीव दया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का माध्यम भी बनेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास आने वाली पीढ़ियों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने की प्रेरणा देंगे। समारोह के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने इस पुनीत कार्य की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक कदम बताया और भविष्य में भी ऐसे कार्यों को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

मोरबी की राजनीति में 'मोरे मोरो': पंकज रणसरिया ने कांतिलाल अमृतिया को दी खुली चुनौती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात. की मोरबी राजनीति में इन दिनों 'मोरे मोरो' का नारा गूंज रहा है। पूर्व विधायक कांतिलाल अमृतिया और सामाजिक कार्यकर्ता पंकज रणसरिया के बीच छिड़ी यह जुबानी जंग अब एक दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गई है। मामला विकास कार्यों के लिए आवंटित होने वाले 20 करोड़ रुपये और उसके 'कमीशन' के आरोपों से जुड़ा है।

क्या है पूरा विवाद?

हाल ही में कांतिलाल अमृतिया ने मोरबी के राजनगर क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए 20 करोड़ रुपये पास कराने की बात कही थी। चर्चा यह थी कि इस राशि का 20' हिस्सा (लगभग 4 करोड़ रुपये) पंकज भाई को देने की पेशकश की गई थी। अब इस पर पंकज रणसरिया ने पलटवार करते हुए इसे स्वीकार कर लिया है।
जनता के हित के लिए 'डील' मंजूर
पंकज भाई ने सार्वजनिक रूप से बयान देते हुए कहा:
'जनता के हित के लिए मैं 20 करोड़ के 20' देने को तैयार हूं। अगर यह पैसा क्षेत्र के विकास और लोगों की भलाई में काम आता है, तो मुझे यह शर्त मंजूर है। '
इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में खलबली मच गई है। पंकज रणसरिया का यह दांव कांतिलाल अमृतिया के लिए एक सीधी चुनौती माना जा रहा है। 10 दिन का अल्टीमेटम: क्या मंजूर होंगे 20 करोड़?
अब सबसे बड़ा सवाल जनता के बीच यह है कि क्या कांतिलाल अमृतिया अगले 10 दिनों के भीतर राजनगर के लिए यह 20 करोड़ रुपये की राशि मंजूर करवा पाएंगे? पंकज भाई के इस 'मोरे मोरो' (आमने-सामने) वाले रुख ने प्रशासन और सत्ता पक्ष को धर्मसंकट में डाल दिया है।

भोजन बिगाड़ने के विवाद में दलित युवक की पीट-पीटकर हत्या, न्याय की मांग पर अड़ा परिवार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अमरेली. अमरेली में शर्मसार हुई इंसानियत: भोजन बिगाड़ने के विवाद में दलित युवक की पीट-पीटकर हत्या, न्याय की मांग पर अड़ा परिवार
अमरेली: गुजरात के अमरेली जिले से एक बेहद दुखद और आक्रोश पैदा करने वाली खबर सामने आई है। यहाँ एक अन्नक्षेत्र (मुफ्त भोजन केंद्र) में खाना खाने गए एक दलित युवक की मामूली विवाद के बाद बेरहमी से पिटाई की गई, जिसके कारण अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना ने पूरे इलाके में तनाव पैदा कर दिया है।

क्या है पूरा मामला?

मिली जानकारी के अनुसार, दलित युवक पास के ही एक अन्नक्षेत्र में भोजन करने गया था। वहां भोजन के दौरान 'खाना बिगाड़ने' या 'जूठन छोड़ने' जैसी छोटी सी बात को लेकर विवाद शुरू हुआ। देखते ही देखते बात इतनी बढ़ गई कि वहां मौजूद कुछ लोगों ने युवक पर हमला कर दिया और उसे इतनी बेरहमी से पीटा कि वह गंभीर रूप से घायल हो गया।
युवक को तुरंत राजकोट के अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन घाव इतने गहरे थे कि उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

परिवार ने क्यों किया शव स्वीकार करने से इनकार?

युवक की मौत के बाद पीड़ित परिवार और दलित समाज में भारी आक्रोश है। परिवार ने न्याय मिलने तक युवक का शव (Dead Body) स्वीकार करने से साफ इनकार कर दिया है। उनकी मांगें स्पष्ट हैं:
ज़ मुख्य आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी: परिवार का कहना है कि जब तक सभी हमलावरों को पकड़ा नहीं जाता, वे शव नहीं उठाएंगे।
ज़ कड़ी धाराओं में केस: मामले को दबाने की कोशिश न की जाए और आरोपियों पर हत्या व एट्रोसिटी एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई हो।
ज़ सुरक्षा और सहायता: पीड़ित परिवार ने मुआवजे और भविष्य में सुरक्षा की मांग भी दोहराई है।

प्रशासन के हाथ-पांव फूले

घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी परिवार को समझाने में जुटे हैं। अस्पताल और इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है ताकि स्थिति नियंत्रण से बाहर न जाए।

MLA और भाजपा नेता के बीच 'आर-पार' की जंग, सरेआम दी धमकी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

विवाद की शुरुआत तब हुई जब विधायक ने भाजपा नेता को कड़े लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि वे क्षेत्र का वातावरण बिगाड़ने की कोशिश न करें। विधायक ने दो टूक शब्दों में कहा: 'चुनाव खत्म होने तक रुक जाइए, उसके बाद आप हैं और मैं हूँ। माहौल खराब करने की कोशिश की तो अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहना। ' इस बयान ने इलाके में राजनीतिक सरगर्मी तेज कर दी है और समर्थकों के बीच तनाव की स्थिति पैदा कर दी है।

पुराणी का पलटवार: 'डामर-ऑयल चोर और भू-माफिया '

विधायक की धमकी के बाद भाजपा नेता मधु श्रीवास्तव (या संबंधित नेता/पुराणी) ने भी पीछे हटने के बजाय हमला और तेज कर दिया है। उन्होंने विधायक धर्मेंद्र सिंह पर बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें 'डामर-ऑयल चोर' और 'भू-माफिया' करार दिया। पुराणी ने आक्रामक अंदाज में कहा कि जनता सब जानती है कि कौन जमीनें हड़प रहा है और कौन अवैध धंधों में लिप्त है। उन्होंने साफ किया कि वे ऐसी धमकियों से डरने वाले नहीं हैं और विधायक के काले कारनामों को जनता के सामने उजागर करके रहेंगे।

नारी शक्ति वंदन पदयात्रा को जन-आंदोलन बनाएंगे, लोरमी में गूंजा महिला सशक्तिकरण का स्वर : रत्नावली कौशल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

केंद्र सरकार की 'नारी शक्ति वंदन योजना' के अंतर्गत भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष अंजना देवी दास के नेतृत्व में महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा, स्वावलंबन एवं सामाजिक-राजनीतिक सहभागिता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आज लोरमी नगर में भव्य 'नारी शक्ति वंदन पदयात्रा' का विशाल आयोजन किया गया। माता महामाया मंदिर के पावन प्रांगण से प्रारंभ होकर यह पदयात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए ठाकुर देव मंदिर में पूर्ण गरिमा के साथ संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं नारी शक्ति के प्रतीक स्वरूप दीप प्रज्ज्वलन तथा पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।पदयात्रा के शुभारंभ अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन की पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल ने उपस्थित विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा माता महामाया और ठाकुर देव के आशीर्वाद से आज हम नारी शक्ति वंदन पदयात्रा का शंखनाद कर रहे हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' एक युगांतरकारी निर्णय है, जिसने भारत की बेटियों को केवल कल्याणकारी योजनाओं की लाभार्थी से ऊपर उठाकर देश की नीति-निर्माता बनाने का ऐतिहासिक मार्ग प्रशस्त किया है।लोकसभा और विधानसभाओं में 33' आरक्षण के माध्यम से अब गाँव की बेटी भी दिल्ली में बैठकर अपने गाँव, प्रदेश और देश की तकदीर लिखेगी। '
रत्नावली कौशल ने स्पष्ट किया कि यह पदयात्रा मात्र औपचारिक भ्रमण नहीं, अपितु सामाजिक चेतना का अभियान है। 'हमें घर-घर तक यह विश्वास पहुँचाना है कि बेटी अब बोझ नहीं, बल्कि राष्ट्र का भविष्य और परिवार का गौरव है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, किसान, श्रमिक एवं पिछड़े वर्ग की बहनों को शिक्षा, कौशल विकास, मुद्रा लोन, स्वयं सहायता समूह, स्टार्टअप और डिजिटल साक्षरता से जोड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना ही हमारा लक्ष्य है।
रत्नावली कौशल ने बताया कि भाजपा महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष विभा अवस्थी जी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ के प्रत्येक जिले, मंडल एवं शक्ति केंद्र तक नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रावधानों को लेकर जागरूकता अभियान, विधिक साक्षरता शिविर, कौशल प्रशिक्षण एवं स्वरोजगार मेलों का सतत आयोजन किया जाएगा, ताकि प्रदेश की हर बेटी सम्मान, शिक्षा और समान अवसर के साथ राष्ट्र निर्माण में भागीदार बन सके।
महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष अंजना देवी दास ने भाजपा के समस्त जिला व मंडल पदाधिकारियों, मातृशक्ति, महिला मोर्चा एवं समस्त कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा, 'इस पदयात्रा को हमें जन-आंदोलन का स्वरूप देना है। जब तक समाज की अंतिम पंक्ति में खड़ी महिला शिक्षित, सुरक्षित और स्वावलंबी नहीं होगी, तब तक 'विकसित भारत 2047' का संकल्प अधूरा रहेगा। आइए, आज महामाया मंदिर से ठाकुर देव तक कदम से कदम मिलाकर चलें और यह प्रण लें कि प्रत्येक नारी का सम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन सुनिश्चित करेंगे। 'पदयात्रा में सम्मिलित मातृशक्ति ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ से बेटी बढ़ाओ', 'नारी शक्ति जिंदाबाद', '33' आरक्षण-महिला सम्मान' जैसे ओजस्वी नारों से अंकित तख्तियां थामकर जन-जागरण का प्रभावी संदेश दिया।

छत्तीसगढ़ में पत्रकारों पर दर्ज फर्जी FIR की IPS स्तर पर जांच की मांग: हेमंत वर्मा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

`राजनांदगांव छत्तीसगढ़ पत्रकारों के अंतरराष्ट्रीय संगठन आईरा इंटरनेशनल रिपोर्टर एसोसिएशन के छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने छत्तीसगढ़ के डीजीपी एवं माननीय मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल से मांग किया कि छत्तीसगढ़ में जितने फर्जी एफआईआर पत्रकारों पर हुए हैं उनके लिए आईपीएस स्तर के अधिकारी अलग से जांच करें एवं दोषी पुलिस कर्मियों पर या संगठित अपराध की तर्ज पर किए गए पूर्वाग्रह से ग्रसित एफआईआर पर संज्ञान लेकर कड़ी कार्रवाई करने का कष्ट करें आमतौर पर देखने में आता है कि जब कोई पत्रकार किसी समस्या को या किसी अधिकारी के भ्रष्टाचार को या पुलिस विभाग की सच्चाई को ही उजागर करना प्रारंभ कर देते हैं तो उस अधिकारियों के आंखों की वह किरकिरी बन जाते हैं
और उसे कोई फर्जी प्रकरण में डसने का प्रयास करते हैं छत्तीसगढ़ में सैकड़ो पत्रकार है जो फर्जी एफआईआर का शिकार हुए हैं लेकिन तारीख पर तारीख के चलते उनको न्याय नहीं मिल पाती और पुलिस में उनका नाम हो जाता है वह आए दिन चौकी थाना कोर्ट कचहरी के चक्कर में उसे पत्रकार की पूरी छवि पर दाग लग जाता है हालांकि सुप्रीम कोर्ट का स्पष्ट निर्देश है कि पत्रकारों का कोई अगर मामला आता है उस राज्य के डीजीपी डायरेक्ट संज्ञान में ले संबंधित जिले के एसपी पूरे अपनी निगरानी में उस चीज को रखे लेकिन छत्तीसगढ़ में इस नियम का पालन नहीं किया जा रहा है माननीय छत्तीसगढ़ के संवेदनशील मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी एवं माननीय हाईकोर्ट से आग्रह है कि पत्रकारों पर जितने फर्जी एफआईआर हुए हैं उसकी अलग से जांच कराई जाए एवं दोषी कर्मचारियों के खिलाफ विभिन्न भारतीय दंड संहिता और भारतीय न्याय संहिता के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए क्योंकि देश में कानून का राज है वीआईपी हो सबके लिए है चाहे वह आम रहे अधिकारी हो या कोई भी हो इस मामले में भारतीय प्रेस परिषद को सामने आना चाहिए और माननीय सुप्रीम कोर्ट में एक रिपीटेशन तैयार करनी चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देशों की कैसे धज्जियां उड़ाई जा रही है

कमल ने कमर तोड़ी ', बदहाल सड़कों और धूल फांकती जनता ने खोला मोर्चा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

निकोल। विकास के दावों के बीच निकोल इलाके की सच्चाई कुछ और ही बयां कर रही है। वर्षों से टूटी सड़कों और धूल के गुबार से परेशान यहां की जनता ने अब प्रशासन और सत्ताधारी दल के खिलाफ सीधा मोर्चा खोल दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस 'कमल' को उन्होंने उम्मीदों के साथ चुना था, आज उसी की अनदेखी ने आम आदमी की 'कमर तोड़' दी है।

हर रोज नई मुसीबत '

निकोल के निवासियों का आरोप है कि यहां की मुख्य सड़कें और अंदरूनी रास्ते पिछले कई सालों से बिस्मार्क (जर्जर) हालत में हैं। इलाके की स्थिति ऐसी है कि: रोजाना खुदाई: एक विभाग काम पूरा करता है, तो दूसरा विभाग खुदाई शुरू कर देता है। तालमेल की कमी का खामियाजा जनता भुगत रही है। समय सीमा का पता नहीं: जो काम महीनों पहले पूरे हो जाने चाहिए थे, वे आज भी कछुआ गति से चल रहे हैं। स्वास्थ्य पर खतरा: उड़ने वाली धूल और कीचड़ की वजह से बुजुर्गों और बच्चों में सांस की बीमारियां बढ़ रही हैं।

'कमल ने कमर तोड़ी ': चुनावी नारे पर भारी पड़ता आक्रोश

सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधते हुए लोगों ने तीखे शब्दों में कहा, 'हमने कमल को वोट दिया था कि विकास होगा, लेकिन यहां तो कमल ने हमारी कमर ही तोड़ दी है।' ऊबड़-खाबड़ रास्तों की वजह से वाहनों का मेंटेनेंस बढ़ गया है और आए दिन लोग हादसों का शिकार हो रहे हैं। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि धूल और खराब रास्तों के कारण ग्राहकों ने इस तरफ आना कम कर दिया है, जिससे व्यापार चौपट हो रहा है।

प्रशासन मौन, जनता परेशान

कई बार शिकायतें करने के बावजूद नगर निगम (AMC) के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही है। ठेकेदारों की मनमानी और अधिकारियों की लापरवाही ने निकोल को का शहर' बना दिया है। क्या स्मार्ट सिटी का सपना सिर्फ कागजों तक ही सीमित है? निकोल की जनता अब झूठे वादों से थक चुकी है। अगर जल्द ही सड़कों का काम समय सीमा में पूरा नहीं हुआ, तो आने वाले दिनों में यह जनाक्रोश वोट की चोट में बदल सकता है।

दीदी का दिल्ली पर सीधा प्रहार: 'मुझे कुर्सी का मोह नहीं, मेरा लक्ष्य भाजपा की लंका ढाना है '

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पश्चिम बंगाल. विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान ने प्रदेश की सियासत में खलबली मचा दी है। मतदान के भारी आंकड़ों ने तृणमूल कांग्रेस के खेमे में जबरदस्त उत्साह भर दिया है। अपनी जीत को लेकर आश्वस्त नजर आ रही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अब सीधे दिल्ली की सत्ता को चुनौती देते हुए हुंकार भरी है।

'जीत का संकेत साफ है '

कोलकाता की एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि पहले चरण का मतदान इस बात का प्रमाण है कि बंगाल की जनता ने बाहरी ताकतों को नकार दिया है। उन्होंने दावा किया कि टीएमसी की आंधी में विरोधियों के तंबू उखड़ चुके हैं और पार्टी एक बार फिर प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी कर रही है।
कुर्सी की भूख नहीं, सत्ता का अंत लक्ष्य
ममता बनर्जी ने अपने भाषण में बेहद घातक शब्दों का प्रयोग करते हुए स्पष्ट किया कि उनकी लड़ाई अब सिर्फ बंगाल तक सीमित नहीं है। उन्होंने गरजते हुए कहा:
'मुझे मुख्यमंत्री की कुर्सी या सत्ता का कोई लालच नहीं है। मेरी व्यक्तिगत कोई महत्वाकांक्षा नहीं है। मेरा एकमात्र और अंतिम लक्ष्य दिल्ली के सिंहासन पर बैठी जनविरोधी भाजपा सरकार का अंत करना है। ' ममता के इस तेवर ने यह साफ कर दिया है कि वे अब बंगाल की सीमाएं लांघकर केंद्र की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि भाजपा का अहंकार अब टूटने वाला है और इसकी शुरुआत बंगाल की धरती से हो चुकी है।
दीदी के इस बयान ने भाजपा खेमे में हलचल तेज कर दी है। एक तरफ जहां भाजपा बंगाल फतह का दावा कर रही है, वहीं ममता बनर्जी ने सीधे दिल्ली पर निशाना साधकर मुकाबले को 'आर-पार' की जंग में तब्दील कर दिया है। अब देखना यह होगा कि बंगाल के चुनावी नतीजे दिल्ली की राजनीति में कितना बड़ा भूकंप लाते हैं।

संकल्प की सिद्धि नहीं, शुद्धि ज़रूरी है: मोरारि बापू

मानस 'शिव संकल्प' राम कथा के सातवें दिन का सफल आयोजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

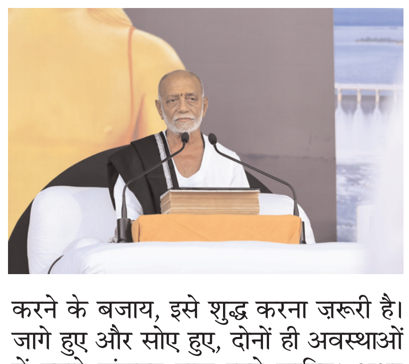

भावनगर जिले के तीर्थ स्थल पालिताणा में गाई जाने वाली 'मानस-शिव संकल्प' राम कथा आज, शुक्रवार, 24 अप्रैल को अपने सातवें दिन में प्रवेश कर गई और खुशी-खुशी समाप्त हो गई। यह कथा पू. लालगिरिबापू के पवित्र निवास सगापारा धार कैलाश पहाड़ी पर गाई जा रही है, जो ब्रह्मलीन पू. विजयगिरिबापू की तपस्थली है। आज सातवें दिन की कथा पर चर्चा करते हुए पू. मोरारि बापू ने कहा कि पालिताणा तीर्थ स्थल परचा की भूमि नहीं बल्कि यह वास्तव में परिचय की भूमि है। यहां की समर्थ चेतनाओं, जिनमें पू. रणछोड़गिरी बापू पू. बजरंगदास बापा और पू. हरिराम बापू गोदाडिया जैसे महापुरुष भी शामिल हैं, उन्होंने अपना और इस भूमि को अपने साथ परिचित कराया है। इसलिए यह धरती परिचय देने लायक है। संकल्प पूरा करने के बजाय, इसे शुद्ध करना ज़रूरी है। जागे हुए और सोए हुए, दोनों ही अवस्थाओं में हमारे संकल्प शुद्ध रहने चाहिए। अक्षर इंसान को अंधा कर देता है और परिचय उसे देखने लायक बनाता है। शब्द ही दवा है। पवित्रता बहुत ज़रूरी है। संकल्प पूरा करने के लिए एकांत चाहिए। यह स्थिर होना चाहिए, पदार्थ से रहित होना चाहिए। मौन भी उतना ही ज़रूरी है, यह हमारा धन है, इसे बचाकर रखना चाहिए। पवित्रता के लिए सात चीज़ें चाहिए। एकांत, मौन, प्राण शक्ति बढ़ाना, गुरु के चरणों को पवित्र रखना, मन पवित्र, शरीर पवित्र, मन की एकाग्रता और अहंकार का अभाव। आज की कहानी में राम के जन्म से पहले की कहानी, राम के जन्म के पाँच कारण, माता कौशल्या समेत दशरथजी की रानियों को खीर का भोग और फिर भगवान रामजी का प्रकट होना, इन सब को इमोशनल तरीके से पेश किया गया। आज की कथा में इंटरनेशनल कथाकार श्री हर्षदभाई जोशी (नोघंनवदर), श्री रामकृष्ण शास्त्री (कुंढेली), उद्योगपति श्री वल्लभभाई सवाणी, शिक्षाविद श्री भद्रायुभाई वच्छराजानी आदि की खास मौजूदगी रही। कल, यानी रविवार, 26 तारीख को कथा पूरी होगी। स्टेज मैनेजमेंट में श्री नीलेशभाई वावडिया और मैनेजमेंट श्री दीपकभाई राज्यगुरु अहम भूमिका निभा रहे हैं। कथा के दौरान कई संत, महंत आदि की मौजूदगी से कथा की प्लानिंग सफल हो रही है।

सुरक्षित जीवन की दिशा में: मलेरिया मुक्त भविष्य का संकल्प

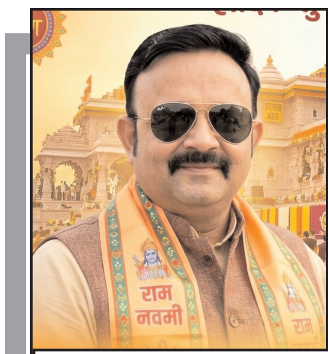

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

मलेरिया को आज भी एक सामान्य रोग समझ लिया जाता है, किंतु यह आज भी विश्व की सबसे गंभीर जनस्वास्थ्य समस्याओं में से एक है और हर वर्ष लाखों लोगों की मृत्यु का कारण बनता है। बहुत कम लोग जानते हैं कि यह वायरस से नहीं बल्कि प्लाज्मोडियम नामक परजीवी से फैलता है, जो संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से मनुष्य के शरीर में पहुँचता है।

प्रतिवर्ष 25 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस को मनाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य मलेरिया जैसी जानलेवा, घातक और व्यापक संक्रामक बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाना, इसके रोकथाम के उपायों को प्रोत्साहित करना, समय पर जाँच एवं उपचार की व्यवस्था पर बल देना तथा वैश्विक स्तर पर इसके उन्मूलन के प्रयासों को गति देना है।

मलेरिया को आज भी एक सामान्य रोग समझ लिया जाता है, किंतु यह आज भी विश्व की सबसे गंभीर जनस्वास्थ्य समस्याओं में से एक है और हर वर्ष लाखों लोगों की मृत्यु का कारण बनता है। बहुत कम लोग जानते हैं कि यह वायरस से नहीं बल्कि प्लाज्मोडियम नामक परजीवी से फैलता है, जो संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से मनुष्य के शरीर में पहुँचता है।पाठक जानते होंगे कि हर मच्छर मलेरिया नहीं फैलाता।मलेरिया शब्द की यदि हम यहां पर बात करें तो यह शब्द इतालवी(इटली) भाषा के माला एरिया से बना है, जिसका अर्थ खराब हवा होता है, क्योंकि प्राचीन काल में लोग मानते थे कि यह बीमारी गंदी या दूषित हवा से फैलती है, जबकि बाद में विज्ञान ने सिद्ध किया कि इसका वास्तविक कारण मच्छर हैं।

पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि मलेरिया कोई नया नहीं बल्कि, यह एक अत्यंत प्राचीन रोग है, जिसका उल्लेख प्राचीन मिस्र, भारत तथा चीन के प्राचीन ग्रंथों में भी मिलता है। संक्रमित मच्छर के काटने पर प्लाज्मोडियम परजीवी रक्त में प्रवेश कर लाल रक्त कोशिकाओं में बहुगुणित होने लगता है, जिससे रक्तहीनता (एनीमिया), कमजोरी और अन्य जटिलताएँ उत्पन्न होती हैं। बहरहाल, इसके प्रमुख लक्षणों की यदि हम यहां पर बात करें तो इसके प्रमुख लक्षणों में क्रमशः तेज बुखार, ठंड लगना, कंपकंपी, सिरदर्द, मतली, उल्टी, अत्यधिक पसीना आना, चक्कर आना, साँस फूलना, तेज नाड़ी, थकान, कमजोरी तथा जुकाम जैसी अनुभूति शामिल हैं। गंभीर अवस्था में रोगी मूर्च्छा तक में जा सकता है और व्यक्ति की मृत्यु तक भी हो सकती है। कुछ लोगों में इसके लक्षण देर से प्रकट होते हैं, किंतु छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और कमजोर प्रतिरक्षा वाले व्यक्तियों में यह शीघ्र और अधिक घातक रूप ले सकता है। रोगी के ठीक होने के बाद भी यह रोग पुनः हो सकता है। वर्षा ऋतु में या वर्षा के बाद जब घरों, गलियों और आसपास के क्षेत्रों में पानी जमा हो जाता है, तब मच्छरों का प्रजनन तेजी से होता है और संक्रमण का प्रसार बढ़ जाता है। यही कारण है कि स्वच्छता और जलभराव रोकना मलेरिया नियंत्रण का अत्यंत महत्त्वपूर्ण उपाय माना जाता है। यह रोग मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया, अमेरिका तथा अन्य उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में अधिक पाया जाता है, क्योंकि वहाँ की जलवायु मच्छरों के पनपने के लिए अनुकूल होती है। मलेरिया गरीब क्षेत्रों में अधिक पाया जाता है, क्योंकि वहाँ स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाओं, दवाओं, सुरक्षित आवास और रोकथाम के संसाधनों की कमी होती है।

बहरहाल, यहां पाठकों को जानकारी देता चलूं कि वर्ष 2007 में विश्व स्वास्थ्य सभा के 60वें सत्र में इसे मनाने का निर्णय लिया गया था और पहला आधिकारिक विश्व मलेरिया दिवस 25 अप्रैल 2008 को मनाया गया था।हर साल इस दिवस की एक थीम रखी जाती है और वर्ष 2025 की थीम-मलेरिया का अंत हमसे होगाः पुनर्निवेश करें, नए तरीके सोचें और प्रयासों को फिर से प्रज्वलित करें। रखी गई थी ,जिसका मतलब है कि मलेरिया का अंत हमारे अपने प्रयासों से ही संभव है। सरल शब्दों में कहें तो मलेरिया नियंत्रण और अनुसंधान में फिर से अधिक संसाधन, धन और ध्यान लगाना होगा,इस पर नियंत्रण के लिए हमें नए सिरे से सोचना होगा। हमें पारंपरिक तरीकों के साथ-साथ नए, प्रभावी और आधुनिक उपाय अपनाने होंगे तथा मलेरिया उन्मूलन के वैश्विक प्रयासों में नई ऊर्जा और उत्साह पैदा करना होगा। वहीं इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में इसकी थीम-मलेरिया समाप्त करने के लिए प्रेरितः अब हम कर सकते हैं, अब हमें करना ही होगा। रखी गई है। वास्तव में इसका सीधा सा संदेश यह है कि अवसर और साधन मौजूद हैं, इसलिए अब देरी नहीं, बल्कि निर्णायक कार्रवाई का समय है।

हाल फिलहाल, यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो वैश्विक स्तर पर मलेरिया के मामले लगभग 28.2 करोड़ तक पहुँच चुके हैं और लगभग 6.10 लाख लोगों की मृत्यु हुई है, जिनमें अधिकांश पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चे हैं। पूर्व की विश्व मलेरिया रिपोर्टों में यह तथ्य भी सामने आया कि कुछ वर्षों में हर 50 सेकंड में एक व्यक्ति की मृत्यु मलेरिया के कारण हो रही थी। वर्ष 2020 में विश्व स्तर पर 6,27,000 लोगों की मृत्यु मलेरिया के कारण दर्ज की गई थी, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक थी।इन सभी के बीच राहत की बात यह है कि दुनिया के 47 देश मलेरिया मुक्त घोषित किए जा चुके हैं और चीन को भी मलेरिया मुक्त देश का दर्जा प्राप्त हुआ है। वहीं पर, भारत की स्थिति पिछले वर्षों में उत्साहजनक रही है। देश ने एक दशक में मलेरिया मामलों में लगभग 80 प्रतिशत कमी दर्ज की है,यह काबिले-तारीफ है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत सरकार ने 2027 तक मलेरिया मुक्त भारत और 2030 तक पूर्ण उन्मूलन का लक्ष्य रखा है। अतीत में ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ पश्चिम बंगाल और पंजाब जैसे राज्य मलेरिया से अधिक प्रभावित रहे, विशेषकर दूरस्थ ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 19वीं सदी के अंत और 20वीं सदी की शुरूआत में भारत की लगभग एक चौथाई आबादी मलेरिया से प्रभावित बताई जाती है। 1935 के एक सर्वेक्षण के अनुसार भारत को मलेरिया के कारण प्रतिवर्ष भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता था। भारत सरकार ने 1953 में राष्ट्रीय मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम आरंभ किया, जो अत्यंत सफल रहा, और 1958 में राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। निरंतर सरकारी प्रयासों, चिकित्सा सेवाओं, दवाओं और जागरूकता अभियानों से रोगियों की संख्या में भारी कमी आई, किंतु अभी भी पूर्ण सफलता शेष है। मलेरिया से बचाव के लिए मच्छरदानी का उपयोग, घर के आसपास पानी जमा न होने देना, जल टंकियों को ढककर रखना, खड़े पानी को सुखाना या बहाना, पानी की सतह पर तेल डालना जिससे लार्वा साँस न ले सके, नियमित साफ-सफाई, पूरी बाँह के कपड़े पहनना, समय पर जाँच, डॉक्टर की सलाह से दवा लेना तथा कीटनाशकों का छिड़काव करना अत्यंत आवश्यक है।

बहुत कम लोग ही यह बात जानते होंगे कि सेनाओं और सुरक्षा बलों में मलेरिया रोकथाम पर विशेष ध्यान दिया जाता है, क्योंकि उनकी तैनाती प्रायः जंगलों, सीमावर्ती क्षेत्रों और मच्छर-बहुल स्थानों पर होती है, इसलिए मच्छरदानी का उपयोग वहाँ अनिवार्य माना जाता है। मलेरिया का उपचार कुनैन तथा आर्टिमीसिनिन जैसी दवाओं से किया जाता है। कुनैन सिनकोना नामक वृक्ष से प्राप्त होती है। आरटीएस ,एसऔर आर-21 ऐसे टीके हैं जिन्हें विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मंजूरी दी है और जिनसे विशेषकर बच्चों की सुरक्षा में सहायता मिली है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि मच्छर नियंत्रण के लिए डीडीटी (डाइक्लोरो-डाइफेनाइल-ट्राइक्लोरोइथेन) कभी अत्यंत प्रभावी हथियार सिद्ध हुआ था। यह पहला आधुनिक कीटनाशक माना जाता है। इसका संश्लेषण 1874 में ऑस्ट्रिया के रसायनज्ञ ओथमार जीडलर ने किया था तथा इसके कीटनाशी गुणों की खोज 1939 में पॉल हरमन मुलर ने की थी, जिन्हें 1948 में नोबेल पुरस्कार मिला। गौरतलब है कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सैनिकों और आम जनता को मलेरिया तथा टाइफस से बचाने के लिए इसका व्यापक उपयोग हुआ। बाद में पर्यावरणीय प्रभावों के कारण इसके उपयोग पर नियंत्रण लगाया गया, किंतु कुछ परिस्थितियों में मलेरिया नियंत्रण हेतु सीमित उपयोग को स्वीकृति दी गई। वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन, बढ़ती गर्मी, मच्छरों में कीटनाशक प्रतिरोधक क्षमता, परजीवियों में दवा प्रतिरोध, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, गरीबी, पर्याप्त कोष का अभाव, सामुदायिक भागीदारी की कमी, समय पर छिड़काव न होना, रोग की पहचान में देरी तथा दूरस्थ क्षेत्रों तक चिकित्सा सुविधा न पहुँच पाना मलेरिया उन्मूलन की बड़ी बाधाएँ हैं। इसलिए आवश्यक है कि जागरूकता अभियान चलाए जाएँ, रेडियो, फिल्म, विद्यालयों और सामाजिक माध्यमों से जानकारी पहुँचाई जाए, गरीबों को स्वास्थ्य संसाधन उपलब्ध कराए जाएँ, स्वच्छता पर बल दिया जाए और वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाए। अंत में यही कहूंगा कि विश्व मलेरिया दिवस हमें यह संदेश देता है कि यदि सरकार, समाज, चिकित्सा संस्थान और प्रत्येक नागरिक सामूहिक संकल्प के साथ आगे आएँ, तो मलेरिया जैसी बीमारी को हराकर मलेरिया मुक्त भारत और मलेरिया मुक्त विश्व का सपना अवश्य साकार किया जा सकता है।

संपादकीय

जीवनशैली के रोग

निस्संदेह, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय यानी एनएसओ की वह रिपोर्ट राष्ट्रीय चिंता बढ़ाने वाली है कि देश की पचास फीसदी आबादी जीवनशैली से जुड़े रोगों से ग्रस्त-त्रस्त है। यह भी फिक्र बढ़ाने वाला है कि एक दशक पहले देश में खान-पान, जीवन व्यवहार व तनाव से उपजे रोगों का प्रतिशत जहां 31 था, वो अब पचास फीसदी तक जा पहुंचा है। वहीं एक अच्छी बात यह है कि चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार व नये शोध अनुसंधान के चलते संक्रामक रोगों का प्रतिशत घटा है। लेकिन हमारे खानपान व जीवन व्यवहार में तेजी से आ रहे बदलावों के चलते लोग मोटापे, मधुमेह, तनाव व उच्च रक्तचाप जैसे रोगों के शिकार हो रहे हैं, जिसके चलते जानलेवा संकट भी बढ़ रहा है। हमें स्वीकार करना होगा कि आजादी के बाद देश में आम आदमी के जीवन स्तर में किसी न किसी तरह सकारात्मक बदलाव आया है, जिसके चलते जीवनशैली भी बदली है। लेकिन पौष्टिक व शरीर की जरूरतों के अनुकूल भोजन न करने, शारीरिक निष्क्रियता, स्क्रीन टाइम बढ़ने से नींद की कमी आदि अनेक ऐसे कारण हैं जो इन रोगों के वाहक बनते हैं। इसमें आनुवंशिक रोगों की भी भूमिका है। धीरे-धीरे शरीर को खोखला करने वाले ये रोग कालांतर जानलेवा बन जाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन भी चिंता जता रहे हैं कि भारत में विभिन्न रोगों से मरने वाले ज्यादातर लोगों की मौत की वजह संक्रामक रोग के बजाय जीवनशैली से जुड़े रोग हैं। जो हमारी गभीर चिंता का विषय होना चाहिए। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि चिकित्सा विज्ञान की आशातीत प्रगति के चलते आम भारतीय की जीवन प्रत्याशा में इजाफा हुआ है, लेकिन जीवनशैली से जुड़े रोगों का बढ़ना इस कामयाबी पर पानी फेरने जैसा है। यही वजह है कि देश में स्वास्थ्य बीमा कारोबार में तेजी आई है, यह तेजी ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक है। लेकिन ये बीमा कंपनियां रोग से बचाव में मदद करने के बजाय व्यक्ति के रोगों के इलाज को प्राथमिकता देती हैं। हालांकि, देश में जीवनशैली से जुड़े रोगों से बचाव के लिये जागरूकता जरूर आई है। जिसके लिये राजग सरकार को श्रेय देना होगा। प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग का दुनिया में व्यापक प्रचार-प्रसार हुआ है। यह जागरूकता भारत में भी है। लेकिन बड़ी आबादी अब भी इससे दूर है। प्रधानमंत्री ह्यमन की बातह्ल रेडियो कार्यक्रम व अन्य मंचों से मोटापे से बचाव और खानपान में मिलेट अपनाने पर अक्सर बल देते नजर आते हैं। लेकिन इस पर सकारात्मक प्रतिसाद अपेक्षित अनुपात में नहीं मिल पाया है। यही वजह है कि लोगों को महंगा इलाज कराने को बाध्य होना पड़ता है। विडंबना है कि उच्च रक्तचाप, मधुमेह जैसे रोगों से राहत के लिये डॉक्टर जीवनभर दवा खाने को कहते हैं। तमाम लोग निजी अस्पतालों में हृदयरोग आदि के महंगे इलाज से गरीबी की दलदल में फंस जाते हैं। कोरोना संकट के सबक हमें याद रखने चाहिए, जब लोगों ने जेवर, जमीन व मकान तक गिरवी रखकर अपना उपचार कराया। लेकिन यदि लोग शारीरिक सक्रियता बढ़ाएं, योग, ध्यान और व्यायाम को जीवन का हिस्सा बनाएं तो इन रोगों से बच सकते हैं।

चिंतन-मनन

ईश्वर का स्वरूप क्या है?

पहले अपने स्वरूप को जानों

एक महात्मा से किसी ने पूछा- ईश्वर का स्वरूप क्या है?

महात्मा ने उसी से पूछ दिया-तुम अपना स्वरूप जानते हो?

वह बोला- नहीं जानता।

तब महात्मा ने कहा- अपने स्वरूप को जानते नहीं जो साढ़े तीन हाथ के शरीर में मैं-मैं कर रहा है और संपूर्ण विश्व के अधिष्ठान परमात्मा को जानने चले हो। पहले अपने को जान लो, तब परमात्मा को तुरंत जान जाओगे। एक व्यक्ति एक वस्तु को दूरबीन से देख रहा है। यदि उसे यह नहीं ज्ञान है कि वह यंत्र वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु के सही स्वरूप का ज्ञान कैसे होगा?

अतः अपने यंत्र के विषय में पहले जानना आवश्यक है। हमारा ज्ञान इन्द्रियों के द्वारा संसार दिखलाता है। हम यह नहीं जानते कि वह दिखाने वाला हमें यह संसार यथावत? ही दिखलाता है या घटा-बढ़ाकर या विकृत करके दिखलाता है। गुलाब को नेत्र कहते हैं- यह गुलाबी है। नासिका कहती है- यह इसमें एक प्रिय सुगंध है। त्वचा कहती है- यह कोमल और शीतल है। चखने पर मालूम पड़ेगा कि इसका स्वाद कैसा है। पूरी बात कोई इंद्री नहीं बतलाती। सब इन्द्रियां मिलकर भी वस्तु के पूरे स्वभाव को नहीं बतला पातीं।

आचार्य महाश्रमण की निर्गुण-चेतना से विश्व-शांति की नई दिशा

ललित गर्ग

मानव इतिहास के इस अशांत और संक्रमणकालीन दौर में जब विश्व का परिदृश्य युद्ध, हिंसा, आतंकवाद और वैचारिक टकरावों से आच्छादित है, तब शांति, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों की पुकार पहले से कहीं अधिक तीव्र हो उठी है। ऐसे समय में आचार्य महाश्रमण एक ऐसे आध्यात्मिक प्रकाशस्तंभ के रूप में उभरते हैं, जिनका चिंतन केवल किसी एक पंथ, सम्प्रदाय या राष्ट्र तक सीमित नहीं है, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के कल्याण का व्यापक दृष्टिकोण अपने भीतर समेटे हुए है। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व 'निर्गुण रंगी चदरिया' की उस अनुभूति को मूर्त करता है, जो गुणों के पार जाकर आत्मा की शुद्ध चेतना में स्थित होने का संदेश देती है। भगवद्गीता में अर्जुन को दिए गए श्रीकृष्ण के उपदेश 'त्रिगुणातीत बन जा' के अनुरूप आचार्य महाश्रमण का जीवन एक सजीव उदाहरण बनकर सामने आता है। उन्होंने सत्व, रज और तम के बंधनों को पार कर उस निर्गुण अवस्था को साधने का प्रयास किया है, जहाँ व्यक्ति न केवल आत्मबोध को प्राप्त करता है, बल्कि समष्टि के कल्याण का माध्यम भी बन जाता है। उनका यह दृष्टिकोण केवल दार्शनिक विमर्श नहीं, बल्कि व्यवहारिक जीवन में उतरा हुआ सत्य है। उनकी साधना 'सत्य की पूजा' नहीं करती, बल्कि 'सत्य की शल्य-चिकित्सा' करती है अर्थात् वे सत्य को केवल स्वीकार नहीं करते, बल्कि उसकी गहराई में उतरकर उसे परिष्कृत करते हैं।

आचार्य महाश्रमण का जीवन 'रहें भीतर, जीएँ बाहर' के सूत्र पर आधारित है। यह सूत्र आधुनिक जीवन की जटिलताओं में संतुलन स्थापित करने का एक अद्वितीय मार्ग प्रस्तुत करता है। आज का मनुष्य बाहरी उपलब्धियों की दौड़ में अपने भीतर के शून्य को अनदेखा कर देता है, जिसके परिणामस्वरूप तनाव, असंतोष और हिंसा का जन्म होता है। आचार्य महाश्रमण का चिंतन इस अंतर्विरोध को समाप्त करने का प्रयास करता है। वे सिखाते हैं कि यदि भीतर शांति और संतुलन है, तो बाहर का जीवन स्वतः ही सुव्यवस्थित हो जाता है। यही कारण है कि उनकी साधना केवल आत्मिक उन्नति तक सीमित नहीं रहती, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का भी आधार बनती है। उनकी 'अहिंसा यात्रा' आज के समय की एक ऐतिहासिक और युगान्तरकारी पहल है, जो हमें दांडी यात्रा और भूदान आंदोलन की याद दिलाती है। यह यात्रा केवल एक पदयात्रा नहीं, बल्कि विचारों की क्रांति है-एक ऐसी क्रांति, जो हथियारों से नहीं, बल्कि संवाद, संवेदना और संस्कारों से संचालित होती है। देश-विदेश के विभिन्न क्षेत्रों में पैदल चलकर उन्होंने लाखों लोगों से सीधा संवाद स्थापित किया, उन्हें नशामुक्ति, सदाचार, नैतिकता और अहिंसा के मार्ग पर अग्रसर किया। आज जब विश्व के अनेक देश युद्ध और आतंकवाद की विभीषिका से जूझ रहे हैं, तब आचार्य महाश्रमण का यह प्रयास एक वैकल्पिक मार्ग प्रस्तुत करता है-एक ऐसा मार्ग, जहाँ शांति केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि एक व्यवहारिक संभावना बन जाती है। उनकी दृष्टि 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को साकार करती है, जहाँ सम्पूर्ण विश्व एक परिवार के रूप में देखा जाता है। वे किसी व्यक्ति को उसके धर्म, जाति, वर्ग या क्षेत्र के आधार पर नहीं, बल्कि उसके भीतर विद्यमान गुणों के आधार पर आंकते हैं। यह दृष्टिकोण न केवल सामाजिक समरसता को बढ़ावा देता है, बल्कि वैश्विक स्तर पर शांति और सहयोग की नींव भी रखता है। आज जब पहचान की राजनीति और सांस्कृतिक विभाजन समाज को खंडित कर रहे हैं, तब आचार्य महाश्रमण का यह समन्वयवादी दृष्टिकोण अत्यंत प्रासंगिक हो उठता है।

आचार्य महाश्रमण की सादगी, विनम्रता और अनुशासन उनके व्यक्तित्व की विशिष्ट पहचान हैं। आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ जैसे महान आचार्यों के सान्निध्य में विकसित उनका जीवन एक ऐसी परंपरा का प्रतिनिधित्व करता है, जो आत्मानुशासन और सेवा को सर्वोच्च मूल्य मानती है। बाल्यावस्था में ही दीक्षा लेकर उन्होंने जिस तप, त्याग और समर्पण का मार्ग अपनाया, वह आज के भौतिकतावादी युग में एक प्रेरणास्त्रोत है। उनकी जीवन यात्रा मोहनलाल से मुनि मुदितकुमार, फिर महाश्रमण और अंततः आचार्य बनने तक एक ऐसी साधना गाथा है, जो यह सिद्ध करती है कि आत्मबल और संकल्प से किसी भी ऊँचाई को प्राप्त किया जा सकता है। आचार्य महाश्रमण की बौद्धिक प्रतिभा भी उतनी ही प्रभावशाली है, जितनी उनकी आध्यात्मिक साधना। उत्तराध्ययन सूत्र और भगवद्गीता जैसे महान ग्रंथों का तुलनात्मक अध्ययन कर उन्होंने यह सिद्ध किया है कि सत्य किसी एक परंपरा का एकाधिकार नहीं है। उनके प्रवचनों का संकलन 'सुखी बनो' इस दृष्टि का सशक्त उदाहरण है, जिसमें उन्होंने जीवन को सरल, सार्थक और संतुलित बनाने के सूत्र प्रस्तुत किए हैं। उनका चिंतन आगम, दर्शन, तर्कशास्त्र, मनोविज्ञान और समाजशास्त्र जैसे विविध क्षेत्रों को समाहित करता है, जिससे उनका व्यक्तित्व एक बहुआयामी मनीषी के रूप में उभरता है।

आज के वैश्विक परिदृश्य में, जहाँ युद्ध की विभीषिका और परमाणु हथियारों की होड़ मानव अस्तित्व के लिए एक गंभीर खतरा बन चुकी है, वहाँ आचार्य महाश्रमण का 'अहिंसा का शंखनाद' एक जीवनदायी संदेश के रूप में सामने आता है। उनका यह विश्वास कि 'अहिंसा केवल एक सिद्धांत नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है', हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या वास्तव में हिंसा के माध्यम से स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है? उनका उत्तर स्पष्ट है-नहीं। शांति का मार्ग केवल संवाद, सहिष्णुता और करुणा से होकर गुजरता है। उनके प्रयासों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे केवल उपदेश नहीं देते, बल्कि स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। प्रतिदिन नई ऊर्जा और संकल्प के साथ वे मानव उत्थान के कार्यों में जुटे रहते हैं। उनकी दिनचर्या, उनका अनुशासन और उनका समर्पण यह दर्शाता है कि सच्चा नेतृत्व वही है, जो अपने आचरण से दूसरों को प्रेरित करे। उनके नेतृत्व में तेरापंथ धर्मसंघ न केवल संगठित और सशक्त हुआ है, बल्कि उसने समाज सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य और नैतिक जागरण के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

निश्चित तौर पर जैन धर्म के महान तपस्वी, अनुशासनप्रिय, दूरदर्शी और तेजस्वी आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में आध्यात्मिकता और आधुनिकता का अद्भुत संगम बनी जैन विश्व भारती में इस वर्ष योगक्षेम वर्ष के रूप में एक नया आध्यात्मिक इतिहास रचा जा रहा है, आध्यात्मिक प्रशिक्षण की एक नई परंपरा विकसित की जा रही है। देशभर में विचरण करने वाले साधु-संतों को एक जगह बुलाकर आचार्य महाश्रमण उन्हें अध्यात्म का प्रशिक्षण दे रहे हैं। यह वास्तव में जैन धर्म का एक अनूठा और संभवतः पहला ऐसा व्यापक प्रयोग है, जिसमें वर्षभर तक साधु-साध्वियों के साथ-साथ श्रावक समाज को भी गहन एवं व्यवस्थित रूप से जैन एवं तेरापंथ दर्शन, अध्यात्म, योग, ध्यान, स्वाध्याय, संयम और जीवन मूल्यों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आचार्य श्री महाश्रमण की दूरदर्शी सोच, उनका अनुशासन, उनका साधना-प्रधान जीवन और समाज को आध्यात्मिक दिशा देने का उनका प्रयास वास्तव में अद्वितीय है। उन्होंने धर्म को केवल परंपरा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जीवन और समाज से जोड़ा। समय को बांधने की अद्भुत खूबी है उनमें। कम समय में अधिक काम। वह भी इतनी सहजता और निर्भरता से सम्पादित कर लेने की सामर्थ्य, उनकी कार्य व्यस्तता कभी व्यग्रता में नहीं बदलती। यह सब इसीलिए हो सकता है कि उनकी प्रत्येक प्रवृत्ति निवृत्ति से निथर कर आती है। उनकी क्रियाशीलता आंतरिक स्थिरता स्थितप्रज्ञता से अभिनिःसृत होती है।

बंपर वोटिंग का संदेशः क्या ज्यादा मतदान सत्ता की वापसी का संकेत है या बदलाव की आहट–जनता की चुप्पी में छिपा जनादेश

कांतिलाल मांडोत

तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनावों में रिकॉर्ड तोड़ मतदान ने भारतीय लोकतंत्र की जीवंतता और परिपक्वता को एक बार फिर रेखांकित किया है। भीषण गर्मी, लंबी कतारें और कई जगहों पर तनावपूर्ण माहौल के बावजूद जिस तरह मतदाताओं ने उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया, वह सिर्फ एक चुनावी प्रक्रिया नहीं बल्कि लोकतांत्रिक भागीदारी का सशक्त प्रदर्शन है। यह सवाल अब स्वाभाविक रूप से उठता है कि इतनी भारी वोटिंग का अर्थ क्या है–क्या यह सत्तारूढ़ दल के पक्ष में जनसमर्थन का संकेत है या फिर परिवर्तन की इच्छा का प्रतीक?

इतिहास बताता है कि अधिक मतदान को एक ही नजरिए से नहीं देखा जा सकता। कई बार ज्यादा मतदान सत्ता में बैठे दल के पक्ष में गया है, तो कई बार यह बदलाव की लहर का संकेत भी बना है। इसलिए इस बार भी केवल प्रतिशत के आधार पर निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। लेकिन यह जरूर कहा जा सकता है कि जब सामान्य से कहीं अधिक मतदाता मतदान के लिए निकलते हैं, तो उसके पीछे कोई न कोई मजबूत भावनात्मक या राजनीतिक कारण जरूर होता है।

पश्चिम बंगाल में इस बार मतदान का प्रतिशत 90% के पार चला गया, जो अपने आप में एक असाधारण स्थिति है। यहां चुनाव हमेशा से राजनीतिक रूप से संवेदनशील और कभी-कभी हिंसक भी रहे हैं। इस बार भी छिटपुट हिंसा की घटनाएं सामने आईं, लेकिन इसके बावजूद लोगों का बड़ी संख्या में मतदान करना यह दशार्ता है कि वे अपने वोट के महत्व को समझते हैं और किसी भी परिस्थिति में लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग करना चाहते हैं। यहां मुख्य मुकाबला तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच है, और दोनों ही दल इस भारी मतदान को अपने-अपने पक्ष में बता रहे हैं।

तृणमूल कांग्रेस का मानना है कि यह मतदान उनके खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों और कथित मतदाता सूची पुनरीक्षण (SIR) के विरोध में जनता की प्रतिक्रिया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसे 'जनता की आवाज' बताया है, जो उनके अनुसार बाहरी हस्तक्षेप और राजनीतिक दबाव के खिलाफ है। दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी इसे 'परिवर्तन की लहर' के रूप में पेश कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषणों में दावा किया है कि जहां ज्यादा मतदान हुआ है, वहां भाजपा को बढ़त मिलती दिख रही है।

तमिलनाडु की स्थिति थोड़ी अलग लेकिन उतनी ही रोचक है। यहां परंपरागत रूप से द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के बीच सीधी टक्कर रहती है। इस बार भी यही मुकाबला देखने को मिल रहा है, लेकिन अभिनेता विजय की नई पार्टी ने समीकरणों को थोड़ा जटिल बना दिया है। रिकॉर्ड मतदान को यहां स्पष्ट जनादेश की संभावना के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि आमतौर पर तमिलनाडु में जब मतदान प्रतिशत बहुत अधिक होता है, तो मतदाता किसी एक पक्ष में स्पष्ट रूप से झुकाव दिखाते हैं।

इस बार के चुनावों में एक और महत्वपूर्ण पहलू महिलाओं की बढ़ती भागीदारी है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, कई क्षेत्रों में महिलाओं ने पुरुषों से अधिक मतदान किया है। यह केवल संख्या का मामला नहीं है, बल्कि यह सामाजिक बदलाव का संकेत भी है। महिलाएं अब केवल मतदाता नहीं रहीं, बल्कि वे निर्णायक भूमिका निभा रही हैं। उनके मुद्दे–महंगाई, सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा और परिवार की आर्थिक स्थिति–चुनावी विमर्श के केंद्र में आ चुके हैं।

अगर मुद्दों की बात करें तो दोनों राज्यों में स्थानीय और राष्ट्रीय दोनों तरह के मुद्दे प्रभावी रहे हैं। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा, भ्रष्टाचार के आरोप, केंद्र-राज्य संबंध और पहचान की राजनीति प्रमुख मुद्दे रहे हैं। वहीं तमिलनाडु में विकास, रोजगार, शिक्षा और क्षेत्रीय अस्मिता जैसे विषयों ने मतदाताओं को प्रभावित किया है। महंगाई और बेरोजगारी जैसे राष्ट्रीय मुद्दों का असर भी दोनों राज्यों में साफ दिखाई देता है।

बंपर वोटिंग का एक मनोवैज्ञानिक पहलू भी होता है। जब लोग बड़ी संख्या में मतदान करने निकलते हैं, तो यह

संकेत होता है कि वे मौजूदा स्थिति से संतुष्ट नहीं हैं या फिर वे किसी बदलाव को लेकर उत्साहित हैं। यह असंतोष भी हो सकता है और उम्मीद भी। इसलिए यह कहना मुश्किल है कि यह मतदान किसके पक्ष में जाएगा, लेकिन इतना तय है कि यह सामान्य चुनाव नहीं है।

राजनीतिक दलों के दावे अपनी जगह हैं, लेकिन असली तस्वीर 4 मई को सामने आएगी जब नतीजे घोषित होंगे। तब यह स्पष्ट होगा कि जनता ने किस पर भरोसा जताया और किसे नकार दिया। फिलहाल, यह कहा जा सकता है कि इस बार का चुनाव केवल सत्ता की लड़ाई नहीं है, बल्कि यह जनता की आकांक्षाओं, उम्मीदों और असंतोष का प्रतिबिंब है।

अंततः, बंपर वोटिंग लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यह दशार्ता है कि जनता जागरूक है, सक्रिय है और अपने अधिकारों के प्रति गंभीर है। चाहे परिणाम कुछ भी हों, यह भागीदारी ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है।

पांच दिन में खुला फाजिल अपहरण कांड, महिला समेत 6 आरोपी गिरफ्तार, 7.5 लाख नकद और हथियार बरामद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हापुड़। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में हुए फाजिल अपहरण कांड का पुलिस ने महज पांच दिनों के भीतर खुलासा करते हुए एक बड़ी सफलता हासिल की है। इस मामले में पुलिस ने अपहृत युवक को सकुशल बरामद कर लिया है और एक महिला सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। हालांकि एक आरोपी अभी भी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

बस से लौटते समय हुआ अपहरण

पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह के अनुसार, अमरोहा निवासी 21 वर्षीय फाजिल हयात 17 अप्रैल को देवबंद से बस के जरिए अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान अल्लाबक्शपुर टोल प्लाजा के पास कार सवार बदमाशों ने उनका पीछा करना शुरू कर दिया। जैसे ही बस गजरौला क्षेत्र में पहुंची, बदमाशों ने युवक को अगवा कर लिया। देर रात तक घर न पहुंचने पर परिजनों ने पुलिस से संपर्क किया।

तकनीकी जांच से मिला सुराग

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत तकनीकी जांच शुरू की और युवक की आखिरी लोकेशन ट्रेस की। जांच में सामने आया कि घटना गढ़मुक्तेश्वर थाना क्षेत्र से जुड़ी हुई है। इसके बाद अमरोहा और हापुड़ पुलिस ने संयुक्त टीम बनाकर कार्रवाई शुरू की।

वेदांत कॉलेज के पास छापा, 6 गिरफ्तार

पुलिस टीम ने वेदांत कॉलेज के पास बने ठिकाने पर छापेमारी कर गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में मसूद अहमद, मोहम्मद सलमान, आकाश, नीरज कुमार, राहुल त्यागी और उसकी पत्नी श्रुति उर्फ शिखा त्यागी उर्फ जूली शामिल हैं।

फिरौती की रकम और हथियार बरामद

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से फिरौती में वसूले गए 12.5 लाख रुपये में से 7.5 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। इसके अलावा दो तमंचे, कारतूस, दो चाकू और वारदात में इस्तेमाल की गई कार भी जब्त की गई है।

पहचान का फायदा उठाकर रची साजिश पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि इस पूरे अपहरण कांड के मास्टरमाइंड सलमान और मसूद हैं। दोनों पहले पीड़ित युवक के चाचा के मदरसे में पढ़ चुके थे और परिवार से परिचित थे। इसी पहचान का फायदा उठाते हुए उन्होंने पूरी साजिश रची और अन्य साथियों को इसमें शामिल किया।रात तक घर न पहुंचने पर परिजनों ने पुलिस से संपर्क किया

केंद्र को भेजे गए 4 बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट, जानिए GD का मास्टर प्लान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद शहर को एक आधुनिक, सुव्यवस्थित और सुविधायुक्त ग्रोथ हब के रूप में विकसित करने की दिशा में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्र सरकार की अर्बन चैलेंज फंड (UCF) योजना के तहत जीडीए ने शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए चार महत्वपूर्ण प्रस्ताव तैयार कर आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय को भेज दिए हैं। इस योजना का उद्देश्य पुराने शहरी क्षेत्रों का पुनर्विकास, यातायात व्यवस्था में सुधार और नागरिकों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

ग्रोथ हब बनाने का बड़ा विजन

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की यह योजना 2025-26 से 2030-31 तक के लिए तैयार की गई है, जिसके तहत गाजियाबाद को एक ऐसे शहर के रूप में विकसित करने की योजना है जहां आधुनिक शहरी सुविधाएं, बेहतर कनेक्टिविटी और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर एक साथ उपलब्ध हों। इस मॉडल के जरिए शहरों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है।

चार बड़े प्रोजेक्ट्स पर फोकस

इस योजना के तहत जीडीए ने चार प्रमुख प्रोजेक्ट तैयार किए हैं। इनमें राजनगर क्षेत्र में मल्टीलेवल कार पार्किंग, चौधरी मोड़ पर फ्लाईओवर निर्माण, तुलसी निकेतन क्षेत्र का पुनर्विकास और एक आधुनिक क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण शामिल है। इन सभी परियोजनाओं का उद्देश्य शहर में बढ़ते दबाव को कम करना और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाना है।

पुराने इलाकों का पुनर्विकास और ट्रैफिक समाधान

तुलसी निकेतन क्षेत्र में पुराने और जर्जर भवनों को हटाकर नए आधुनिक आवासीय परिसर विकसित करने की योजना है। वहीं चौधरी मोड़ जैसे व्यस्त क्षेत्र में फ्लाईओवर बनने से यातायात की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकेगा। इससे शहर की कनेक्टिविटी और सुगमता दोनों में सुधार होगा। वित्तीय ढांचा और निवेश मॉडल इस योजना की सबसे खास बात इसका वित्तीय मॉडल है। कुल लागत का 25 प्रतिशत हिस्सा केंद्र सरकार अनुदान के रूप में देगी, जबकि शेष राशि का बड़ा हिस्सा स्थानीय निकायों को बॉन्ड या पीपीपी मॉडल के जरिए जुटाना होगा।

सुसाइड नोट लिख कचहरी की 5वीं मंजिल से कूदकर वकील प्रियांशु श्रीवास्तव ने दी जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर। कचहरी में अधिवक्ता प्रियांशु श्रीवास्तव ने पांचवीं मंजिल से छलांग लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली. प्रियांशु ने यह आत्मघाती कदम अपने पिता राजेंद्र कुमार श्रीवास्तव की कथित सख्ती और मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर उठाया. मृतक ने आत्महत्या से ठीक पहले व्हाट्सएप पर दो पन्नों का स्टेटस नोट साझा किया था. इस नोट में उन्होंने बचपन की कड़वी यादों और वर्तमान की बंदिशों का विस्तार से जिक्र किया. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और व्हाट्सएप स्टेटस को जांच का मुख्य आधार बनाया है. बचपन की कड़वाहट और 'नंगा' करने का आरोप प्रियांशु ने सुसाइड नोट में पिता पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने लिखा कि बचपन में फ्रिज से आम का जूस पीने पर पिता ने उन्हें नंगा करके घर से निकाल दिया था. हाईस्कूल में कम नंबर आने

पर भी उनके साथ ऐसा ही व्यवहार करने की धमकी दी गई थी. प्रियांशु के मुताबिक, पिता हर समय उन पर नजर रखते थे, जिससे उन्हें मोहल्ले में बेइज्जती महसूस होती थी. नोट में लिखा गया कि 'भगवान मेरे जैसे पिता किसी को न दे', और अंत में यह इच्छा जताई कि उनके पिता उनके शव को हाथ न लगाएं.

करियर की घुटन और अपनी पहचान की जंग

25 वर्षीय प्रियांशु खुद भी वकील थे और अपने पिता के चैंबर में ही काम करते थे. नोट में उन्होंने अपनी पहचान न होने का दर्द बयां किया. उन्होंने लिखा कि उनका न कोई अपना चैंबर है और न ही कोई ऑफिस, वे दिन भर पिता के लिए ही काम करते रहते हैं. उन्हें महसूस होता था कि उनकी कोई अहमियत नहीं है. प्रियांशु के अनुसार, वे किसी गलत संगत में नहीं थे, फिर भी पिता की बेवजह की सख्ती ने उन्हें मौत के रास्ते पर ढकेल दिया. कचहरी में गमगीन माहौल और पुलिस जांच घटना के बाद बार एसोसिएशन के पदाधिकारी और जज मौके पर पहुंचे. डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि सुसाइड नोट की हैंडराइटिंग और डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है. वहीं, बेटे की मौत से वकील पिता बेहाल हैं और कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं हैं. कानपुर कचहरी के हजारों वकीलों के बीच यह सुसाइड नोट चर्चा का केंद्र बना हुआ है. पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या यह केवल पारिवारिक विवाद था या इसके पीछे अन्य कारण भी थे.

खुद के मुंह में मारी गोली ? गोरखपुर में कारोबारी की संदिग्ध मौत से सनसनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में शुक्रवार सुबह एक कारोबारी की मौत ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया. फार्म हाउस के एक कमरे में खून से लथपथ पड़े अमरीश श्रीवास्तव को जिसने भी देखी, सन्न रह गया. पहली नजर में यह मामला आत्महत्या का लग रहा है, लेकिन इसके पीछे की वजह अब भी रहस्य बनी हुई है.

जानकारी के मुताबिक, गोरखपुर क्लब के संचालक अतुल श्रीवास्तव के 40 साल के बेटे अमरीश श्रीवास्तव शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे अपने पार्क रोड स्थित घर से कुसम्ही स्थित फार्म हाउस पहुंचे थे. वह अपनी फॉर्च्यूनर गाड़ी से वहां आए और सीधे ऊपर की मंजिल पर

चले गए. बताया जा रहा है कि उस समय वह मोबाइल फोन पर किसी से बातचीत कर रहे थे.

इसी दौरान अचानक गोली चलने की आवाज सुनाई दी, जिससे फार्म हाउस में मौजूद कर्मचारी घबरा गए. वे तुरंत ऊपर पहुंचे तो देखा कि अमरीश जमीन पर गिरे हुए हैं और उनके आसपास खून फैला हुआ है. उनके हाथ में पिस्टल थी और गोली उनके मुंह में लगी थी. मौके पर ही उनकी मौत हो चुकी थी.

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे. एसएसपी डॉ. कौस्तुभ और एसपी सिटी निमिष पाटिल ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और कर्मचारियों से पूछताछ शुरू की. साथ ही फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जो साक्ष्य जुटाने में लगी है. पुलिस के मुताबिक, अमरीश टेंट हाउस और ठेकदारी का काम करते थे. उनकी कंपनी 'एके टेंट हाउस' बड़े आयोजनों में सेवाएं देती थी, यहां तक कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों में भी उनके टेंट लगाए जाते रहे हैं. फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और कॉल डिटेल सहित अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है. यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह आत्महत्या है या इसके पीछे कोई और कारण छिपा है. पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है ताकि सच्चाई सामने लाई जा सके.

अयोध्या में राजा दशरथ की समाधि तक बनेगा 15 KM लंबा 'दशरथ पथ'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या में रामपथ, भक्तिपथ और धर्मपथ के बाद अब भगवान श्रीराम के पिता महाराज दशरथ के नाम पर 'दशरथ पथ' तैयार हो रहा है. यह भव्य कॉरिडोर करीब 15 किलोमीटर लंबा होगा, जो सीधे राजा दशरथ की समाधि स्थल तक पहुंचेगा. इस मार्ग पर योग की हस्त मुद्राएं, शस्त्र प्रतिमाएं और 30 विशाल स्तंभ श्रद्धालुओं का स्वागत करेंगे. अयोध्या नगरी भारतीय संस्कृति, आस्था और विरासत का भव्य प्रतीक बनती जा रही है. रामपथ, भक्तिपथ और धर्मपथ के बाद अब भव्य कॉरिडोर 'दशरथ पथ' बनने जा रहा है. यह सिर्फ एक सड़क नहीं होगी, बल्कि इतिहास, अध्यात्म और कला का ऐसा संगम होगी, जो श्रद्धालुओं को सीधे राजा दशरथ की स्मृतियों तक

पहुंचाएगी. साकेत पेट्रोल पंप से बिल्वहरी घाट तक बनने वाला यह 15 किलोमीटर लंबा मार्ग अपनी भव्यता से हर किसी को आकर्षित करेगा. रास्ते के डिवाइडर पर 30 विशाल स्तंभ स्थापित किए जाएंगे. इन स्तंभों पर योग की 15 हस्त मुद्राएं और 15 शस्त्र मुद्राएं दर्शाती आकर्षक प्रतिमाएं लगाई जाएंगी. करीब 6 फीट ऊंची ये कलाकृतियां इस मार्ग को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक वैभव से भर देंगी. कल्पना कीजिए, जैसे-जैसे आप इस पथ पर आगे बढ़ेंगे, भारतीय योग परंपरा और शौर्य की झलक आपके साथ चलती नजर आएगी. यह अनुभव किसी साधारण सड़क यात्रा जैसा नहीं, बल्कि संस्कृति की जीवंत यात्रा जैसा होगा.

सीधे राजा दशरथ की समाधि तक पहुंचेगा रास्ता

यह मार्ग अयोध्या धाम को उस पवित्र स्थल से जोड़ेगा, जहां भगवान श्रीराम के पिता महाराज दशरथ की समाधि स्थित है. यह स्थान अयोध्या से करीब 14-15 किलोमीटर दूर स्थित है. अब तक यहां पहुंचने में श्रद्धालुओं को कुछ कठिनाई होती थी, लेकिन दशरथ पथ बनने के बाद यात्रा बेहद आसान, तेज और सुविधाजनक हो जाएगी. श्रद्धालु सीधे और सुगमता से इस पावन स्थल तक पहुंच सकेंगे. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप इस परियोजना को भव्य स्वरूप दिया जा रहा है. दशरथ पथ के सौंदर्यीकरण पर करीब 85 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे. इसमें आकर्षक लैंडस्केपिंग, हरियाली, आधुनिक लाइटिंग और सुंदर डिजाइन होंगे. यह मार्ग 14 मीटर चौड़ा फोरलेन बाईपास होगा, जिससे यातायात सुगम होगा और श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा. राम मंदिर निर्माण के बाद अयोध्या का स्वरूप तेजी से बदल रहा है. रामपथ, भक्तिपथ, धर्मपथ और जन्मभूमि पथ के बाद अब दशरथ पथ भी इस श्रृंखला में शामिल होने जा रहा है. यह नया कॉरिडोर आकर्षण का केंद्र बनेगा. दशरथ पथ की सबसे खास बात यही है कि यहां योग,

BJP को मेयर-डिप्टी मेयर पद पर नहीं मिल पाया 'वॉकओवर', कांग्रेस ने खड़ी की चुनौती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली: मेयर और डिप्टी मेयर सहित स्टैंडिंग कमिटी मेंबर्स के लिए नामांकन के आखिरी दिन बीजेपी ने मेयर और डिप्टी मेयर पद के लिए नामांकन दाखिल कर दिया। बीजेपी ने नेता सदन प्रवेश वाही को मेयर पद के लिए उम्मीदवार बनाया है, जबकि डिप्टी मेयर के लिए आनंद विहार से निगम पार्षद डॉक्टर मोनिका पंत ने नॉमिनेशन किया है।

एमसीडी में 100 पार्षदों वाली आम आदमी पार्टी भले ही दोनों पदों पर चुनाव लड़ने से पीछे हट गई है, लेकिन 9 पार्षदों वाली कांग्रेस ने दोनों पदों के लिए नामांकन दाखिल किए। कबीर नगर वॉर्ड से निगम पार्षद जरीफ ने मेघर और और मुबारकपुर वॉर्ड से निगम पार्षद राजेश कुमार गुप्ता ने डिप्टी मेयर के लिए नामांकन दाखिल किया है। कांग्रेस पार्टी के मैदान में कूदने की वजह से अब मेयर और डिप्टी मेयर के लिए आगामी 19 अप्रैल को चुनाव होगा।

तीसरी बार पार्षद बने हैं प्रवेश वाही

प्रवेश वही (63) तीसरी बार पार्षद बने है। वह तीन बार रोहिणी जोन के चेयरमैन और ट्राइफकेशन (जब एक बजाय तैन एमसीडी नीर्थ, साउथ और ईस्ट थी) के दौरान नॉर्थ एमसीडी में स्टैंडिंग कमिटी चेयरमैन और वर्कर्स कमिटी के चेयरमैन भी रह चुके है। सबसे चौंकाने वाला नाम रहा डिप्टी मेयर पद की उम्मीदवार डॉक्टर मोनिका पंत का। उनका नाम कहीं भी चर्चा में नहीं था।

स्टैंटिंग कमिटी के खाली पदों के लिए भी नामांकन दाखिल किए गए। इन पदों के लिए बीजेपी से वॉर्ड नंबर-27 बेगमपुर से पार्षद और डिप्टी मेयर नय भगवान यादव के अलावा हेल्थ कमिटी के चेयरमैन और वॉर्ड नंबर-82 से पार्षद मनीष चढ़ा ने नामांकन किया।

आप की तरफ से स्थायी समिति के लिए जलज कुमार (बॉर्ड नंबर-55) ने नामांकन दाखिल किया है। जयभगवान यादव को एमसीडी का नया नेता सदन नियुक्त किया है। उन्होंने पहले दिन से ही नेता सदन का कार्यभार संभाल लिया है। मेयर, डिप्टी मेयर और तीनों मेंबर्स का चुनाव 29 अप्रैल को होने वाली आम सभा की बैठक में किया जाएगा।

कौन-कौन रेस में ?

बीजेपी ने नेता सदन प्रवेश वाही को मेयर पद के लिए अपना उम्मीदवार बनाया हैडिप्टी मेयर के लिए आनंद विहार से निगम पार्षद डॉ.

मोनिका पंत होंगी कैंडिडेट कबीर नगर वॉर्ड से कांग्रेस के निगम पार्षद जरीफ ने मेयर पद के लिए किया नामांकन मुबारकपुर वॉर्ड से कांग्रेस के पार्षद राजेश कुमार गुप्ता होंगे डिप्टी मेयर की रेस में शामिल कांग्रेस पार्टी के मैदान में कूदने से अब मेयर-डिप्टी मेयर के लिए 29 अप्रैल को होगा चुनाव

नामांकन कर कांग्रेस ने बिछाई चुनावी बिसात

मेयर चुनाव के गणित में अनफिट दिख रही कांग्रेस ने नामांकन कर चुनावी बिसात जरूर बिछा दी है। 100 पार्षद होने के बावजूद आम आदमी पार्टी द्वारा नामांकन नहीं किए जाने की स्थिति में कांग्रेस ने केवल 9 पार्षदों के बल पर ताल ठोक कर सबको चौंका दिया है।कांग्रेस का तर्क है कि अगर सच में आप सेक्युलर पार्टी है तो उन्हें कांग्रेस का साथ देना चाहिए।

कांग्रेस ने नामांकन कर अपनी चाल तो चल दी है, अब देखने वाली बात है कि चुनाव के दिन आप और अन्य पार्षद किस खेमे में खड़े होते हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि आप ने मेयर चुनाव से दूरी बनाकर एक तरह से बीजेपी के लिए रेड कारपेट बिछा दिया है।

यह हमें किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं कर सकते। इसलिए हमने चुनाव में नामांकन करने का फैसला किया। वहीं, पूर्व मेयर और कांग्रेस के कॉर्पोरेशन के इंचार्ज फरहाद सूरी ने बताया कि फ्री पैसेज देने का मतलब ही नहीं बनता है।

मेयर पद के लिए हाजी जरीफ और डिप्टी मेयर पद के लिए राजेश गुप्ता का नामांकन किया है। एमसीडी नेता कांग्रेस नाजिया दानिश ने कहा,

आज का नामांकन इस बात का प्रमाण है कि हम न तो चुनौतियों से डरते हैं और न ही जनता का साथ छोड़ते हैं।

दिल्ली में 25 अप्रैल को इन रास्तों पर जाने से बचें, IPL मैच से पहले ट्रैफिक एडवाइजरी जारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) मैच को देखते हुए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है. दिल्ली कैपिटल्स बनाम पंजाब किंग्स मैच 25 अप्रैल 2026 को अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा. मैच दोपहर 3 बजे से शुरू होगा, इसलिए शाम के समय स्टेडियम के आसपास भारी भीड़ होने की संभावना है.

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के मुताबिक, मैच के दिन दोपहर 1 बजे से रात 9 बजे तक स्टेडियम के आसपास कुछ मुख्य सड़कें प्रभावित रहेंगी. इनमें बहादुर शाह जफर मार्ग, जेएलएन मार्ग और आसफ अली रोड शामिल हैं. इन इलाकों में वाहनों की आवाजाही पर कुछ समय के लिए रोक या डायवर्ट किया जा सकता है. दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने अपने आधिकारिक ङ्ग हैंडल पर एडवाइजरी जारी करते हुए लोगों को स्टेडियम के आसपास के रास्तों पर जाने से बचने की सलाह दी है. ऐसे में अगर आप इन इलाकों से होकर गुजरते हैं तो दूसरा रास्ता चुनना बेहतर होगा. दरअसल, मैच के दौरान इन सड़कों पर ट्रैफिक जाम की संभावना ज्यादा रहेगी.

पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें

ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे निजी वाहनों के बजाय पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें. स्टेडियम के पास पार्क एंड राइड की सुविधा उपलब्ध कराई गई है. आप अपनी गाड़ी को बनाई गई पार्किंग जगह पर पार्क करके शटल बस से स्टेडियम पहुंच सकते हैं. इससे ट्रैफिक जाम कम होगा. पार्किंग की जानकारी स्टेडियम के पास सामान्य पार्किंग की सुविधा सीमित रहेगी. स्टेडियम के आसपास कुछ जगहों पर फ्री पार्किंग की व्यवस्था की गई है, जहां से शटल सर्विस उपलब्ध रहेगी. लेबल वाली पार्किंग जगहों का इस्तेमाल केवल उन लोगों के लिए होगा जिनके पास वैध पास है. दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने स्टेडियम आने वाले दर्शकों को पार्क एंड राइड की सुविधा का इस्तेमाल करने की सलाह दी है.

40 साल पहले किया पत्नी का मर्डर, 84 की उम्र में दिल्ली पुलिस ने किया गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शकरपुर। ईस्ट दिल्ली के शकरपुर में 1986 में हुए एक सनसनीखेज हत्याकांड का कोई भी आरोपी पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ सका था। आखिरकार क्राइम ब्रांच को अब आरोपी पति चंद्रशेखर प्रसाद (84) को गिरफ्तार करने में कामयाबी मिली। वह पत्नी की हत्या करने के बाद करीब 40 साल से लगातार फरारी काट रहा था। इसे ुलिस

नॉर्थ वेस्ट जिले के नंगली पूना इलाके में स्थित एक फैक्ट्री के स्टोर रूम से दबोचा, जहां यह पहचान छिपा कर रह रहा था। डीसीपी (क्राइम) संजीव कुमार यादव के मुताबिक, आरोपी चंद्रशेखर प्रसाद मूल रूप से बिहार के नालंदा जिले का रहने वाला है। किसी से अफेयर का शक होने पर 19 अक्टूबर 1986 को ईंटों से सिर कुचलकर पत्नी की हत्या कर दी थी।

इस दौरान आरोपी और उसके साथियों ने घरेलू नौकर को गन पॉइंट पर बंधक बना लिया था। इस सनसनीखेज हत्याकांड के सभी आरोपी फरार हो गए। अदालत ने 1987 में इन्हें भगोड़ा घोषित कर दिया था। एसीपी सतेंद्र मोहन की देखरेख में इंस्पेक्टर सुनील कालखंडे, एसआई बीरपाल सिंह, हेड कॉन्स्टेबल विजय सिंह, जय सिंह, प्रवीन, राहुल, समंदर और अनूप की टीम ने इस अनसुलझे केस की तफ्तीश की। आरोपी के तीन बेटे और एक बेटी है, जो दिल्ली और बिहार में अपने परिवार के साथ सेटल हैं। कंपोजर से बना रद्दी का कारोबारी चंद्रशेखर प्रसाद 1969 में दिल्ली आया, जो एक नामी अखबार में कपोजर था। मृतका से 1971 में शादी की और परिवार के साथ शकरपुर क्षेत्र में रहने लगा। कुछ साल बाद नौकरी छोड़ कर रद्दी का कारोबार करने लगा, जिससे अच्छी आमदनी होने लगी। बिजनेस बढ़ा तो दो नौकर भी रख लिए। इस दौरान पत्नी पर शक करने लगा तो दोस्तों के साथ मिल कर हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों का कहना है कि अन्य आरोपी अब मर चुके है, जबकि चंद्रशेखर की उम्र भले ही हो गई है,

आनंद विहार रेलवे स्टेशन के नीचे बनेगा अंडरपास! नए FOB से कौशांबी बस अड्डे को किया जाएगा कनेक्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आनंद विहार. नई दिल्ली आनंद विहार रेलवे स्टेशन के आसपास जाम खत्म करने की योजना बनाई जा रही है। इस योजना के तहत कड़कड़डूमा क्षेत्र को रेलवे स्टेशन से कनेक्ट करने के लिए रेलवे स्टेशन के नीचे अंडरपास निर्माण की संभावनाओं की तलाश की जाएगी। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के कौशांबी की ओर से रेलवे स्टेशन आने जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए एक नया फुट ओवरब्रिज (एफओबी) बनाया जाएगा। जिसमें एयरपोर्ट और राजौरी गार्डन मेट्रो स्टेशन पर यात्रियों को दूर तक जाने के लिए जिस तरह से ट्रैवलेटर लगे हैं, उसी तरह की सुविधा होगी। इससे यात्रियों को आरआरटीएस, मेट्रो, बस अड्डा या रेलवे स्टेशन तक आवाजाही आसान हो जाएगी।

एक एफओबी काफी नहीं

पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के अनुसार, आनंद विहार रेलवे स्टेशन, आनंद विहार मेट्रो स्टेशन, बस अड्डा और आरआरटीएस स्टेशन के होने के चलते फुटफॉल बढ़ता जा रहा है। वर्तमान में सिर्फ एक फुट ओवरब्रिज है, जो आनंद विहार रेलवे स्टेशन, आनंद विहार बस अड्डा, मेट्रो स्टेशन और उत्तर प्रदेश कौशांबी बस स्टैंड को आनंद विहार आरआरटीएस स्टेशन से जोड़ता है। लेकिन लोगों की संख्या बढ़ने के बाद इकलौता एफओबी काफी नहीं है। यूटीपैक गवर्निंग बॉडी मीटिंग में एलजी ने अधिकारियों को कहा कि एक नए एफओबी निर्माण किया जाए, ताकि लोगों को सुविधा हो। एमएमआई प्लान के तहत कौशांबी बस स्टैंड से आनंद विहार रेलवे स्टेशन तक एक अतिरिक्त एफओबी बनाया जाए।

कड़कड़ डूमा को कनेक्ट करने के लिए अंडरपास

मीटिंग में मौजूद रहे अधिकारियों ने बताया कि कड़कड़डूमा एरिया से आनंद विहार स्थित मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब (रेलवे स्टेशन, मेट्रो और बस अड्डा) तक सीधी कनेक्टिविटी नहीं है। इसलिए आनंद विहार रेलवे स्टेशन के नीचे से अंडरपास बनाने की संभावनाओं की तलाश की जाए। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि रेलवे स्टेशन के नीचे से अंडरपास निर्माण की योजनाओं को लेकर एनसीआरटीसी के साथ कुछ समय पहले चर्चा भी की गई थी।

कड़कड़डूमा से आनंद विहार रेलवे स्टेशन आने के लिए कोई चौड़ी रोड नहीं है। लोग या तो मास्टर सोमनाथ मार्ग होते हुए गाजीपुर रोड से आनंद विहार रेलवे स्टेशन आते हैं या फिर स्वामी दयानंद मार्ग होते हुए यहां आते हैं। रिहायशी कॉलोनियों से रेलवे स्टेशन तक आने के लिए छोटी और संकरी कई सड़कें हैं, लेकिन उन पर हमेशा जाम रहता है।

शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ के धमकी पर बवाल, कांग्रेस ने CM फडणवीस से मांगा जवाब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बुलढाणा. शिवसेना MLA संजय गायकवाड़ ने शिवाजी महाराज पर लिखी एक किताब को लेकर प्रकाशक को धमकी दी है. कांग्रेस ने इसे गुंडागर्दी बताते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से जांच की मांग की है. महाराष्ट्र में एक विधायक का एक ऑडियो क्लिप वायरल हुआ है जिसमें वो एक किताब के पब्लिशर को गाली देते हुए धमकी दे रहे हैं. शिवसेना के विधायक संजय गायकवाड़ ने 'शिवाजी कोन होता' नाम की किताब के पब्लिशर प्रशांत अंबी को धमकी दी. उनका कहना है कि ये किताब छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान करती है. इस मामले पर कांग्रेस ने इसे 'खुली गुंडागर्दी' बताया और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से जांच की मांग की है. शिवसेना के विधायक संजय गायकवाड़ महाराष्ट्र के बुलढाणा से विधायक हैं. उनकी पत्नी को मंगलवार को ये किताब मिली. जब गायकवाड़ ने इसे पढ़ा तो उन्हें लगा कि इसमें शिवाजी महाराज का अपमान किया गया है और उनके इतिहास को गलत तरीके से दिखाया गया है. इसके बाद उन्होंने किताब के पब्लिशर प्रशांत अंबी को फोन किया. उस बातचीत का एक ऑडियो क्लिप वायरल हो गया. उसमें गायकवाड़ अंबी को गालियां देते और धमकियां देते सुनाई दे रहे हैं.

ऑडियो में क्या कहा गायकवाड़ ने?

वायरल ऑडियो में गायकवाड़ कहते सुनाई देते हैं कि अंबी की जुबान खींच लेनी चाहिए. उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज का अपमान करने वाली इस किताब को नष्ट कर देना चाहिए और ऐसी किताबें पढ़ना भी नहीं चाहिए. उन्होंने ये भी कहा कि अंबी घमंडी है और उसने उनसे बदतमीजी की.

गायकवाड़ ने ऑडियो पर क्या कहा?

जब ऑडियो वायरल हुआ तो गायकवाड़ ने माना कि ये उनकी ही आवाज है. लेकिन उन्होंने दावा किया कि ऑडियो में कुछ शब्दों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है.

कांग्रेस ने क्या आरोप लगाया?

महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रवक्ता हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि गायकवाड़ बार-बार इस तरह की हरकतें करते हैं. उन्होंने पुराने मामले भी गिनाए: पहला, पिछले साल हॉस्टल की कैंटीन में एक स्टाफ को थप्पड़ मारा था. दूसरा, पुलिस कर्मियों से अपनी गाड़ी धुलवाने का आरोप है. तीसरा, 2024 में उन्होंने दावा किया था कि उन्होंने 1987 में एक बाघ का शिकार किया था और उसके दांत की माला गले में पहनकर दिखाई थी. सपकाल ने कहा कि जो नेता खुद को शिवाजी महाराज का वंशज बताता है, उसने जो भाषा इस्तेमाल की वो किसी जनप्रतिनिधि को शोभा नहीं देती. उन्होंने कहा कि ऐसे इंसान को शिवाजी महाराज का नाम लेने का भी हक नहीं है.

किताब कौन सी है और किसने लिखी?

'शिवाजी कोन होता' यानी 'शिवाजी कौन था' एक छोटी सी जीवनी है जो छत्रपति शिवाजी महाराज पर लिखी गई है. इसे लिखा था कम्युनिस्ट नेता गोविंद पानसरे ने. ये किताब पहली बार 1988 में छपी थी. इसे प्रशांत अंबी के प्रकाशन 'लोकवाङ्मय गृह' ने छापा था.

एक फरमान और महाराष्ट्र में ऑटो रिक्शा-टैक्सी ड्राइवरों की लगने लगी 'मराठी की पाठशाला'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र .में 1 मई से सभी लाइसेंसधारी ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा का ज्ञान अनिवार्य किया गया है.

इस फैसले के तहत ड्राइवरों को राज्य के 59 क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों में जांच के दौरान मराठी पढ़ना और लिखना आना चाहिए, नहीं तो उनका लाइसेंस रद्द किया जा सकता है.

इस फैसले से नाराज होकर, ऑटो रिक्शा चालकों का प्रतिनिधित्व करने वाले कुछ ट्रेड यूनियनों ने 4 मई से राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करने की धमकी दी है. ऐसे में अब मुंबई में उत्तर भारतीयों को मराठी सिखाने की जिम्मेदारी कई कोचिंग क्लास ने उठा ली है,

जो कुछ पैसे लेकर कुछ दिनों में ही मराठी सिखाने का वादा कर रहे हैं. सोशल मीडिया पर कई ऐसे पोस्टर और बैनर वायरल हो रहे हैं जो ऑटो ड्राइवर्स को कोचिंग देने की तैयारी में हैं.

ये लोग पैसे लेकर 15 दिन से एक महीने में मराठी सिखाने का दावा कर रहे हैं. दिलचस्प बात यह है कि ऑनलाइन कई उत्तर भारतीय ऑटो ड्राइवर जानकारी ले रहे हैं और कोचिंग क्लास में एडमिशन भी कर रहे हैं.

कोचिंग क्लास वाले जल्द से जल्द मराठी सिखाने वाले शिक्षकों की नियुक्ति कर रहे हैं और बाकायदा क्लास की टाइमिंग भी तय हो गई है.

ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि मराठी सिखाने वाले कोचिंग क्लास अपने इस पहल में कितना कामयाब होते हैं. गौरतलब है कि मुंबई में ऑटो चलाने वालों की संख्या तकरीबन 75' है,

जिनमें से कई ऐसे हैं जो 30 साल से ज़्यादा समय से मुंबई में ऑटो चला रहे हैं. ऑटो ड्राइवर ने बताया मराठी जरूरी कृष्ण राज नाम के एक व्यक्ति का कहना है कि अगर किसी के अंदर सच में मराठी सीखने की इच्छा हो, तो वह इसे आसानी से सीख सकता है.

यात्रा के दौरान मराठी जानना काफी मददगार होता है. वहीं, एक ऑटो ड्राइवर ने कहा कि महाराष्ट्र में हर किसी को मराठी बोलना आना चाहिए. जैसे गुजरात जाने पर गुजराती बोलनी पड़ती है, वैसे ही महाराष्ट्र में मराठी आना जरूरी है. एक अन्य ऑटो ड्राइवर का कहना है कि मराठी बोलना अच्छी बात है, लेकिन इसे मुद्दा बनाना या लोगों को परेशान करना गलत है.

मराठी सीखनी चाहिए, लेकिन इसके लिए लोगों को पर्याप्त समय भी दिया जाना चाहिए. ऑटो चालकों का यह भी कहना है

कि वे मराठी सीखने के लिए क्लास कैसे जॉइन करें, इतना समय उनके पास नहीं होता है. सरकार के फैसले का विरोध मराठी भाषा को अनिवार्य करने की घोषणा पर विपक्षी दलों, यूनियनों और राजनीतिक संगठनों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है. महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि मराठी भाषा का सम्मान जरूरी है, वहीं, शिवसेना नेता संजय निरुपम ने इस फैसले पर पुनर्विचार करने और टूटी-फूटी या कामचलाऊ मराठी बोलने वालों को भी राहत देने की अपील की है.

कॉलेज छात्रा संग सैर सपाटे पर निकला 108 एंबुलेंस ड्राइवर, रोका तो कहने लगा- बहन है चली गई नौकरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सड़क पर तेज रफ्तार से एक 108 एंबुलेंस दौड़ रही थी. सायरन बज रहा था. लोग रास्ता छोड़ते जा रहे थे, क्योंकि सभी को लग रहा था कि अंदर कोई गंभीर मरीज होगा, जिसकी जिंदगी हर सेकंड पर टिकी है. लेकिन जब लोगों ने उस एंबुलेंस को रोका, तो अंदर का नजारा देखकर हर कोई हैरान रह गया. अंदर एक युवती थी. ड्राइवर साहब उसके साथ घूम रहे थ मध्य प्रदेश के छतरपुर में 108 इमरजेंसी एंबुलेंस का एक ड्राइवर युवती लेकर घूमने निकल पड़ा. वह सायरन बजाते हुए जा रहा था. लोगों की नजर पड़ी तो वीडियो बना लिया. वीडियो वायरल हुआ तो 108 इमरजेंसी एंबुलेंस सेवा चलाने वाली कंपनी ने ड्राइवर को नौकरी से निकाल दिया. अधिकारियों ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं. मामला मंगलवार देर शाम का है. स्थानीय लोगों ने देखा कि एक एंबुलेंस तेज रफ्तार से सड़क पर दौड़ रही है. सायरन लगातार बज रहा था, लेकिन वाहन की गतिविधियां कुछ लोगों को संदिग्ध लगीं. लोगों ने एंबुलेंस का पीछा किया और आखिरकार उसे रोक लिया. जब दरवाजा खुला, तो अंदर कोई मरीज नहीं था. स्ट्रेचर खाली था, ऑक्सीजन सिलेंडर अपनी जगह पर रखा था, लेकिन वहां एक युवती मौजूद थी. यह देखकर मौके पर मौजूद लोग चौंक गए. सवाल उठने लगे कि आखिर इमरजेंसी सेवा के लिए बनी एंबुलेंस में यह सब क्या हो रहा है? लोगों ने ड्राइवर से पूछताछ शुरू की. पहले तो उसने मामले को संभालने की कोशिश की. उसने दावा किया कि युवती उसकी बहन है. लेकिन जब लोगों ने उसका नाम पूछा, तो वह जवाब नहीं दे सका. बस, यहीं उसकी कहानी धराशायी हो गई. मौके पर मौजूद लोगों ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया. देखते ही देखते यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया. लोग ड्राइवर से सवाल कर रहे थे और वह गोलमोल जवाब देने की कोशिश कर रहा था. वीडियो वायरल होते ही प्रशासन हरकत में आ गया. 108 एंबुलेंस सेवा संचालित करने वाली कंपनी ने तत्काल प्रभाव से ड्राइवर भगत सिंह यादव को नौकरी से हटा दिया. वहीं, जिला स्वास्थ्य विभाग ने पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं.जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरपी गुप्ता ने एंबुलेंस सेवा संचालकों से जवाब मांगा है. अधिकारियों का कहना है कि इमरजेंसी सेवाओं का इस तरह दुरुपयोग कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. 108 एंबुलेंस सेवा आम लोगों के लिए जीवन रक्षक मानी जाती है. सड़क पर सायरन बजते ही लोग बिना देर किए रास्ता दे देते हैं, ताकि मरीज को समय पर अस्पताल पहुंचाया जा सके. लेकिन जब इसी सेवा का निजी इस्तेमाल होने लगे, तो सवाल उठना लाजिमी है. फिलहाल ड्राइवर की नौकरी जा चुकी है और जांच जारी है. सायरन की आवाज सिर्फ इमरजेंसी के लिए होती है

कार में बंधक बुज़ुर्ग, दबंग और दरिंदगी... बोतल में भरकर पेशाब पिलाई, रायसेन कांड की पूरी कहानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

एक युवक लड़की को भगा ले गया, तो परिजनों का गुस्सा हैवानियत की सारी हदें पार कर गया. रायसेन में दबंगों ने 70 साल के बुजुर्ग को बंधक बनाया, बेरहमी से पीटा और फिर जबरन पेशाब पिला दी. इस शर्मनाक वारदात का वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया. एक बुजुर्ग की बेबसी, दबंगों की दरिंदगी और इंसानियत को झकझोर देने वाली इस घटना ने हैरान कर दिया.मध्य प्रदेश के रायसेन में जो हुआ, उसने इंसानियत को शर्मसार कर दिया. दबंगों ने न सिर्फ एक बुजुर्ग को बंधक बनाया, बल्कि उनके साथ ऐसी दरिंदगी की, जो दहला देने वाली है. मारपीट, अपहरण और फिर जबरन पेशाब पिलाने जैसी शर्मनाक वारदात ने झकझोर कर रख दिया है. पूरा मामला रायसेन जिले के एक गांव का है. यहां रहने वाला एक युवक विदिशा जिले की एक नाबालिग लड़की को भगा ले गया था. लड़की पक्ष इस घटना से बुरी तरह नाराज था. उन्हें लड़का नहीं मिला, तो उन्होंने अपना गुस्सा उसके बुजुर्ग पिता पर उतारने का फैसला कर लिया. 7 मार्च की सुबह, लड़की पक्ष के 10 से 12 लोग दो कारों में सवार होकर बुजुर्ग के घर पहुंचे. पहले उन्होंने लड़का और लड़की के बारे में पूछताछ की. जब बुजुर्ग ने अनभिज्ञता जताई, तो दबंगों ने घर में ही उनके साथ मारपीट शुरू कर दी. उनकी पत्नी को भी नहीं बख्शा गया. इसके बाद आरोपियों ने लड़की की तलाश का बहाना बनाया और बुजुर्ग को जबरन अपने साथ गाड़ी में बैठा लिया. परिवार विरोध करता रहा, लेकिन दबंगों के सामने उनकी एक नहीं चली. बुजुर्ग को रायसेन से सीधे राजगढ़ जिले के एक गांव ले जाया गया. वहां पहुंचने के बाद भी जब लड़का-लड़की का कोई सुराग नहीं मिला, तो आरोपियों का गुस्सा और भड़क उठा. उन्होंने बुजुर्ग को बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा. उम्र और बेबसी का भी ख्याल नहीं रखा.

हैवानियत की इंतहा तब हुई, जब शराब की बोतल में पेशाब भरकर उन्हें जबरन पिला दी गई. इतना ही नहीं, आरोपियों ने इस पूरी शर्मनाक घटना का वीडियो भी बनाया. बाद में यही वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया. वीडियो सामने आते ही इलाके में हड़कंप मच गया.

राजगढ़ में इंदौर से आगरा जा रही बस और ट्रक में टक्कर, 29 यात्री हुए घायल, एक की मौत

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के करनवास थाना क्षेत्र में आजाद पेट्रोल पंप के समीप एक ट्रक और बस में जोरदार भिड़ंत हो गई। इस हादसे में बस में सवार करीब 29 यात्री घायल हो गए। जिन्हें प्राथमिक उपचार के लिए ब्यावरा सिविल अस्पताल में डायल 108 और 112 की मदद से भर्ती कराया गया। यहां से करीब 24 घायलों को रेफर किया गया। हादसे में एक 35 वर्षीय युवक की भी मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि बस इंदौर से आगरा जा रही थी। जब हादसा हुआ तब सभी यात्री नींद में थे। 70 से 80 यात्री थे सवार वहीं, हादसे के वक्त बस में करीब 70 से 80 यात्री सवार थे। जिसमें से 29 यात्री घायल हो गए। इसके साथ ही बिजिलपूरा थाना दूरसडा जिला दतिया निवासी कल्लू उर्फ परमानंद पिता छक्की लाल राजपूत उम्र 33 वर्ष की मौत हो गई। जिसे पीएम के लिए ब्यावरा सिविल अस्पताल के मोर्चरी रूम में रखा गया। करनवास थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे-52 पर पचोर ब्यावरा मार्ग पर रात 3:40 पर हंस बस क्रमांक इंदौर से आगरा जा रही थी। इसी दौरान करनवास के समीप सड़क पर खड़े ट्रक क्रमांक UP 93BT 4907 से बस टकरा गई। संगीता शर्मा, करनवास थाना प्रभारी नींद खुली तो मची चीख-

पुकार दरअसल, जब हादसा हुआ तो बस में सवार अधिकतर यात्री नींद में थे। हादसे के दौरान जैसे ही बस टकराई तो बस में सवार यात्रियों की नींद खुली और हादसे को देख चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद सड़क पर कुछ देर तक स्थिति अफरातफरी मच गई। रास्ते से दुर्घटनाग्रस्त बस को क्रेन की मदद से हटाया गया है।

हादसे में ये हुए घायल इस हादसे में कोल्हापुर निवासी अक्षय, छत्तीसगढ़ निवासी मधुबाला, भिंड निवासी अंकित, मुरैना निवासी किरणशर्मा, सतीश शर्मा, शिवपुरी निवासी गंधर्व सिंह, जलेसर उत्तर प्रदेश निवासी निशांत मित्तल, देवास निवासी सचिन सेन, गोविंदपुरी दिल्ली निवासी सूरज जोशी, अजय जोशी, मथुरा निवासी राजूप्रजापति, बजरंगगढ़ महाराष्ट्र निवासी बलराम, पलानिया निवासी श्री कृष्णा जाटव, मुरैना निवासी आदित्य, दुर्गावती, इंदौर निवासी मयूर सिंह, पंकज, भिंड निवासी अविनाश, ग्वालियर निवासी ऋषि,

रील बना रहीं चार लड़कियां बरगी नहर में बहीं, दो के शव मिले, तीसरे की तलाश जारी और चौथी बची

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर में एक बड़ा हादसा हुआ है। शादी समारोह में शामिल होने आई चार लड़कियां बरगी नहर में बह गई हैं। इनमें से दो का शव बरामद हुआ है। वहीं, तीसरे की तलाश चल रही है। चौथी लड़की तैरकर बाहर निकल आई है। बताया जा रहा है कि रील बनाने के दौरान यह हादसा हुआ है। शादी के घर में मातम का माहौल पसर गया है।

पटेल परिवार में थी शादी

दरअसल, बरगी थाना अंतर्गत सालीवाड़ा निवासी पटेल परिवार के घर में शादी थी। शादी समारोह में लड़कियां आई थीं। इस दौरान बरगी नहर में बह गई हैं। नहर में डूबने की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस और एसडीआरएफ की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए पहुंची।

दो के शव मिले

वहीं, तलाशी अभियान के दौरान दो लड़कियों के शव मिले हैं। एक की तलाश जारी है। मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। बरगी नहर के पास परिवारजनों की भीड़ मौजूद है। हर जगह चीख पुकार मची है। सालीवाड़ा बरगी स्थित पटेल परिवार

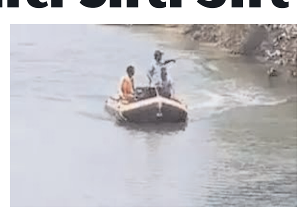

के घर आयोजित विवाह समारोह में रिश्तेदार आये थे। बुधवार सुबह शीतल पटेल, सानिया पटेल और तनु पटेल सहित चार लड़कियां नहर में नहाने गईं थीं। अतुल मयंक मिश्रा, सीएसपी बरगी रील बनाने के दौरान हादसा पुलिस ने बताया कि चारों लड़कियां नहर किनारे मोबाइल फोन से रील बना रही थी। तभी उनका पैर फिसल गया और वह नहर के गहरे पानी में चली गईं। इनमें से एक को तैरना आता था तो वह किसी तरह बाहर निकल गई और तीनों लड़कियां गहरे पानी में बह गईं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस प्रशासन के अधिकारी, एसडीआरएफ और होमगार्ड के गोताखोरों ने तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन प्रारंभ किया। तीन घंटे बाद घटनास्थल से आधा किलोमीटर दूर शीतल पटेल और सानिया पटेल के शव बरामद हुए। लापता तनु पटेल के संबंध में कोई सुराग नहीं मिल पाया है और उसकी तलाश जारी है।

सीएम मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष से मुलाकात के बाद विधायक प्रीतम लोधी के बदले तेवर, मांगी माफी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल: बीजेपी विधायक प्रीतम सिंह लोधी ने गुरुवार को एक पुलिस अधिकारी के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा इस्तेमाल करने के मामले में सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। इस मुद्दे को लेकर मध्य प्रदेश में विवाद बढ़ गया था। लोधी ने कहा कि जब पुलिस ने उनके बेटे को सार्वजनिक रूप से घुमाया, तो उन्हें गहरा दुख हुआ और भावनाओं में आकर उन्होंने पुलिस अधिकारियों के खिलाफ अनुचित शब्दों का इस्तेमाल किया, जिसके लिए वे दिल से माफी मांगते हैं।

सीएम और प्रदेश अध्यक्ष से की मुलाकात

उनका यह बयान भोपाल में मुख्यमंत्री मोहन यादव और भाजपा प्रदेश

अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से मुलाकात के बाद आया। लोधी ने कहा कि आगे से वे अपने शब्दों का ध्यान रखेंगे और पार्टी के दिशा-निर्देशों का पालन करेंगे। उन्होंने बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष को अपना जवाब सौंप दिया है और पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है। एक दिन पहले जारी किया था नोटिस एक दिन पहले हेमंत खंडेलवाल ने पिछोर के विधायक प्रीतम सिंह लोधी को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। नोटिस में उनके व्यवहार को 'बेहद आपत्तिजनक और पार्टी अनुशासन के खिलाफ' बताया गया था और तीन दिन के भीतर जवाब मांगा गया था। वीडियो सामने आने के बाद बढ़ा विवाद यह विवाद उस समय शुरू हुआ, जब लोधी का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वे करैरा के एसडीओपी आयुष जाखड़ से बहस करते नजर आए और उनके अधिकार पर सवाल उठाते दिखे। वीडियो में उन्होंने कहा कि करेरा उनके 'बाप की जागीर' नहीं है और उनका बेटा वहां आएगा और चुनाव लड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि अगर किसी में हिम्मत है तो उसे रोककर दिखाए। प्रीतम लोधी के नरम पड़े तेवर बेटे से पूछताछ के बाद प्रीतम लोधी ने एसडीओपी को दे रहे थी धमकी विधायक ने घर में गोबर भरने की भी थी धमकी इसके बाद पार्टी ने उन्हें जारी किया था नोटिस भोपाल बुलाकर सीएम और प्रदेश अध्यक्ष ने की मुलाकात

मार्च निकालने की दी चेतावनी

उन्होंने बड़ी संख्या में समर्थकों को इकट्ठा कर अधिकारी के घर तक मार्च निकालने की चेतावनी भी दी थी, जिसके बाद उनके बयान की व्यापक आलोचना हुई। थार कांड से जुड़ा है मामलायह मामला 16 अप्रैल को हुए एक सड़क हादसे से जुड़ा है, जिसमें लोधी के बेटे दिनेश लोधी पर आरोप है कि उन्होंने थार एसयूवी से पांच लोगों को टक्कर मार दी थी। इस हादसे में दो महिलाएं और तीन पुरुष घायल हुए थे।

'पैसा नहीं चुका सकते तो बेटी दे दो सुनते ही बौखलाया पिता, लोहे की रॉड से मारकर फेंक दिया नाले में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। महाराष्ट्र में नागपुर के जरीपटका इलाके में मिली एक बोरे में बंद लाश ने शहर को सन्न कर दिया. पुल के नीचे पड़े उस बोरे के भीतर छिपी कहानी जब सामने आई, तो लोग हैरान रह गए.

पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान झिंगाबाई टाकली निवासी राहुल सुनील साहू के रूप में हुई, जो सदर इलाके में 'हैप्पी डे' नाम से एक होटल चलाता था. शुरुआती जांच में मामला संदिग्ध लगा, लेकिन जैसे-जैसे पुलिस ने कड़ियां जोड़ीं, पूरी सच्चाई सामने आने लगी.

जांच में पता चला कि राहुल ने आरोपी नवीन पंजाबराव पुंडकर को कुछ समय पहले ब्याज पर पैसे दिए थे. पेशे से ई-रिक्शा चालक नवीन कोरोना काल के दौरान आर्थिक तंगी में था और उसने राहुल से कर्ज लिया था. आरोप है कि मूल रकम और ब्याज का बड़ा हिस्सा लौटाने के बावजूद राहुल उस पर 35 हजार रुपये और चुकाने का दबाव बना रहा था.

घटना वाले दिन राहुल पैसे लेने नवीन के घर पहुंचा. वहीं दोनों के बीच कहासुनी बढ़ गई. आरोप है कि विवाद के दौरान राहुल ने ऐसी आपत्तिजनक मांग कर दी कि नवीन आग बबूला हो गया. उसने कहा- पैसे नहीं दे सकते तो बेटी दे दो. इसपर भड़के नवीन ने पास पड़ी लोहे की रॉड उठा ली और उस पर हमला कर दिया. लगातार वार से राहुल गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई.

हत्या के बाद आरोपी ने सबूत मिटाने की कोशिश की. उसने शव को बोरे में भरा, अपने ई-रिक्शा में लादा और देर रात नारा घाट पुल के नीचे ले जाकर फेंक दिया. कुछ स्थानीय लोगों ने जब बोरा देखा और उसमें शव होने की आशंका जताई, तो पुलिस को सूचना दी गई.

जरीपटका पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की. कॉल डिटेल और अन्य सुरागों के आधार पर पुलिस आरोपी तक पहुंची और उसे गिरफ्तार कर लिया. पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है.

फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है.

रात 2 बजे सोफे के पास दिखा अजगर... मच गई अफरा-तफरी, रेस्क्यू के बाद लोगों ने ली राहत की सांस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कल्याण। महाराष्ट्र के कल्याण शहर में देर रात उस वक्त हड़कंप मच गया, जब गांधारी रोड स्थित एक फर्नीचर की दुकान में एक विशाल अजगर घुस आया. रात करीब दो बजे दुकान के आसपास मौजूद लोगों ने जैसे ही इस लंबे-चौड़े सांप को देखा, अफरा-तफरी मच गई. किसी को समझ नहीं आ रहा था कि आखिर इतनी बड़ी रिहायशी और व्यावसायिक बस्ती के बीच यह अजगर कैसे पहुंच गया. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, अजगर दुकान के अंदर रेंगता हुआ दिखाई दिया. उसकी लंबाई और आकार देखकर लोग सहम गए. कुछ देर के लिए डर का माहौल बन गया. लोगों ने तुरंत समझदारी दिखाते हुए रेस्क्यू टीम को सूचना दी. सूचना मिलते ही वॉर फाउंडेशन की एनिमल रेस्क्यू टीम हरकत में आई. टीम के अनुभवी सदस्य प्रेम आहेर और तन्मय माने बिना समय गंवाए मौके पर पहुंचे. उन्होंने सबसे पहले दुकान और आसपास के इलाके को सुरक्षित कराया, ताकि कोई व्यक्ति अजगर के करीब न जा सके. इसके बाद दोनों सदस्यों ने बेहद सावधानी और पेशेवर तरीके से अजगर को पकड़ना शुरू किया. फर्नीचर के बीच छिपे अजगर को बाहर निकालना आसान नहीं था. वह इधर-उधर सरक रहा था. प्रेम आहेर और तन्मय माने ने कुछ ही देर में अजगर को सुरक्षित काबू में कर लिया. अजगर के रेस्क्यू होते ही लोगों ने राहत की सांस ली. कई लोग इस पूरे घटनाक्रम को अपने मोबाइल कैमरों में कैद करते नजर आए. विशेषज्ञों के अनुसार, गर्मी के मौसम में या प्राकृतिक आवास में बदलाव के कारण जंगली जीव अक्सर रिहायशी इलाकों की ओर आ जाते हैं. भोजन या सुरक्षित ठिकाने की तलाश में सांप और अन्य वन्यजीव शहरों में भटक जाते हैं. वॉर फाउंडेशन के सदस्यों ने बताया कि अजगर पूरी तरह सुरक्षित है और उसे किसी प्रकार की चोट नहीं पहुंची है. वन विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुसार, उसे जल्द ही उसके प्राकृतिक आवास, यानी घने जंगल में छोड़ दिया जाएगा.

मुंबई में जाम को लेकर मंत्री से बहस करने वाली महिला में मामले में ट्विस्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई: मुंबई पुलिस ने बीजेपी की नारी शक्ति रैली के दौरान ट्रैफिक जाम को लेकर कैबिनेट मंत्री और पुलिस से भिड़ने वाली महिला के मामले में बड़ा ट्विस्ट आया है। मुंबई पुलिस ने उस दावे का खंडन किया है। जिसमें यह कहा गया था कि पुलिस ने वर्ली थाने में महिला के खिलाफ दर्ज की है। पुलिस ने कथित महिला के खिलाफ कोई भी केस दाखिल नहीं किया गया है। हम आपको और सबको आह्वान करते हैं कि आधिकारिक सूचना पर ही विश्वास करें। शुरुआती रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया था कि वकील गुणरत्न सदावर्ते की बेटी जेन सदावर्ते ने महिला के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन पुलिस ने इसे गलत बताया है।

मुंबई में 21 अप्रैल को हुई थी घटना

21 अप्रैल को बीजेपी ने एक बड़ी रैली निकाली थी। इससे भारी ट्रैफिक जाम हुआ था। इसके चलते एक महिला ने पुलिस और वहां मौजूदा बीजेपी विधायक और मंत्री गिरीश महाजन पर गुस्सा निकाला था। मंत्री ने माना था ट्रैफिक जाम नहीं होना चाहिए था, लेकिन उन्होंने यह भी कहा था कि महिला ने जिस भाषा का इस्तेमाल किया वह अनुचित थी। अब मुंबई रैली के दौरान ट्रैफिक जाम को लेकर मंत्री से बहस करने वाली महिला के खिलाफ शिकायत दर्ज की है। महिला ने कहा था 'गेट आउट फ्रॉम हियर' महिला ने मुंबई में महिला आरक्षण बिल को लेकर बीजेपी की रैली के कारण हुए ट्रैफिक जाम के लिए महाराष्ट्र के मंत्री गिरीश महाजन को खरी-खोटी सुनाई थी। यह घटना 21 अप्रैल की दोपहर में हुई थी।

हितग्राहियों को तीन माह का चावल दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव: राज्य शासन के निर्देशानुसार सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत जिले के नागरिकों एवं राशनकार्डधारियों की सुविधा को दृष्टिगत सभी पात्र हितग्राहियों को माह अप्रैल, मई एवं जून 2026 का तीन माह का चावल एकमुश्त प्रदाय किया जा रहा है। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में संचालित सभी 498 उचित मूल्य दुकानों को तीन माह का खाद्यान्न आबंटित कर दिया गया है। नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा जिले की सभी दुकानों में खाद्यान्न का भंडारण कार्य तीव्र गति से किया गया है, जिसमें कुल आबंटन के विरूद्ध लगभग 75 प्रतिशत भंडारण पूर्ण किया जा चुका है। इसके साथ ही वितरण की स्थिति भी संतोषजनक है। जिले में तीन माह के आबंटन के विरूद्ध लगभग 41 प्रतिशत राशनकार्डधारियों को तीन माह का चावल एकमुश्त वितरित किया जा चुका है। शेष हितग्राहियों को भी निरंतर वितरण प्रक्रिया के माध्यम से लाभान्वित किया जा रहा है।

जिला खाद्य अधिकारी रविन्द्र सोनी द्वारा जिले में भंडारण एवं वितरण की वास्तविक स्थिति के आकलन करने राजनांदगांव शहर के मोतीपुर, नवागांव, नया ढाबा, राहुल नगर, पुलिस लाईन, स्टेडियम वार्ड के उचित मूल्य दुकानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान हितग्राही उर्मिला चंद्राकर, देवकी पटेल, मनीषा वर्मा, कमलेश्वरी साहू, टाकेश्वरी साहू, भुवन ढीमर एवं अन्य हितग्राहियों ने बताया कि तीन माह का चावल एकमुश्त मिल हो रहा है। वितरण प्रक्रिया सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी रूप से संचालित हो रही है। निरीक्षण के दौरान शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालकों को तीन माह का राशन एकमुश्त वितरण के निर्देश दिये गये। नागरिकों से संबंधित उचित मूल्य दुकानों से निर्धारित प्रक्रिया अनुसार तीन माह का चावल प्राप्त करने की अपील की गई है। वितरण के दौरान किसी प्रकार की समस्या या अनियमितता की शिकायत होने पर तत्काल खाद्य विभाग के कॉल सेंटर नंबर 1800-233-3663 या 1967 पर शिकायत दर्ज करा सकते है।

महिला आरक्षण पर भाजपा फैला रही भ्रमजाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ब्यावर। जिला कांग्रेस कमेटी ब्यावर की ओर से आयोजित प्रेस वार्ता में भारतीय जनता पार्टी पर महिला आरक्षण को लेकर झूठ और भ्रम फैलाकर राजनीति करने का आरोप लगाया गया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि महिला सशक्तिकरण और महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने में कांग्रेस की ऐतिहासिक और निर्णायक भूमिका रही है, जबकि भाजपा इस मुद्दे को चुनावी लाभ के लिए इस्तेमाल कर रही है। प्रेस वार्ता में कांग्रेस ने कहा कि महिला आरक्षण की शुरुआत का श्रेय कांग्रेस को जाता है। वर्ष 1996 में एच.डी. देवगौड़ा सरकार के दौरान कांग्रेस के समर्थन से पहली बार महिला आरक्षण विधेयक संसद में पेश किया गया था। इसके बाद वर्ष 2010 में यूपीए सरकार ने महिला आरक्षण बिल राज्यसभा से पारित कराया। साथ ही कांग्रेस सरकार ने 73वें और 74वें संविधान संशोधन के माध्यम से पंचायतीराज और नगरीय निकायों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देकर महिला सशक्तिकरण को नई दिशा दी। प्रेस वार्ता में जिला प्रभारी व प्रदेश महासचिव प्रतिष्ठा यादव, जिलाध्यक्ष किशोर चौधरी, पूर्व विधायक राकेश पारीक, ब्यावर प्रत्याशी पारसमल जैन, खनन प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष आशीषपाल पदावत,सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मोरबी की राजनीति में 'मोरे मोरो': पंकज रणसरिया ने कांतिलाल अमृतिया को दी खुली चुनौती

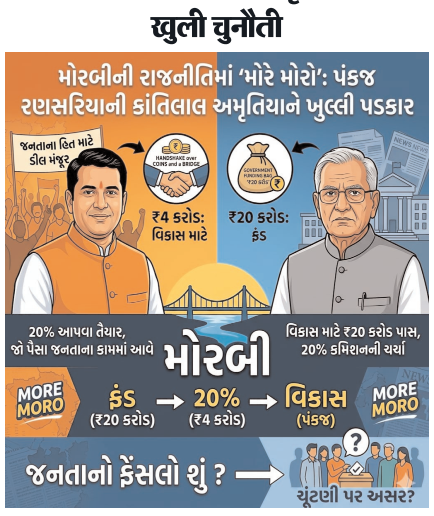

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मोरबी: गुजरात की मोरबी राजनीति में इन दिनों 'मोरे मोरो' का नारा गूंज रहा है। पूर्व विधायक कांतिलाल अमृतिया और सामाजिक कार्यकर्ता पंकज रणसरिया के बीच छिड़ी यह जुबानी जंग अब एक दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गई है। मामला विकास कार्यों के लिए आवंटित होने वाले 20 करोड़ रुपये और उसके 'कमीशन' के आरोपों से जुड़ा है।

क्या है पूरा विवाद?

हाल ही में कांतिलाल अमृतिया ने मोरबी के राजनगर क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए 20 करोड़ रुपये पास कराने की बात कही थी। चर्चा यह थी कि इस राशि का 20' हिस्सा (लगभग 4 करोड़ रुपये) पंकज भाई को देने की पेशकश की गई थी। अब इस पर पंकज रणसरिया ने पलटवार करते हुए इसे स्वीकार कर लिया है।

जनता के हित के लिए 'डील' मंजूर

पंकज भाई ने सार्वजनिक रूप से बयान देते हुए कहा: 'जनता के हित के लिए मैं 20 करोड़ के 20' देने को तैयार हूं। अगर यह पैसा क्षेत्र के विकास और लोगों की भलाई में काम आता है, तो मुझे यह शर्त मंजूर है। '

आज भारत एक आधुनिक, प्रगतिशील और तेजी से विकास कर रही अर्थव्यवस्था है

-होसबोले ने अमेरिका में आरएसएस को लेकर फैली गलतफहमियों का किया विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दत्तात्रेय होसबोले ने अमेरिका में आरएसएस को लेकर फैली गलतफहमियों का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि भारत अब एक टेक हब बन चुका है। इसका परिणाम है कि दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। एक कार्यक्रम में होसबोले ने कहा कि अमेरिका और पश्चिमी देशों में भारत की एक पुरानी छवि बनी हुई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह धारणा पूरी तरह गलत है। आज भारत एक आधुनिक, प्रगतिशील और तेजी से विकास कर रही अर्थव्यवस्था है। होसबोले ने कहा कि आरएसएस का उद्देश्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाना और राष्ट्र को एकजुट बनाए रखना है। संगठन की एक्टिविटी जमीनी स्तर पर समाज को मजबूत करने और लोगों को जोड़ने का काम कर रही हैं।

होसबोले ने कहा कि आरएसएस अमेरिका के श?वेत वर्चस्ववादी संगठन 'कु क्लक्स क्लान' का भारतीय संस्करण नहीं है। आरएसएस एक स्वैच्छिक जन आंदोलन है, जो भारत की प्राचीन सभ्यता और सांस्कृतिक मूल्यों से प्रेरित है। इसका मुख्य उद्देश्य अच्छा चरित्र, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी वाले स्वयंसेवक तैयार करना है। उन्होंने बताया कि आरएसएस देशभर में रोजाना और साप्ताहिक शाखाओं का आयोजन करता है। इन शाखाओं के जरिए स्वयंसेवकों में राष्ट्रहित, सामाजिक एकता और सेवा भावना विकसित की जाती है।

होसबोले ने कहा कि शाखाओं का उद्देश्य केवल वैचारिक प्रशिक्षण नहीं, बल्कि 'मानव सामाजिक पूंजी' का निर्माण करना है। आरएसएस सरकार्यवाह ने यह भी कहा कि संगठन हिंदू पहचान और भारतीय संस्कृति को मजबूत करने के साथ ही पूरे समाज के विकास पर काम करता है। उन्होंने अल्पसंख्यकों और हिंदू पहचान को लेकर पश्चिमी दुनिया में फैली भ्रांतियों को भी दूर करने की कोशिश की। यह कार्यक्रम वाल्टर रसेल मीड के साथ एक सत्र में हुआ, जिसमें होसबोले ने आरएसएस के जमीनी कार्यों और राष्ट्र निर्माण में उसकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने बताया कि आरएसएस के स्वयंसेवक आपदा के दौरान राहत और बचाव के कामों में आगे रहते हैं। बाढ़, भूकंप या अन्य संकट के समय संगठन के कार्यकर्ता बिना किसी भेदभाव के लोगों की मदद करते हैं। इसके अलावा स्वयंसेवकों ने देशभर में करीब 40 सिविल इंस्टीट्यूशन बनाए हैं, जो शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक डेवलपमेंट के लिए बेहतर काम कर रहे हैं।

आर्थिक संकट से जूझ रहे मालदीव के लिए भारत ने की मदद, 30 अरब की पहली किश्त जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संकट की घड़ी में भारत ने एक बार फिर पड़ोसी प्रथम की नीति को दोहराते हुए मालदीव को बड़ी वित्तीय सहायता प्रदान की है। गंभीर आर्थिक तंगी और विदेशी मुद्रा भंडार की कमी का सामना कर रहे मालदीव को राहत देने के लिए भारत सरकार ने 30 अरब रुपये की पहली किश्त जारी करने को मंजूरी दे दी है। यह महत्वपूर्ण वित्तीय मदद भारतीय रिजर्व बैंक और मालदीव सरकार के बीच हुए सार्क करेंसी स्वैप फ्रेमवर्क के तहत दी जा रही है। माले स्थित भारतीय उच्चायोग ने इस कदम की पुष्टि करते हुए कहा है कि यह सहायता मालदीव की वित्तीय स्थिरता को बनाए रखने और वहां की अर्थव्यवस्था को तत्काल सहारा देने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस सहायता की पृष्ठभूमि अक्टूबर 2024 में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की भारत यात्रा के दौरान तैयार हुई थी। उसी दौरे पर दोनों देशों के बीच करेंसी स्वैप समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। मालदीव पहले भी इसी फ्रेमवर्क के तहत लगभग 400 मिलियन डॉलर की राशि का उपयोग अपनी जरूरतों के लिए कर चुका है। वर्तमान में मालदीव की अर्थव्यवस्था कई मोर्चों पर चुनौतियों से घिरी हुई है। विदेशी मुद्रा भंडार के तेजी से घटने और बढ़ते अंतरराष्ट्रीय कर्ज के बोझ के कारण देश के सामने भुगतान संतुलन का संकट खड़ा हो गया है। ऐसे में भारत द्वारा दी गई यह किश्त न केवल तात्कालिक राहत प्रदान करेगी, बल्कि मुइज्जु सरकार को अपनी भविष्य की आर्थिक योजनाओं को व्यवस्थित करने का समय भी देगी। भारत लंबे समय से मालदीव के लिए एक भरोसेमंद और फर्स्ट रिस्पॉन्डर साझेदार रहा है। साल 2012 में सार्क करेंसी स्वैप फ्रेमवर्क की शुरुआत के बाद से भारत अब तक मालदीव को 1.1 अरब डॉलर से अधिक की वित्तीय सहायता मुहैया करा चुका है। इससे पहले भारत ने मालदीव के अनुरोध पर 100 मिलियन डॉलर के ट्रेजरी बिल्स को भी रोलओवर किया था, जिससे वहां की सरकार पर से तत्काल वित्तीय दबाव कम हुआ था।

बंपर वोटिंग पर केजरीवाल का तंज, मोदी जी की एसआईआर प्रक्रिया उन्हीं के खिलाफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के खिलाफ राजनीतिक प्रतिक्रिया पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य में रिकॉर्ड मतदान के बाद मोदी जी की एसआईआर प्रक्रिया उन्हीं के खिलाफ जा रही है। केजरीवाल ने पोस्ट कर लिखा कि बंगाल में यह बात सामने आ रही है कि लोग एसआईआर के खिलाफ मजबूती से वोट डाल रहे हैं।

उनकी यह टिप्पणी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा यह घोषणा करने के कुछ ही समय बाद आई कि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में स्वतंत्रता के बाद से अब तक का सबसे अधिक मतदान हुआ है, क्योंकि मतदान शाम 6 बजे समाप्त हुआ। मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद से बंगाल और तमिलनाडु में अब तक का सबसे अधिक मतदान प्रतिशत रहा है। चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के प्रत्येक मतदाता को सलाम करता है।

चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, बंगाल में प्रथम चरण में तमिलनाडु के 84.80 प्रतिशत की तुलना में 91.91 प्रतिशत का उल्लेखनीय रूप से उच्च मतदान दर्ज किया गया। उच्च मतदान सभी निर्वाचन क्षेत्रों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी को दिखाता है। पश्चिम बंगाल के कई जिलों में 90 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ, जिसमें दक्षिण दिनाजपुर में सबसे अधिक 94.85 प्रतिशत, उसके बाद कूच बिहार में 94.54 प्रतिशत, बीरभूम में 93.70 प्रतिशत, जलपाईगुड़ी में 93.23 प्रतिशत और मुर्शिदाबाद में 92.93 प्रतिशत मतदान हुआ। सभी प्रमुख क्षेत्रों में 90 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ।

ताजी हवा का आनंद लेने नहीं... शीर्ष नेताओं से मुलाकात करने दिल्ली आया : शिवकुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने अपने हालिया नई दिल्ली दौरे को लेकर स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य केवल ÷ताजी हवा का आनंद लेना÷ नहीं, बल्कि शीर्ष कांग्रेस नेताओं से मुलाकात करना था। राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर चल रहे असंतोष के बीच उनकी यात्रा राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हालांकि, उन्होंने यह बताने से इंकार किया कि उन्होंने दिल्ली में कांग्रेस के किन-किन नेताओं से मुलाकात की। डिप्टी सीएम डीके ने कहा कि वह पार्टी के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं और विभिन्न राज्यों में चुनाव प्रचार के बाद वहां के हालात की जानकारी पार्टी नेतृत्व को देना उनका कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि उन्होंने तमिलनाडु, केरल और असम में चुनाव प्रचार किया था और अब उन

अनुभवों को शीर्ष नेताओं से साझा करना जरूरी है। साथ ही, कर्नाटक में चुनाव प्रबंधन उनकी जिम्मेदारी का हिस्सा है, जिसे वे पूरी गंभीरता से निभाएंगे। कर्नाटक राज्य में संभावित राजनीतिक बदलावों और मंत्रिमंडल फेरबदल से जुड़े सवालों पर उन्होंने कोई टिप्पणी करने से इंकार किया। उन्होंने कहा कि जिम्मेदारी वाले पद पर रहते हुए इस तरह के मुद्दों पर सार्वजनिक चर्चा करना उचित नहीं है। मुस्लिम समुदाय में कथित असंतोष और उससे जुड़ी बैठकों पर उन्होंने कहा कि पार्टी स्तर पर कुछ जानकारी मिली है और सभी को मिलकर काम करने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री के करीबी मंत्रियों की बैठकों की खबरों से उन्होंने अनभिज्ञता जताकर कहा कि उन्हें नहीं पता कि कौन किसके करीब है। वहीं, दिल्ली की संभावित आगे की यात्राओं पर उन्होंने ÷इंतजार और देखिए÷ का रुख अपनाया। दिल्ली दौरे के दौरान उन्होंने केंद्रीय मंत्रियों से बेंगलुरु से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की योजना की बनाई है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उन्हें मुलाकात के लिए समय दिया है। मुस्लिम नेताओं के निलंबन के मुद्दे पर उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी को निलंबित नहीं किया गया, बल्कि संबंधित नेताओं ने स्वयं इस्तीफा दिया है।

यूपी में अगले तीन दिन और भीषण पड़ेगी गर्मी, 32 जिलों को मौसम विभाग ने घोषित किया रेड अलर्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश इस समय भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। सूबे में तापमान लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। राजधानी लखनऊ से लेकर बुंदेलखंड और पूर्वांचल तक आसमान से आग बरस रही है। स्थिति यह है कि दिन के साथ रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिल रही। दिन के समय तो सड़कों पर सन्नाटा छाया रहता है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में हालात और गंभीर होने की चेतावनी दी है, हालांकि 26 अप्रैल के बाद कुछ राहत के संकेत भी दिए गए हैं। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को इस सीजन का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 4 डिग्री अधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान 25.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जिससे रात में भी गर्मी का असर बना रहा। उधर, पूरे उत्तर प्रदेश में गर्मी का प्रकोप चरम पर है।

चुनाव आयोग पर भड़का हाईकोर्ट कहा- पश्चिम बंगाल में आप सत्ता का दुरुपयोग कर रहे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सत्ता को लेकर राजनैतिक दलों में भारी घमासान मचा हुआ है। इसी घमासान के बीच गुरुवार को पहले चरण का मतदान रिकॉर्ड वोटिंग के साथ संपन्न हुआ। तभी चुनाव आयोग की चिंता बढ़ाने वाली कलकत्ता हाईकोर्ट की एक टिप्पणी आ गई। हाईकोर्ट ने वोटिंग के दिन मोटरसाइकिलों पर लगाई गई पाबंदियों को लेकर कड़ी टिप्पणी की है। जस्टिस कृष्णा राव ने आयोग से कहा, आप अपनी सत्ता का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। इस तरह से नागरिकों को परेशान किया जा रहा है। ये हाईकोर्ट की काफी गंभीर टिप्पणी मानी जा रही है।

जस्टिस राव ने आयोग से आगे कहा, आम नागरिकों के अधिकारों को इस तरह से कम नहीं किया जा सकता है। अगर यही तर्क है तो आपको कारों पर भी रोक लगा देनी चाहिए। आखिर लोग कारों का इस्तेमाल बम और बंदूकें ले जाने और दंगा भड़काने के लिए भी तो कर सकते हैं! उन्होंने आगे कहा, कोर्ट को दिखाएं कि पिछले पांच सालों में ऐसी कितनी घटनाएं हुई हैं जिनमें मोटरसाइकिल पर सवार गुटों ने हिंसा भड़काई हो? यह एक बहुत बड़ा कदम है। असल में चुनाव से दो दिन पहले ही सब कुछ ठप कर देता है। मैं फिर दोहराता हूं कि यह सब सिर्फ अधिकारियों की नाकामियों को छिपाने के लिए किया जा रहा है। जज की इन टिप्पणियों के बाद चुनाव आयोग कोर्ट में एक हलफनामा पेश करेगा। इस हलफनामे में आयोग चुनाव से दो दिन पहले ये पाबंदियां लगाने के पीछे का कारण बताएगा। आयोग कोर्ट को उन पिछली घटनाओं के बारे में भी बता सकता है जिनमें मोटरसाइकिलों का गलत इस्तेमाल हुआ था।

चुनाव आयोग ने यह भी साफ किया कि ये पाबंदियां इमरजेंसी मेडिकल जरूरतें, परिवार से जुड़े मामले या बच्चों को स्कूल लाने-ले जाने के मामलों में लागू नहीं होंगी। जो लोग सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए मोटरसाइकिल से जा रहे हैं तो उन्हें भी छूट दी गई है। ये नियम रेपिडो जैसी ऐप-आधारित सेवाओं पर लागू नहीं होंगे। इसके पहले आयोग ने एक नोटिफिकेशन जारी किया था, जिसमें कहा गया कि चुनाव से दो दिन पहले से कोई भी मोटरसाइकिल रैली निकालने की इजाजत नहीं होगी। नोटिफिकेशन में साफ किया गया कि चुनाव से पहले के दो दिनों में सुबह 6ः00 बजे से शाम 6ः00 बजे तक मोटरसाइकिल चलाई जा सकती है; लेकिन इस दौरान पीछे किसी सवारी को बिठाना पूरी तरह से मना होगा। चुनाव वाले दिन भी सुबह 6ः00 बजे से शाम 6ः00 बजे तक मोटरसाइकिल चलाई जा सकती है, लेकिन यह छूट तभी मिलेगी जब चालक वोट डालने या किसी इमरजेंसी काम से जा रहा हो।

जयपुर विधानसभा सचिवालय को मिली बम से उड़ाने की धमकी, परिसर कराया खाली

-शहर में आईपीएल मैच को लेकर चल रही थी मार्कड्रिल, सुरक्षा एजेंसियों में हलचल

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में उस समय हड़कंप मच गया जब विधानसभा सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह धमकी ऐसे समय पर मिली है जब शहर में आईपीएल मैच को लेकर पहले से ही सुरक्षा व्यवस्था कड़ी है। जानकारी के मुताबिक विधानसभा सचिवालय को संदिग्ध मैसेज के जरिए बम धमाके की सूचना मिली थी, जैसे ही यह सूचना अधिकारियों तक पहुंची, तुरंत सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया। सचिवालय परिसर में मौजूद कर्मचारियों को तुरंत बाहर निकाला गया और पूरे इलाके को खाली करा दिया गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सूचना मिलते ही एटीएस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंचे। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे विधानसभा परिसर को अपने घेरे में लेकर सघन तलाशी अभियान शुरू किया। हर आने-जाने वाले और संदिग्ध वस्तु की बारीकी से जांच की गई। बताया जा रहा है कि उसी समय सवाई मानसिंह स्टेडियम में आईपीएल मैच से पहले सुरक्षा को लेकर मॉक ड्रिल चल रही थी। इसी दौरान अचानक बम की सूचना मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हलचल बढ़ गई और मॉक ड्रिल को बीच में ही रोककर वास्तविक अलर्ट मोड में काम शुरू कर दिया गया।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक धमकी को गंभीरता से लेते हुए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। शहर के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है, खासकर उन स्थानों पर जहां आईपीएल मैच को लेकर भीड़ जुटने की संभावना है। फिलहाल विधानसभा परिसर में तलाशी अभियान जारी है और अभी तक कोई संदिग्ध वस्तु बरामद होने की सूचना नहीं है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि धमकी भरा संदेश कहां से भेजा गया और इसके पीछे किसका हाथ हो सकता है।

अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की धमकियों को हल्के में नहीं लिया जा सकता, इसलिए पूरी सतर्कता के साथ जांच की जा रही है, साथ ही आम जनता से अपील की गई है कि किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। इस घटना के बाद जयपुर में सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

केरल में गर्मी के चलते सीएम ने किया सेल्फ-लॉकडाउन का ऐलान

-सुबह 11 से 3 बजे के बीच बाहर न निकलें, भरपूर मात्रा में साफ पानी पिएं

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के कई इलामों में लू की चेतावनी के मद्देनजर सीएम पिनाराई विजयन ने सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच सेल्फ-लॉकडाउन यानी खुद के द्वारा लगाया गया लॉकडाउन का आह्वान किया है। आईएमडी ने आधिकारिक तौर पर पालक्काड, कोल्लम और त्रिशूर जिलों में लू की चेतावनी जारी की है, क्योंकि राज्य में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया है। वातावरण में उच्च आर्द्रता के कारण अन्य जिलों में भी गर्मी का प्रकोप बहुत ज्यादा है। ऐसी स्थिति में हम सभी को अत्यंत सतर्क रहने की जरुरी है। बढ़ती गर्मी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं और यहां तक कि मृत्यु का कारण भी बन सकती है। इसलिए, सभी को निम्नलिखित सुरक्षा निर्देशों का कड़ाई से पालन करना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच बाहर न निकलें। इस समय के दौरान सीधे धूप के संपर्क में आने से बचें। इसे कोविड काल की तरह ही सेल्फ-लॉकडाउन का समय मानें और अनावश्यक यात्रा और बाहरी कामों से बचें। घर के अंदर और कार्यस्थल पर हवा के उचित वेंटिलेशन को सुनिश्चित करें। प्यास न लगने पर भी भरपूर मात्रा में साफ पानी पिएं। ऐसे पेय पदार्थों से बचें जिनसे शरीर में पानी की कमी होती हो। पौष्टिक भोजन करना सुनिश्चित करें।

गर्मी के बचने के लिए हल्के रंग के ढीले-ढाले सूती कपड़े पहनें। बाहर निकलते समय छाता, जूते-चप्पल और धूप का चश्मा जरुर पहनें। बुजुर्ग, बच्चे, गर्भवती महिलाएं, स्तनपान कराने वाली माताएं, हृदय रोग, मधुमेह, कैंसर, त्वचा रोग जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोग और एल्बिनिज्म से पीड़ित लोगों को इस समय बाहर निकलने से बचना चाहिए। सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच खुले स्थानों पर सार्वजनिक सभाओं और खेल आयोजनों की अनुमति नहीं है। त्योहारों में दिन के समय होने वाली परेड, हाथियों की परेड और आतिशबाजी से बचना चाहिए या उनका समय बदलना चाहिए। आग लगने की आशंका के प्रति विशेष सावधानी बरती जानी चाहिए।

पालतू जानवरों और आवारा पशुओं के लिए पीने के पानी और छाया की व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्हें दिन के समय चरने के लिए बाहर न जाने दें। चूंकि अत्यधिक गर्मी में जानवर बेचैन हो सकते हैं, इसलिए जंगली जानवरों और आवारा कुत्तों के हमले की आशंका के प्रति भी सावधानी बरती जानी चाहिए। श्रम विभाग ने दिन के समय बाहरी कामों से बचने के लिए काम के घंटों को पुनर्व्यवस्थित किया है। इसका कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। दिन के समय होने वाले रोजगार सुरक्षा संबंधी कार्यों को पूरी तरह से रोक दिया गया है।

ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के लिए पीने के पानी और छाया की व्यवस्था सुनिश्चित करने और उनकी वर्दी में ढील देने के निर्देश जारी किए गए हैं। लू से निपटने के लिए अस्पतालों और एम्बुलेंस में, जिनमें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी शामिल हैं, प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की गई है। स्थानीय निकायों, कुटुम्बश्री, स्वयंसेवी संगठनों और व्यापारियों को यात्रियों और आम जनता के लिए पीने का पानी और छाया उपलब्ध कराने के लिए आगे आना चाहिए। यदि आपको थकान महसूस हो या लू के लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत चिकित्सकीय सहायता लें। यदि आप किसी अन्य व्यक्ति को परेशानी में देखें, तो उसे तुरंत छाया में ले जाएं, उसके शरीर को ठंडा करने का प्रयास करें और चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराएं।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 999, निफ्टी 275 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट मध्य पूर्व में तनाव को देखते हुए दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के कारण आई है। इसके अलावा कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से भी बाजार पर दबाव पड़ा है जिससे वह नीचे आया है1 आज कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 999.79 अंक टूटकर 76,664.21 पर करोबार करता दिखा जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 275.10 अंक नीचे आकर 23,897.95 पर बंद हुआ।आज कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में बिकवाली रही। निफ्टी मिडकैप में 0.96 फीसदी जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.87 फीसदी की गिरावट रही। आज सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए, जिनमें निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा 5.29 फीसदी की गिरावट रही।

इसके अलावा, निफ्टी मीडिया में 1.87 फीसदी , निफ्टी फार्मा में 1.77 फीसदी, निफ्टी रियल्टी में 1.35 फीसदी, निफ्टी हेल्थकेयर में 1.49 फीसदी निफ्टी ऑयल एंड गैस में 0.72 फीसदी और निफ्टी एफएमसीजी में 0.73 फीसदी गिरावट रही।

वहीं निफ्टी के ट्रेंट, हिंडाल्को, नेस्ले इंडिया, श्रीराम फाइनेंस, एसबीआई के शेयरों में तेजी देखने को मिली, जबकि टीसीएस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, सन फार्मा के शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी।

इससे पहले आज सुबह बाजार भारी गिरावट के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 150 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ 77,483.80 पर खुला। इसी तरह निफ्टी-50 भी 24,100 के स्तर पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद निफ्टी 153.90 अंकों की गिरावट के साथ 24,019.15 पर ट्रेड कर रहा था।

क्लासिक लीजेंड्स ने अमेरिकी बाजार से मोड़ा रुख, यूरोप-मेक्सिको पर ध्यान

कंपनी ने अब यूरोप और मेक्सिको को बनाया नया ठिकाना, घरेलू बाजार में भी बंपर उछाल

नई दिल्ली ।

जावा, बीएसए और येज्दी जैसे प्रतिष्ठित मोटरसाइकिल ब्रांड्स की मूल कंपनी क्लासिक लीजेंड्स ने अपनी निर्यात रणनीति में एक बड़ा बदलाव किया है। अमेरिकी बाजार में बढ़ती अनिश्चितताओं और चुनौतियों के कारण कंपनी ने अब यूरोप और दुनिया के अन्य अधिक स्थिर बाजारों पर अपना ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया है। इस कदम से कंपनी की लगभग 5,000 फंसी हुई मोटरसाइकिलों को नए गंतव्य मिल गए हैं, जबकि कंपनी घरेलू मोर्चे पर भी शानदार वृद्धि और मुनाफा दर्ज कर रही है। क्लासिक लीजेंड्स के मुता बिक अमेरिकी बाजार की अनिश्चितताओं के कारण कंपनी की लगभग 5,000 मोटरसाइकिलें रास्ते में ही फंस गई थीं। जो खेप पहले अमेरिका के लिए निर्धारित थी, उसे अब मेक्सिको और यूरोप जैसे अन्य बाजारों में भेजा जा रहा है, जहां इन मोटरसाइकिलों की ज़बरदस्त मांग है। कंपनी के एक अ धिकानरी ने कहा कि अमेरिकी बाजार की स्थिति अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। जैसे ही वहां अनिश्चितता खत्म होगी, हम फिर से शुरुआत करेंगे, लेकिन फिलहाल वह बाजार व्यावहारिक नहीं है। कंपनी अब रणनीतिक रूप से अधिक स्थिर और मांग वाले बाजारों की ओर रुख कर रही है। अमेरिकी बाजार की बाधा के बावजूद, नए बाजारों में कदम रखने से कंपनी की निर्यात की रफ्तार मजबूत बनी हुई है। वर्तमान में, कंपनी की कुल बिक्री में निर्यात की हिस्सेदारी लगभग 10 प्रतिशत है, जिसे कंपनी भविष्य में दो से चार गुना तक बढ़ाने की योजना बना रही है। हालांकि, कंपनी ने यह भी कहा कि भारत में घरेलू बाजार भी बहुत तेजी से बढ़ रहा है, इसलिए कुल बिक्री में निर्यात की हिस्सेदारी में कोई बहुत बड़ा बदलाव नहीं आएगा। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में क्लासिक लीजेंड्स की खुदरा बिक्री में 40 प्रतिशत का उछाल आया, जो 32,482 वाहनों से बढ़कर 45,409 वाहन हो गई।

रीन्यू आंध्र प्रदेश में लगाएगी 4,200 करोड़ का सौर इंगट-वेफर प्लांट

6.5 गीगावॉट क्षमता से ऊर्जा आत्मनिर्भरता को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली ।

स्वच्छ ऊर्जा समाधान प्रदाता रीन्यू एनर्जी ग्लोबल पीएलसी (रीन्यू) ने आंध्र प्रदेश में 4,200 करोड़ रुपये के निवेश से एक अत्याधुनिक सौर इंगट-वेफर विनिर्माण इकाई स्थापित करने की घोषणा की है। विशाखापत्तनम के पास अनकापल्ली जिले में बनने वाली 6.5 गीगावॉट क्षमता की यह इकाई देश की पहली नई सौर इंगट-वेफर विनिर्माण इकाइयों में से एक होगी, जो भारत को स्वच्छ ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह परियोजना रीन्यू की आंध्र प्रदेश में 82,000 करोड़ रुपये के निवेश की व्यापक प्रतिबद्धता का हिस्सा है। 24 महीनों के भीतर चालू होने की उम्मीद के साथ, यह संयंत्र राज्य में 2,100 से अधिक प्रत्यक्ष और परोक्ष रोजगार के अवसर पैदा करेगा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू ने इस निवेश को राज्य को 'भारत के सिलिकन कोस्ट' के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक अहम कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह निवेश स्वच्छ ऊर्जा और आधुनिक विनिर्माण के केंद्र के रूप में राज्य की स्थिति को मजबूत करेगा, साथ ही आर्थिक विकास को गति देगा। यह इकाई देश की सौर आपूर्ति श्रृंखला को स्थानीय स्तर पर मजबूत करेगी, आयात पर निर्भरता कम करेगी और भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देगी। यह रीन्यू के मौजूदा सौर पीवी मॉड्यूल और सेल विनिर्माण के लिए महत्वपूर्ण अपस्ट्रीम घटक इंगट और वेफर का उत्पादन कर बैकवर्ड एकीकरण को सक्षम बनाएगी। रीन्यू के एक अ धिकारी ने कहा कि यह इकाई देश के भीतर विनिर्माण क्षमता का निर्माण करने और एक एकीकृत, आत्मनिर्भर स्वच्छ ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र के हमारे दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। रीन्यू सौर विनिर्माण में एक दमदार खिलाड़ी है, जिसके पास पहले से ही 6.5 गीगावॉट की परिचालनगत सौर विनिर्माण क्षमता है। दिसंबर 2026 तक 6.5 गीगावॉट सेल तक विस्तार होने की उम्मीद है। यह नई इकाई कंपनी की पूरी सौर मूल्य श्रृंखला में उसकी स्थिति को और मजबूत करेगी, जिससे भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को गति मिलेगी।

प्लेसिंपल 3,150 करोड़ का आईपीओ लाने के लिए तैयार

सेबी के पास दाखिल किए दस्तावेज

नई दिल्ली ।

स्वीडन की गेमिंग कंपनी मॉडर्न टाइम्स ग्रुप एमटीजी एबी की पूर्ण स्वामित्व वाली भारतीय अनुषंगी कंपनी प्लेसिंपल गेम्स लिमिटेड ने 3,150 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए बाजार नियामक के समक्ष मसौदा दस्तावेज दाखिल किए हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष दाखिल आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार यह आईपीओ पूरी तरह बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित होगा। निर्गम का आकार लगभग 3,150 करोड़ रुपये तक हो सकता है। अंतिम निर्गम आकार अनुमत सीमा के भीतर बदल सकता है और इसे पेशकश खुलने के करीब तय किया जाएगा। एमटीजी ने कहा कि आईपीओ के बाद भी वह प्लेसिंपल में बहुलांश हिस्सेदारी बनाए रखने का इरादा रखती है। कंपनी ने कहा कि सार्वजनिक निर्गम लाने का समय बाद में तय किया जाएगा।

टेक दिग्गज मेटा करेगी बड़े पैमाने पर छंटनी, 8,000 कर्मचारियों पर गिरेगी गाज

लागत में कटौती और एआई निवेश को संतुलित करने के लिए कंपनी का फैसला

मुंबई ।

टेक दिग्गज मेटा एक बार फिर बड़े पैमाने पर छंटनी की तैयारी में है। कंपनी अपने ग्लोबल वर्कफोर्स का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा, यानी करीब 8,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकालेगी। यह फैसला 20 मई से लागू होगा और इसका मुख्य उद्देश्य कंपनी के खर्चों में कटौती करना तथा तेज़ी से बढ़ते आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सेक्टर में अपने बड़े निवेश को संतुलित करना है। कंपनी की एक प्रमुख अ धिकारी के एक आंतरिक मेमो से यह जानकारी मिली है। इन छंटनियों के अलावा मेटा ने लगभग 6,000 खाली पदों को भी न भरने का निर्णय लिया है, जिससे कुल मिलाकर कर्मचारियों की संख्या में और कमी आएगी। मेटा लगातार एआई इंफ्रास्ट्रक्चर पर अरबों डॉलर खर्च कर रही है और मार्क जुकरबर्ग का मानना है कि 2026 तक एआई काम करने के तरीके को पूरी तरह बदल देगा। कंपनी का दावा है कि यह कदम उसे अधिक कुशल बनाएगा और नई एआई क्नोलॉजी में निवेश बढ़ाने में मदद करेगा। प्रभावित कर्मचारियों के लिए मेटा ने एक व्यापक सेवरेंस पैकेज की घोषणा की है। अमेरिका में कर्मचारियों को 16 हफ्तों का मूल वेतन, हर साल की सेवा के लिए अतिरिक्त दो हफ्तों का वेतन और 18 महीने तक स्वास्थ्य सहायता मिलेगी। अन्य देशों में भी स्थानीय नियमों के अनुसार समान सहायता दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, कंपनी करियर सपोर्ट और जॉब सर्च असिस्टेंस भी प्रदान करेगी। यह कदम बड़े टेक कंपनियों में एआई पर बढ़ते फोकस और संगठनात्मक पुनर्गठन की व्यापक प्रवृत्ति को दर्शाता है।

डिजिटल तिजोरी पर एआई सेंध का डर वित्त मंत्री ने बैंको को किया अलर्ट

बैंकों को तत्काल अपने सुरक्षा तंत्र मजबूत करने और आपस में सूचना साझा करने का निर्देश दिया

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय बैंकों को एक नए, बेहद शक्तिशाली कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) मॉडल क्लॉड माइथोस से उत्पन्न होने वाले गंभीर साइबर खतरों के प्रति आगाह किया है। यह एआई इतनी क्षमता रखता है कि वह बैंक प्रणालियों में छिपी हुई उन कमजोरियों को भी पहचान सकता है, जिन्हें मानवीय आंखें नहीं देख पातीं, जिससे हैकर्स के लिए मास्टर चाबी बनने का खतरा पैदा हो गया है। सरकार ने इस संभावित खतरे को देखते हुए बैंकों को तत्काल अपने सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने और सूचनाओं का आदान-प्रदान बढ़ाने का निर्देश दिया है, ताकि आम जनता के पैसे और डेटा को सुरक्षित रखा जा सके। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ बैंकों के शीर्ष अधिकारियों की एक उच्च-स्तरीय बैठक की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य एंथ्रोपिक द्वारा विकसित क्लॉड माइथोस नामक इस अत्यधिक उन्नत एआई मॉडल से उत्पन्न होने वाले साइबर खतरों को समझना था। यह एआई अपनी अनूठी क्षमताओं के लिए जाना जाता है, जो ऑपरेटिंग सिस्टम और इंटरनेट ब्राउज़रों में उन गुप्त कमजोरियों को भी उजागर कर सकता है

जो दशकों से अनछुई थीं। क्लॉड माइथोस को अभी तक आम जनता के लिए जारी नहीं किया गया है और इसका एक्सेस केवल अमेज़न, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसी 40 चुनिंदा कंपनियों तक सीमित है। हालांकि, कुछ अनधिकृत लोगों द्वारा इसके एक्सेस की रिपोर्टों ने वैश्विक स्तर पर, खासकर बैंकिंग क्षेत्र में, चिंता बढ़ा दी है।

सिर्फ भारत ही नहीं, अमेरिका की सरकार भी वॉल स्ट्रीट के बैंकों के साथ इस खतरे पर चर्चा कर रही है।

वित्त मंत्रालय ने सभी बैंकों और वित्तीय संस्थानों को पहले से कहीं अधिक सतर्क रहने, अपनी तैयारी पुख्ता करने और आपस में मिलकर काम करने की आवश्यकता पर बल दिया है। सीतारमण ने बैंकों को अपने आईटी प्रणालियों को तत्काल मजबूत करने और ग्राहकों के डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आदेश दिया। सरकार एआई जनित हमलों को पहचानने और रोकने के लिए एक विशेष ढांचा तैयार करने की योजना बना रही है। इस पहल के तहत, इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम और अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर एक रियल-टाइम सूचना साझाकरण प्रणाली विकसित की जाएगी। इसका अर्थ है कि जैसे ही किसी एक बैंक पर कोई खतरा दिखेगा, उसकी जानकारी तुरंत पूरे देश के बैंकिंग सिस्टम को मिल जाएगी। इसके अतिरिक्त, इंडियन बैंक्स एसोसिएशन को भी साइबर हमलों के त्वरित जवाब के लिए एक संस्थागत व्यवस्था बनाने की सलाह दी गई है।

वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक अब इस बात की गहराई से जांच कर रहे हैं कि क्लॉड माइथोस से भारत के वित्तीय क्षेत्र को कितना बड़ा खतरा हो सकता है,

ताकि समय रहते बचाव के उपाय किए जा सकें और आम आदमी की मेहनत की कमाई सुरक्षित रहे।

भारत ने मालदीव को 30 अरब की पहली आर्थिक सहायता को दी मंजूरी

सार्क मुद्रा अदला-बदली ढांचे के तहत जारी हुई पहली किस्त, पड़ोसी पहले नीति का प्रमाण

माले ।

भारत ने मालदीव को उसकी मौजूदा आर्थिक एवं वित्तीय सहायता के तहत 30 अरब रुपए की पहली निकासी को मंजूरी दे दी है। भारतीय उच्चायोग ने बताया कि यह राशि सार्क मुद्रा अदला-बदली (करेंसी स्वैप) ढांचे के तहत जारी की जा रही है, जो दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों को दर्शाता है। यह समझौता भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और मालदीव सरकार के बीच अक्टूबर 2024 में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की नई दिल्ली यात्रा के दौरान हुआ था। इसी ढांचे के तहत मालदीव द्वारा अक्टूबर 2024 में ली गई 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर की पिछली निकासी गुरुवार को परिपक्व हो गई थी, जिसका मालदीव के विदेश मंत्रालय ने निपटान की पुष्टि की है। भारतीय उच्चायोग ने बताया कि 2012 में सार्क मुद्रा अदला-बदली ढांचे की शुरुआत के बाद से, आरबीआई ने मालदीव को कुल 1.1 अरब अमेरिकी डॉलर का समर्थन दिया है, जिसने उसकी वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत ने पिछले वर्ष मालदीव सरकार द्वारा जारी 10 करोड़ डॉलर के ट्रेजरी बिल को भी आपात वित्तीय सहायता के रूप में आगे बढ़ाया था। भारत अपनी पड़ोसी पहले और विजन महासागर नीतियों के तहत मालदीव को एक महत्वपूर्ण भागीदार मानता है। भारतीय दूतावास ने कहा कि एक मित्र

पड़ोसी के रूप में, भारत हमेशा से मालदीव के लिए प्रथम सहायता प्रदाता रहा है। सार्क दक्षिण एशिया के आठ देशों का एक आर्थिक एवं राजनीतिक संगठन है।

सोना रहेगा मजबूत- वैश्विक अनिश्चितता में निवेशकों का भरोसेमंद ठिकाना

एक साल में 47 फीसदी की उछाल, 2030 तक 5,000 डॉलर तक पहुंचने का अनुमान

मुंबई। वैश्विक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनाव के बढ़ते माहौल के बीच सोने की कीमतें अगले कुछ वर्षों तक मजबूत बनी रह सकती हैं। कई शीर्ष वित्तीय संस्थानों के विश्लेषकों का मानना है कि निवेशक सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की ओर रुख करते रहेंगे, जिससे 2026 के अंत तक इसे लगातार समर्थन मिलेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, युद्ध जैसे हालात, ब्याज दरों में अस्थिरता और बढ़ती महंगाई जैसी चिंताएं सोने को एक स्थिर और भरोसेमंद विकल्प बनाती हैं। यह तनावपूर्ण आर्थिक परिदृश्यों में एक सुरक्षित हेवन के रूप में काम करता है, जिससे इसकी मांग और कीमतों को बल मिलता है। पिछले एक साल में सोने ने जबरदस्त प्रदर्शन किया है। मार्च 2025 में 3,019 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस से बढ़कर मार्च 2026 तक यह लगभग 4,447 डॉलर तक पहुंच गया, जो 47 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि दर्शाता है। इस तेजी के पीछे कई प्रमुख कारक हैं, जिनमें वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, भू-राजनीतिक संघर्ष, केंद्रीय बैंकों द्वारा बड़े पैमाने पर खरीद और खुदरा निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी शामिल है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि 2030 तक सोने की कीमतें 5,000 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस तक भी पहुंच सकती हैं, हालांकि यह वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और मांग पर निर्भर करेगा।

प्याज फिर हुआ महंगा, 60 रुपये के पार पहुंची कीमतें

बेमौसम बारिश से फसलें प्रभावित, स्टॉक में कमी और बिचौलियों की जमाखोरी के कारण बढ़ी कीमतें

मुंबई ।

देशभर में प्याज की बढ़ती कीमतें एक बार फिर आम आदमी को रुलाने लगी हैं। कई शहरों और मंडियों में प्याज का भाव 50 से 60 रुपये प्रति किलोग्राम के आंकड़े को पार कर गया है, जिससे रसोई का बजट बिगड़ना तय है। विशेषज्ञों का मानना है कि बेमौसम बारिश से फसलें बर्बाद होने, पुराने स्टॉक में कमी और बाजार में आपूर्ति के अंतर ने इस महंगाई को बढ़ावा दिया है। प्याज की कीमतों में इस अप्रत्याशित उछाल के पीछे मुख्य वजह प्रमुख उत्पादक राज्यों, खासकर महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में हाल ही में हुई बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि है। इन प्राकृतिक आपदाओं ने खेतों में तैयार खड़ी और कटी हुई फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया, जिससे नई फसल की आपूर्ति में जबरदस्त गिरावट आई है।

इसके साथ ही, कोल्ड स्टोरेज में रखा पुरानी प्याज का स्टॉक भी अब तेजी से खत्म हो रहा है, जबकि नई खरीफ फसल की बाजार में पूरी उपलब्धता में अभी समय है। आपूर्ति और मांग के बीच इस बड़े अंतर ने कीमतों को और अधिक बढ़ाने का काम किया है। स्थिति को और गंभीर बनाने वाली बात यह है कि कुछ व्यापारियों द्वारा भविष्य में कीमतों में और वृद्धि की आशंका के चलते प्याज का स्टॉक रोकने की खबरें भी सामने आ रही हैं। इस तरह की जमाखोरी बाजार में कृत्रिम किल्लत पैदा कर रही है, जिससे कीमतें अनावश्यक रूप से बढ़ रही हैं। इसके अलावा, डीजल की बढ़ती कीमतें और परिवहन लागत में बढ़ोतरी ने भी प्याज को महंगा किया है। खेतों से मंडियों और फिर खुदरा दुकानों तक प्याज पहुंचाने का खर्च बढ़ने से अंतिम उपभोक्ता तक पहुंचने वाली कीमत में इजाफा हुआ है। बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने और आम लोगों को राहत पहुंचाने के लिए सरकार ने कमर कस ली है। कृषि मंत्रालय ने अपने बफर स्टॉक से प्याज को खुले बाजार में उतारने की योजना बनाई है।

सहकारी संस्थाओं के माध्यम से सस्ती दरों पर प्याज उपलब्ध कराने की कोशिश की जा रही है, ताकि बाजार में आपूर्ति बढ़ाई जा सके और कीमतों को नियंत्रित किया जा सके। सरकार की इस पहल से उम्मीद है कि आने वाले दिनों में आम जनता को कुछ राहत मिल सकेगी।

जेपी मोरगन ने भारतीय बाजार की घटाई रेटिंग, 20,500 तक गिर सकता है निफ्टी

निफ्टी के सभी लक्ष्य घटाए, विदेशी ब्रोकरेज की चिंताएं बढ़ीं, एचएसबीसी भी पहले घटा चुका है ग्रेड

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार को विदेशी ब्रोकरेज हाउस से एक और झटका लगा है।

एचएसबीसी के बाद अब जेपी मोरगन ने भी भारतीय इक्विटी पर अपना रुख नरम करते हुए रेटिंग को ओवरवेट से घटाकर न्यूट्रल कर दिया है। इस कदम ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है, खासकर जब निफ्टी 50 के सभी लक्ष्यों में बड़ी कटौती की गई है। जेपी मोरगन ने अपने सभी अनुमानों में कटौती करते हुए निफ्टी 50 के बुल केस लक्ष्य को 33,000 से घटाकर 30,000, बेस केस को 30,000 से 27,000 और बेयर केस को 24,000 से 20,500 कर दिया है। ब्रोकरेज हाउस ने इस बदलाव के पीछे भारतीय बाजार के ऊंचे वैल्यूएशन, कंपनियों की कमाई पर दबाव, ढ्ढक्क से बढ़ती सप्लाई और हाई-ग्रोथ टेक सेक्टर में सीमित एक्सपोजर जैसे कारणों का हवाला दिया है। जेपी मोरगन अब भारत के बजाय ताइवान और वैश्विक टेक सेक्टर में निवेश को प्राथमिकता दे रहा है। इससे पहले एचएसबीसी ने भी भारत की रेटिंग न्यूट्रल से घटाकर अंडरवेट कर दी थी। एचएसबीसी ने मध्य पूर्व में तनाव के चलते कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों (ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल के पार) को भारत के लिए चिंता का विषय बताया था,

जिससे आयात बिल, रुपया और महंगाई पर दबाव बढ़ने की आशंका है। विदेशी ब्रोकरेज हाउस का यह सतर्क रुख वैश्विक और घरेलू दोनों मोर्चों पर चुनौतियों का संकेत दे रहा है।

अप्रैल में निजी क्षेत्र की गतिविधियों में जोरदार सुधार पीएमआई 58.3 पर पहुंचा

पश्चिम एशिया संकट से मार्च में आई नरमी के बाद अप्रैल में विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में तेजी

नई दिल्ली ।

अप्रैल महीने में भारत के निजी क्षेत्र की व्यावसायिक गतिविधियों में मजबूत सुधार दर्ज किया गया है, जो उत्पादन और बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि से प्रेरित है। पश्चिम एशिया संकट से जुड़ी बाधाओं के कारण मार्च में आई नरमी के बाद यह सुधार एक सकारात्मक संकेत है। एसएंडपी ग्लोबल द्वारा संकलित एचएसबीसी का फ्लैश इंडिया कंपोजिट परचेजिंग मैनेजर्स आउटपुट इंडेक्स (पीएमआई) अप्रैल में बढ़कर 58.3 हो गया, जबकि मार्च में यह 57 अंक था। यह सूचकांक लगातार 57 महीनों से 50 के ऊपर बना हुआ है, जो वृद्धि का संकेत देता है। फ्लैश पीएमआई, जो महीने के अंतिम पीएमआई आंकड़ों का प्रारंभिक संकेत है, दर्शाता है कि विनिर्माण क्षेत्र के उत्पादन और बिक्री की वृद्धि दर में विशेष रूप से सुधार हुआ है। सर्वे में शामिल कंपनियों ने बताया कि क्षमता विस्तार, बेहतर मांग की स्थिति, नए काम के बढ़ते स्तर और तकनीकी निवेश ने व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया है। हालांकि, इस दौरान मूल्य का दबाव भी बढ़ गया है, जो मुद्रास्फीति के संकेत देता है। एचएसबीसी की एक

प्रमुख अर्थशास्त्री ने टिप्पणी की कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष से जुड़ी बाधाओं के कारण मार्च में आई नरमी के बाद निजी क्षेत्र की गतिविधि में तेजी आई है। उन्होंने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन और नए ऑर्डर में तेज वृद्धि ने इस तेजी का नेतृत्व किया। कंपनियों ने आपूर्ति पक्ष से होने वाले झटकों और अनिश्चितताओं का प्रबंधन करने के लिए बफर स्टॉक बनाना भी शुरू कर दिया है। क्षेत्रीय आंकड़ों की बात करें तो एचएसबीसी फ्लैश इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई अप्रैल में मार्च के 53.9 अंक (जो लगभग 4 साल का निम्नतम स्तर था) से बढ़कर 55.9 हो गया है। इसी तरह एचएसबीसी फ्लैश इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स भी मार्च के 57.5 अंक से थोड़ा बढ़कर 57.9 पर पहुंच गया, जो सेवा क्षेत्र में भी मजबूत विस्तार का संकेत है। यह सुधार भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक गति का प्रतीक है।

विदेशी निवेश छह महीने बाद बढ़ा फरवरी में एफडीआई सकारात्मक

फरवरी में शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 4.6 अरब डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के मोर्चे पर अच्छी खबर है। लगातार छह महीनों तक नकारात्मक रहने के बाद, फरवरी 2026 में शुद्ध एफडीआई सकारात्मक हो गया, जो 4.6 अरब डॉलर दर्ज किया गया। यह उछाल सकल आवक में उल्लेखनीय वृद्धि और विदेश भेजी गई पूंजी (प्रत्यावर्तन) में कमी के कारण संभव हुआ है। यह आंकड़ा जनवरी 2026 में 1.4 अरब डॉलर और फरवरी 2025 में 70.3 करोड़ डॉलर के नकारात्मक स्तर से बेहतर है। फरवरी 2026 में सकल एफडीआई आवक बढ़कर 8.98 अरब डॉलर हो गई, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 5.56 अरब डॉलर थी। इसी माह प्रत्यावर्तन भी घटकर 1.7 अरब डॉलर रहा, जबकि पिछले वर्ष यह 2.5 अरब डॉलर और जनवरी 2026 में लगभग 5 अरब डॉलर था। शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) बहिर्गमन में भी वार्षिक आधार पर 31.03 प्रतिशत की गिरावट आई, और फरवरी 2026 में यह 3.77 अरब डॉलर से घटकर 2.63 अरब डॉलर रह गया। इस माह में लगभग 75 प्रतिशत बहिर्गामी एफडीआई सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात और ब्रिटेन की ओर था। अप्रैल-फरवरी 2025-26 के दौरान, भारत में कुल सकल एफडीआई 18.1 प्रतिशत बढ़कर 88.3 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले वर्ष 74.7 अरब डॉलर था। इसी अवधि में शुद्ध एफडीआई भी बढ़कर 6.3 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले वर्ष मात्र 1.5 अरब डॉलर था। विनिर्माण, कंप्यूटर सेवाएं, वित्तीय सेवाएं, व्यावसायिक सेवाएं और संचार सेवाएं 2025-26 के दौरान कुल इक्विटी निवेश के दो-तिहाई से अधिक के लिए जिम्मेदार रहीं, जो भारत में विदेशी निवेशकों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है।

बॉडी नहीं बनाती ओमेगा-3, शाकाहारी लोगों के लिए बहुत जरूरी हैं ये बीज

ओमेगा 3 एक जरूरी फैटी एसिड है, जिसे शरीर नहीं बना पाता है। इसलिए इसकी कमी का खतरा काफी ज्यादा होता है। जिससे बचने के लिए इन फूड्स का सेवन करना चाहिए।

शरीर को कई तरह के फैट की जरूरत होती है ताकि शरीर का काम सही चलता रहे। मगर ओमेगा-3 फैटी एसिड को बॉडी खुद नहीं बना पाती है और उसे फूड्स पर निर्भर रहना पड़ता है। वरना शरीर में इसकी भारी कमी हो सकती है।
सेल्स के फंक्शन के लिए यह न्यूट्रिएंट बहुत जरूरी होता है। शरीर में ओमेगा-3 की कमी से कई सारी दिक्कतें होने लगती हैं। जिनके बारे में न्यूट्रिशनिस्ट किरण कुकरेजा ने जानकारी दी है। एक्सपर्ट ने इसे पाने के लिए कुछ फूड्स खाने की सलाह भी दी है।

ओमेगा-3 की कमी से झेलनी होगी ये दिक्कतें

ड्राई स्किन, हेयर और आई

हेल्दी स्किन और हेयर के लिए ओमेगा-3 फैटी एसिड बहुत जरूरी है। वहीं, आंखों की नमी और रेटिना में इसका हाई कंसंट्रेशन होता है। इसलिए इसकी डेफिशिएंसी त्वचा, बाल और आंखों में रूखापन कर सकती है।

नाखून हो जाएंगे कमजोर

नाखूनों की सेल्स को जोड़े रखने के लिए भी यह फैट जरूरी होता है। इसके कम होने पर सेल्स मेंब्रेन ढीले और कमजोर होने लगते हैं। जिससे नाखून कमजोर और नाजुक हो जाते हैं।

बीमारियों का घर बनेगा दिल

ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी से दिल बीमारियों का घर बन सकता है। क्योंकि, यह कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। जो कि नसों को सिकोड़ने और डैमेज करके दिल की बीमारियों का प्रमुख कारण बनती हैं।

शाकाहारी लोगों के लिए ओमेगा-3 फूड

शाकाहारी लोग इसे पाने के लिए अलसी के बीज, चिया सीड्स और अखरोट का सेवन कर सकते हैं। इनमें इसका प्रकार अल्फा लिनोलेनिक एसिड (एएलए) प्रचुर मात्रा में होता है। साथ में फोर्टिफाइड दूध, योगर्ट आदि का सेवन भी कर सकते हैं।

ओमेगा-3 के नॉन वेजिटेरियन फूड

मछलियों में ओमेगा-3 फैट काफी होता है। इसके लिए सैल्मन, मैक्रेल, टूना, सार्डिन आदि फैटी फिश का सेवन कर सकते हैं।

गर्मी के मौसम में मसाज के फायदे

गर्मियों का मौसम आ चुका है। इस मौसम में बाहर निकलने पर बढ़ती धूप और गर्म हवा आपको परेशान कर देती है। इसके अलावा रोज की भागदौड़ भरी दिनचर्या लोगों को थका देती है। इसके बाद शरीर पर थकान हावी हो जाती है। इसके बाद कुछ भी करने का मन नहीं करता है। यदि आपको इस मौसम में तरोताजा रहना है तो मसाज एक अच्छा उपाय हो सकता है। मसाज लेने के बाद आप एक बार फिर से तन और मन से ताजगी महसूस करने लगते हैं।

मसाज के फायदे

- मसाज से मांसपेशियो की सिकुड़ने और फैलने की क्षमता में बढोत्तरी होती है। इसके अलावा मेटाबॉलिजम का कार्य सही से होने लगता है।
- मसाज से ब्लड सर्कुलेशन सुचारु रूप से काम करता है।
- मसाज करने से नींद अच्छी आती है। जिसके चलते आंखों की रोशनी बढ़ती है। और स्किन चमकदार बन जाती है।
- मसाज करने के दौरान लंबी-लंबी सांसें लेने से शरीर के अंदर मौजूद कई विकार बाहर निकल जाते हैं। इसके बाद शरीर में स्फूर्ति आ जाती है।
- मसाज रोज करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है।
- मसाज से रंग में निखार आता है और स्किन चमकदार बन जाती है।
- मसाज से मस्तिष्क में तरावट एवं मानसिक शक्ति का अनुभव होता है।
- मसाज के बाद स्किन के छिद्रों में तेल भरे रहने से जीवाणुओं शरीर के अंदर जाने का खतरा नहीं रहता है।

इनकी भी होती है मसाज

- माथे की मसाज
- गालों की मालिश
- ढुड्डी की मसाज
- गर्दन की मसाज

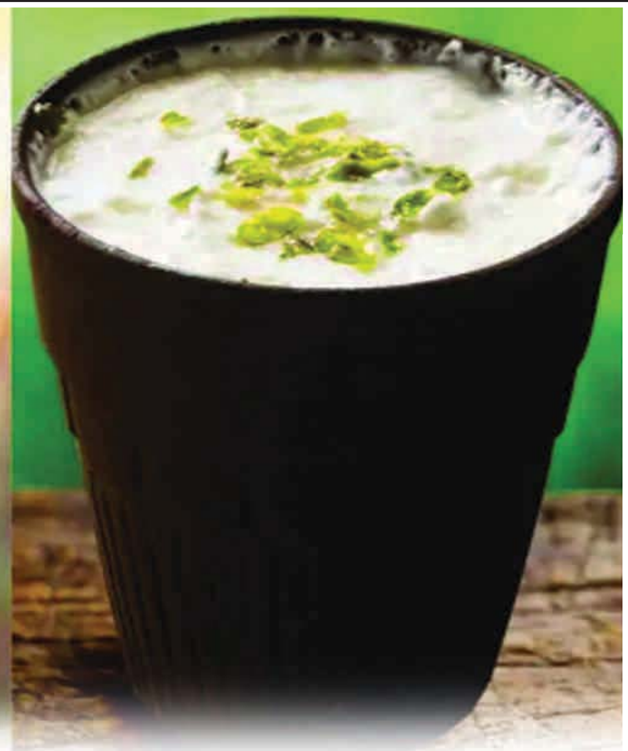

गर्मियों में खाएं ये चीजें चिलचिलाती गर्मी में भी शरीर रहेगा ठंडा

गर्मियों में तेज धूप, पसीना, गर्म हवाओं की वजह से शरीर में पानी की कमी यानी शरीर में डिहाइड्रेशन पैदा कर सकती है। इस मौसम में शरीर से सारे इलेक्ट्रोलाइट्स निकलने का खतरा होता है।

भारत में गर्मियों का मौसम जारी है और कई जगहों पर पारा 40 डिग्री को भी पार कर गया है। गर्मी की वजह से घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। भाषण गर्मी में पंखा और कूलर भी साथ नहीं दे रहे हैं। अगले कुछ हफ्तों में गर्मी का सितम और बढ़ेगा और ऐसा वक्त आ जाएगा जब एसी भी काम नहीं करेगी। जाहिर है गर्मी का शरीर पर सबसे ज्यादा बुरा प्रभाव पड़ता है।
गर्मियों में तेज धूप, पसीना, गर्म हवाओं की वजह से शरीर में पानी की कमी यानी शरीर में डिहाइड्रेशन पैदा कर सकती है। इस मौसम में शरीर से सारे इलेक्ट्रोलाइट्स निकलने का खतरा होता है। लंबे समय तक डिहाइड्रेशन की वजह से चक्कर आना, सिरदर्द, ऊर्जा की कमी, भ्रम और यहां तक कि बेहोशी जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। डाइट एक्सप्रेशन की फाउंडर और न्यूट्रिशनिस्ट पारुल के अनुसार, गर्मियों में डिहाइड्रेशन से बचने के लिए सिर्फ पानी काफी नहीं है। आपके खाने में कार्ब्स, विटामिन और मिनरल वाली चीजें भी उतनी ही जरूरी हैं। कुछ चीजें हैं जिनका गर्मियों में सेवन करने से शरीर को ठंडा रखा जा सकता है और किसी भी तरह की समस्या से बचा जा सकता है।

केला और अवोकेडो

इन दोनों फलों में कार्ब्स की मात्रा अधिक होती है। इसके अलाव यह फाइबर के अच्छे स्रोत हैं। यह दोनों इलेक्ट्रोलाइट का लेवल बनाए रखते हैं। इन दोनों का शरीर पर ठंडा प्रभाव पड़ता है।

लौकी परिवार की सब्जियां

गर्मियों के दिनों शरीर को ठंडा रखने के लिए आपको लौकी परिवार की सब्जियां जैसे लौकी, कद्दू, करेला, तुरई आदि का खूब सेवन करना चाहिए। इनमें पानी की मात्रा होने के साथ सभी जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं।

साब्जा सीडस

इन छोटे-छोटे बीजों में फाइबर और प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है। इसके अलावा यह ओमेगा-3 फैटी एसिड, पोटैशियम, विटामिन सी आदि का भी भंडार है। यह तत्व गर्मी को कम करते हैं और पेट को ठंडा रखते हैं।

खट्टे फल

जूस वाले खट्टे फल जैसे संतरे, नींबू, कीनू और मौसंबी आदि में जरूरी पोषक तव जैसे विटामिन ए, बी और सी पाया जाता है। यह शरीर में इलेक्ट्रोलाइट का लेवल बनाए रखते हैं।

दही

घर की बनी दही पोषक तत्वों का खजाना है और यह पेट के लिए एक नैचुरल प्रोबायोटिक है, जो शरीर को ठंडा रख सकती है। आप खाने में दही या इसका रायता बनाकर इस्तेमाल करें।

स्वाद के साथ सेहत की खान है आम

स्वाद के साथ फायदों की खान है आम। जी हां, आम को फलों का राजा माना जाता है। गर्मियां तो बिना आम के सेवन अधूरी है। आप कोई भी फल खा लें लेकिन आम को अपनी फ्रूट बास्केट में शामिल करना न भूलें। स्वाद के साथ आम खाने के कई फायदे हैं।

कैंसर से बचाव

आम में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट कोलोन कैंसर, ल्यूकेमिया और प्रोस्टेट कैंसर से बचाव में फायदेमंद है। इसमें क्यूर्सेटिन, एस्ट्रागालिन और फिसेटिन जैसे ऐसे कई तत्व होते हैं जो कैंसर से बचाव करने में मददगार होते हैं।

कोलेस्ट्रॉल नियमित रखने में

आम में फाइबर और विटामिन सी खूब होता है। इससे बैड कोलेस्ट्रॉल संतुलन बनाने में मदद मिलती है।

पाचन क्रिया को ठीक रखने में

आम में ऐसे कई एंजाइम्स होते हैं जो प्रोटीन को तोड़ने का काम करते हैं। इससे भोजन जल्दी पच जाता है। साथ ही इसमें उपस्थित साइर्टिक एसिड, टरटैरिक एसिड शरीर के भीतर क्षारीय तत्वों को संतुलित बनाए रखता है।

स्मरण शक्ति में मददगार

जिन लोगों को भूलने की बीमारी हो उन्हें आम का सेवन करना चाहिए। इसमें पाया जाने वाला ग्लूटामिन एसिड नामक एक तत्व स्मरण शक्ति को बढ़ाने में उत्प्रेरक की तरह काम करता है। साथ ही इससे रक्त कोशिकाएं भी सक्रिय होती हैं। इसीलिए गर्भवती महिलाओं को आम खाने की सलाह दी जाती है।

त्वचा के लिए है फायदेमंद

आम के गुदे का पैक लगाने या फिर उसे चेहरे पर मलने से चेहरे पर निखार आता है और विटामिन सी संक्रमण से भी बचाव करता है।

मोटापा कम करने में

मोटापा कम करने के लिए भी आम एक अच्छा उपाय है। आम की गुठली में मौजूद रेशे शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में बहुत फायदेमंद होते हैं। आम खाने के बाद भूख कम लगती है, जिससे ओवर ईटिंग का खतरा कम हो जाता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में

आम खाने से शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है।

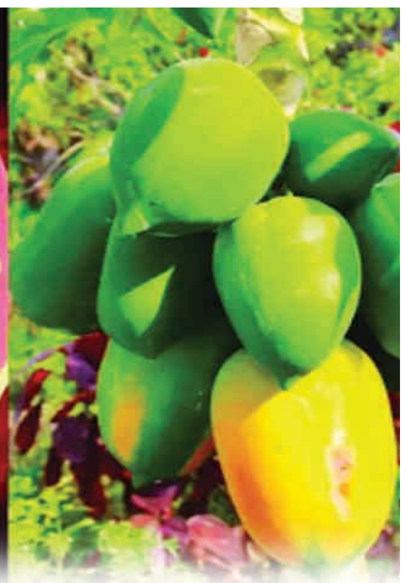

खून की नसों में चिपके जिद्दी कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकाल देंगे गर्मियों के ये 5 फल

आजकल सिर्फ व्यस्क ही नहीं बल्कि युवाओं को भी इसका सामना करना पड़ रहा है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि खराब खानपान और सुस्त जीवनशैली इसका सबसे बड़ा कारण हैं। कुछ खाद्य पदार्थ खून की नसों में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने का काम करते हैं। इनमें गर्मियों में मिलने वाले कुछ फल भी शामिल हैं।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ना आजकल की एक गंभीर और आम समस्या बन गई है। आजकल सिर्फ व्यस्क ही नहीं बल्कि युवाओं को भी इसका सामना करना पड़ रहा है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि खराब खानपान और सुस्त जीवनशैली इसका सबसे बड़ा कारण हैं। यह कोई आम समस्या नहीं है और इससे दिल से जुड़े रोगों, स्ट्रोक यानी दिमाग का दौरा और हार्ट अटैक जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारियों का खतरा है। कोलेस्ट्रॉल शरीर की हर कोशिका में पाया जाता है। यह शरीर के लिए जरूरी भी है लेकिन वो अच्छा कोलेस्ट्रॉल होता है। अच्छा कोलेस्ट्रॉल खाद्य पदार्थों का पाचन, हार्मोन का उत्पादन और अन्य कई काम करता है। यह सभी कचरे और विषाक्त पदार्थों को वापस लीवर में पहुंचाता है। लेकिन एक खराब कोलेस्ट्रॉल भी है, जो धमनियों की दीवारों पर पट्टिका की एक परत बनाता है, जिससे रक्त का प्रवाह मुश्किल हो जाता है, जो आगे चलकर हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट डिजीज और स्ट्रोक का कारण बन सकता है।
कुछ खाद्य पदार्थ खून की नसों में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने का काम करते हैं। इनमें गर्मियों में मिलने वाले कुछ फल भी शामिल हैं। चूंकि गर्मियों का मौसम जारी है, तो ऐसे में आपको इन सस्ते फलों का खून सेवन करना चाहिए जिससे शरीर से यह गंदा पदार्थ बाहर निकल सके और आपका ब्लड सर्कुलेशन बेहतर बना रहे।

पपीता

फाइबर से भरपूर पपीता हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। यह खराब कोलेस्ट्रॉल लेवल को भी कंट्रोल करता है। फाइबर पाचन को बेहतर बनाने में सहायक है और यह आंतों की भी सफाई करता है।

अंगूर

एनसीबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, अंगूर फाइबर का एक बेहतर स्रोत है। इस तरह अंगूर का नियमित सेवन कोलेस्ट्रॉल लेवल को नैचुरली कम करने में मदद करता है। अंगूर वजन को नियंत्रित करने में भी मदद करता है, जिसे हृदय रोगों के पीछे एक और कारण बताया जाता है।

खट्टे फल

गर्मियों में सभी तरह के खट्टे फल खाना दिल से जुड़ी बीमारियों को दूर करने में फायदेमंद साबित हो सकते हैं। आप अपने खाने में नींबू और संतरे जैसे खट्टे फल शामिल कर सकते हैं क्योंकि यह विटामिन सी से भरे होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को भी बढ़ाते हैं।

सेब

सेब एक ऐसा फल है, जो सिर्फ कोलेस्ट्रॉल ही नहीं बल्कि शरीर में जमा अन्य गंदे पदार्थों को भी कम कर सकता है. सभी हृदय रोगियों को अपने खाने में सेब को शामिल करना चाहिए क्योंकि यह कोलेस्ट्रॉल लेवल को नैचुरली कम करने में मदद करता है। सेब में फाइबर पेक्टिन की मौजूदगी कोलेस्ट्रॉल लाल को कम करने में मदद करती है।

स्ट्रॉबेरी

एनसीबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, मानव शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने के लिए स्ट्रॉबेरी एक बेहतर फ्रूट है। यह एंटीऑक्सिडेंट का बेहतर स्रोत है, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके अलावा यह विटामिन का भंडार है और इसमें कैलोरी बहुत कम होती है।

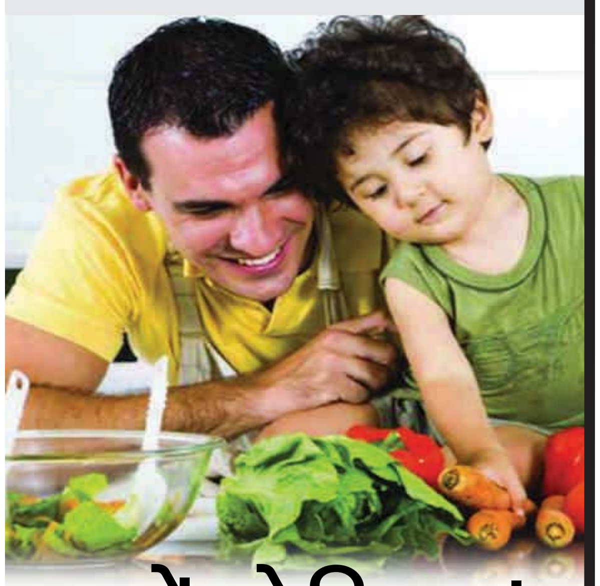

बच्चों को सिखाएं हेल्दी फूड हैबिट

बच्चों के बड़े होने पर उन्हें पोषण देने के लिए जरूरी है कि बचपन से ही उन्हें अच्छा पोषण दिया जाए। लेकिन उसके लिए सही शुरुआत करें और स्वस्थ खाना सिखाएं। बच्चे इन स्वस्थ आदतों को खुद अनुभव करके और दूसरों को देखकर सीखते हैं। बच्चों को अच्छी खाने की आदतें सिखाना शुरू करना कभी भी जल्दी नहीं होता है। इसके लिए आप नीचे दिए टिप्स भी अपना सकते हैं जिससे बच्चे सही समय पर स्वस्थ खाना सीखें जो उन्हें बड़े होने तक फायदा पहुंचाएगा।

सभी साथ बैठकर खाएं

एक परिवार के रूप में एक साथ खाना खानाज जरूरी है। बच्चों को सिखाएं कि सभी साथ बैठें। इससे बच्चों के सामने आप हर तरह की सब्जियां खाकर दिखाएंगे तो वो भी आपसे सीखेंगे। साथ ही उन्हें लोगों के सामने व्यवहार करना भी आएगा। इससे एक फायदा होगा कि बच्चा खाना खाते समय फोन या टीवी भी नहीं देखेगा।

बच्चों को चुनने दें

जरूरी नहीं जो हम खा रहे हों वो सभी चीजें बच्चे खाएं। बच्चों के लिए अलग से खाना न बनाएं लेकिन जो आप बना रहे हैं या बड़े खा रहे हैं वो सभी चीज बच्चों को जबरदस्ती न खिलाएं। बच्चों को खुद चुनने दें कि वो इन सबमें से क्या खाना चाहते हैं।

अपनी कोशिश जारी रखें

बच्चों को हेल्दी फूड हैबिट सिखाने में समय लग सकता है। ऐसे में अपनी कोशिश न छोड़ें। शुरुआत में बच्चे नखरे करेंगे लेकिन आपकी कोशिश जारी रही तो बच्चों की आदत भी बदलेगी। कभी-कभी बच्चों को यह चुनने दें कि खाने में क्या सब्जी बननी चाहिए। साथ ही उन्हें उसे बनाने में मदद के लिए कहें।

लालच देकर न खिलाएं

बच्चों को लालच देकर खाना खत्म करने को न कहें। बच्चों को डेजर्ट के लालच में खाना खाने को न कहें। कई माता-पिता इस बात पर जोर देते हैं कि अगर बच्चे पूरा खाना खाएंगे तो उन्हें मिठाई मिलेगी। ऐसा न करें। उन्हें भूख के अनुसार खाना सिखाएं।

CMYK

आईपीएल में आज होगा रॉयल्स और सनराइजर्स के बीच मुकाबला

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की टीम शनिवार को अपने घरेलू मैदान पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करने। इस मैच में दोनों ही टीमें जीत के लिए पूरा जोर लगा देंगी। राजस्थान को हालांकि घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा।

राजस्थान रॉयल्स की टीम में कप्तान रियान पराग के अलावा यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी जैसे बल्लेबाज हैं। टीम के पास रविंद्र जडेजा जैसा ऑलराउंडर है। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद टीम के पास कप्तान ईशान किशन के अलावा अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासेन जैसे आक्रामक बल्लेबाज , हैं। गेंदबाजी की बात करें तो रॉयल्स के पास जोफ्रा आर्चर और रवि बिश्नोई जैसे गेंदबाज वहीं सनराइजर्स के पास हर्ष दुबे, साकिब हुसैन जैसे गेंदबाज हैं।

सनराइजर्स की बल्लेबाजी की ताकत उनके शीर्ष क्रम में है, जहां ईशान और क्लासेन पहले ही कई मौकों पर आक्रामक प्रदर्शन कर चुके हैं। हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शतक लगाने वाले अभिषेक और हेड भी तेज शुरुआत देने की कोशिश करेंगे।

प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन दोनों ने रॉयल्स के खिलाफ अपने आईपीएल पदार्पण में चार-चार विकेट लिए, लेकिन सनराइजर्स की गेंदबाजी अपेक्षाकृत अनुभवहीन है। टीम कप्तान पैट कमिंस की अनुपस्थिति में संघर्ष कर रही है, हालांकि हाल के मैचों में कुछ सुधार देखने को मिला है।

जयपुर के इस मैदान पर अधिकतर मैच लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमें जीतती रही हैं ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी करना चाहेगी। अब तक दोनो बीच 22

मुकाबले हुए हैं जिसमें से राजस्थान रॉयल्स ने 9 जबकि सनराइजर्स हैदराबाद ने 13 मैच जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स = यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रियान पराग, शिमरोन हेटमायर, रविंद्र जडेजा, डोनोवन फरेरा, जोफ्रा आर्चर, नंद्रे बर्गर, बृजेश शर्मा, रवि बिश्नोई। इम्पैक्ट प्लेयर- शिवम दुबे।

सनराइजर्स हैदराबाद = ईशान किशन (कप्तान), हेनरिक अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, क्लासेन, साहिल अरोड़ा (विकेटकीपर), अनिकेत वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवांग कुमार, हर्ष दुबे, साकिब हुसैन प्रफुल्ल हिंगे। इम्पैक्ट प्लेयर: ईशान मलिंगा।

53 के हुए सचिन को मिली बधाईयां

-हजारों करोड़ की संपत्ति के हैं मालिक

मुम्बई (एजेंसी)। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर आज 53 साल के हो गये। इस अवसर पर उन्हें प्रशंसकों के साथ ही खेल जगत से भी बधाईयां मिल रही हैं। सचिन का क्रिकेट करियर इतना सुनहरा रहा है कि उनको क्रिकेट का भगवान तक कहा जाता है जिस प्रकार की लोकप्रियता उन्हें हासिल हुई है वैसी किसी अन्य क्रिकेटर को नहीं मिली है। अपने दो दशक से अधिक के क्रिकेट करियर में सचिन ने हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति भी अर्जित की है।

उन्होंने 16 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से करीब 40 साल की उम्र तक भारतीय क्रिकेट को सेवाएं दीं। इतना लंबा करियर भारत ही नहीं विश्व में किसी क्रिकेटर का नहीं रहा। सचिन ने अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक लगाने का ऐसा रिकार्ड बनाया, जिसे तोड़ना असंभव नजर आता है। 200 टेस्ट मैचों में 15921 रन और 463 वनडे मैचों में 18426 रन उनके नाम दर्ज हैं। वनडे में पहला दोहरा शतक लगाने का गौरव भी सचिन के ही नाम है।

सचिन का मुंबई के बांद्रा (वेस्ट) में पेरी क्रॉस रोड पर एक बेहद आलीशान बंगला है। लगभग 6000 स्क्वायर फीट में फैला यह तीन मंजिला घर करीब 80 से 100 करोड़ रुपए का है। इसके अलावा, उनका केरल में एक वॉटरफ्रंट बंगला और लंदन में भी संपत्ति है। इसके अलावा उनके पास करोड़ों रुपये की लक्जरी कारें भी हैं।

इसमें बीएमडब्ल्यू , फरारी ओर पोर्श जैसी गाड़ियां शामिल हैं।

उनकी ब्रांड वैल्यू रिटायरमेंट के इतने सालों बाद भी कम नहीं हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, उनकी कुल संपत्ति लगभग 1350 करोड़ से 1500 करोड़ रुपए के बीच है। रिटायरमेंट के बाद उनकी कमाई का मुख्य जरिया ब्रांड एंडोर्समेंट, विभिन्न व्यवसायों में निवेश और अन्य बिजनेस वेंचर हैं। सचिन आज भी अपोलो टायर्स, आईटीसी और ल्यूमिनस जैसे बड़े ब्रांड्स का चेहरा हैं। इसके अलावा वह उनका इंडियन सुपर लीग की टीम में और कई स्टार्टअप्स में भी निवेश है।

दिल्ली कैपिटल्स की ओर से एक मई के मैच में खेल सकते हैं स्टार्क

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क अब अपनी चोट से उबर गये हैं और सब कुछ ठीक रहा तो एक मई को होने वाले मैच में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से उतरेंगे। स्टार्क को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने आईपीएल में खेलने की अनुमति मिल गयी है। स्टार्क की वापसी से दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाजी बेहतर होगी। टीम का इस सत्र में मिला-जुला प्रदर्शन रहा है। ऐसे में उसके लिए स्टार्क का आना लाभदायक रहेगा। स्टार्क को बिग बैश लीग के दौरान कंधे और कोहनी में चोट लगी थी, जिसने उन्हें लंबे समय तक खेल से दूर रखा। हालांकि, अब वह पूरी तरह से फिट हो चुके हैं और सिडनी में कड़ी ट्रेनिंग के जरिए अपने वर्कलोड को धीरे-धीरे बढ़ा रहे हैं। उनकी फिटनेस पर लगातार नजर रखी जा रही थी और अब मेडिकल टीम ने उन्हें हरी झंडी दे दी है।

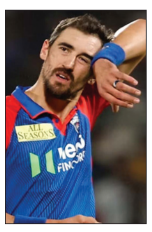

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मिचेल स्टार्क 25 अप्रैल तक दिल्ली पहुंचें सकते हैं। इसके बाद वह भारतीय हालातों के अनुरूप अपने को ढालने और टीम के साथ तालमेल बिठाने में कुछ समय लेंगे। ऐसे में वह 1 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले में चयन के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। यह मुकाबला टीम के लिए बेहद अहम होगा और स्टार्क की मौजूदगी निश्चित रूप से विरोधियों पर दबाव डालेगी।वह 25 अप्रैल को पंजाब किंग्स और 27 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ होने वाले मुकाबलों में नहीं खेल पाएंगे। उनकी वापसी के बाद टीम प्रबंधन को एक विदेशी खिलाड़ी को बाहर करना पड़ेगा। संभावना है कि टीम ओपनर पथुम निसांका को बाहर होना पड़े। जिससे ताकि स्टार्क को अंतिम एकादश में जगह मिल सके। हालांकि, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर और लुंगी एनगिडी में से किसी को बाहर किये जाने की संभावना नहीं है। पिछले सीज़न में मिचेल स्टार्क ने 11 मैचों में 14 विकेट हासिल किए थे, जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उनका 5 विकेट का शानदार प्रदर्शन भी शामिल था। हालांकि, उस सीज़न में उनका इकॉनमी रेट 10 से ज़्यादा रहा था, जो कि टी20 प्रारूप में थोड़ा चिंताजनक माना जाता है। इस सीज़न दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन अब तक मिला-जुला रहा है। टीम ने 6 मैचों में 3 जीत और 3 हार के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर है और उनका नेट रन रेट -0.821 है, जो उनकी प्लेऑफ की राह को मुश्किल बना सकता है।

आईपीएल में आज होगा पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स की टीम शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने घरेलू मैदान पर पंजाब किंग्स का मुकाबला करेगी। इस मैच में दिल्ली का प्रयास जहां जीत दर्ज कर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखना रहेगा। वहीं दूसरी ओर अंक तालिक में नंबर एक चल रही पंजाब किंग्स अपनी जीत के अभियान हो जारी रख प्लेऑफ की ओर कदम बढ़ाने उतरेगी। पंजाब ने अब तक अपने सभी मैच जीते हैं और वह 11 अंक लेक तालिक में नंबर एक स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर दिल्ली केवल तीन मैच जीतने के साथ ही छठे स्थान पर है। ऐसे में इस मैच में भी पंजाब जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। उसकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दिल्ली से काफी अच्छी रही है। करना होगा।

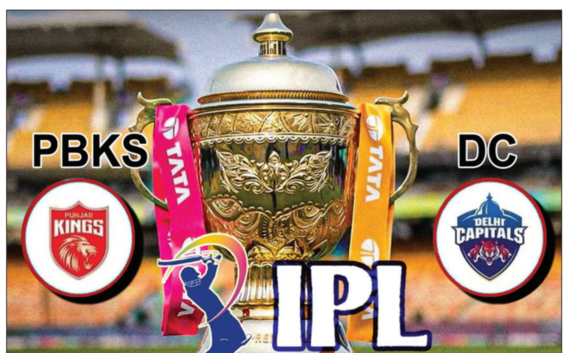

वहीं पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से हार के कारण दिल्लीका मनोबल भी गिरा हुआ है। अगर उसे जीत के साथ वापसी करनी है तो उसके सभी लिए खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

इस सत्र में दिल्ली की सबसे बड़ी कमजोर उसकी बल्लेबाजी रही है। उसकी ओर से केवल केएल राहुल, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स और समीर रिजवी ही अब तक रन बना पाये हैं। पूरी टीम एकजुट होकर प्रदर्शन करने में विफल रही है। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका भी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में असफल रहे हैं, जिससे मध्यक्रम पर दबाव बढ़ गया है। कप्तान अक्षर पटेल भी बल्लेबाजी और गेंदबाजी में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं उनकी रणनीति भी असफल रही है ।

उनके कुछ फैसले भी गलत साबित हुए हैं जो टीम की हार का कारण बन हैं। दिल्ली का क्षेत्ररक्षण भी भी खराब रहा है। जिससे भी उसे नुकसान हुआ है।

उसके लिए राहत की बात गेंदबाजी ठीक रहना है हालांकि पिछले कुछ समय से जिस प्रकार से पंजाब के बल्लेबाजों ने खेला है उसको देखते हुए उसके बल्लेबाजों को और अधिक बेहतर गेंदबाजी करनी होगी। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स टीम ने पिछले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ सात विकेट पर 254 रनों का इस सत्र का सबसे अधिक स्कोर बनाया था। ऐसे में उसे रोकना आसान नहीं लगता। श्रेयस सहित उसके उसके बल्लेबाजों ने इस सत्र में काफी रन बनाये है। इस मैच में हालांकि टीम को कूपर कोनोली की कमी खेलेगी। कूपर फिट नहीं होने के कारण इस मैच से बाहर रहेंगे। टीम के पास अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, मार्को यानसन, विजयकुमार वैशाक जैसे बेहतरीन गेंदबाज हैं।

वहीं आंकड़ों पर जायें तो दोनो के बीच 35 मुकाबले हुए है जिसमें से दोनो ने ही 17-17 मुकाबले जीते हैं वहीं एक मैच का परिणाम नहीं निकला।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, औकिब नबी डार, नीतीश राणा, टी. नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगिसानी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव।

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, पायला अविनाश, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), विष्णु विनोद (विकेटकीपर), नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, मिचेल ओवेन, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, प्रवीण दुबे, बेन ड्वारशुइस, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विशाल निशाद, विजयकुमार वैशाख, यश ठाकुर।

मैड्रिड ओपन : वालेजो ने दिमित्रोव को चौंकाया, सितसिपास बाल-बाल बचे

मैड्रिड ।पैराग्वे के क्वालिफायर अडोल्फो डेनियल वालेजो ने गुरुवार को मैड्रिड ओपन में अपने एटीपी मास्टर्स 1000 डेब्यू पर जीत हासिल की।उन्होंने पूर्व वर्ल्ड नंबर 3 ग्रिगोर दिमित्रोव को 6-4, 6-4 से हराकर दूसरे राउंड में जगह बनाई।21 साल के वालेजो मास्टर्स 1000 में मैच जीतने वाले पैराग्वे के सिर्फ दूसरे खिलाड़ी हैं। 1990 में इस सीरीज की शुरुआत के बाद से, वह रामोन डेलगाडो के बाद ऐसा करने वाले दूसरे खिलाड़ी बने हैं। वालेजो का अगला मुकाबला लर्नर टिएन से होगा।वालेजो ने जीत के बाद कहा, 'यह अविश्वसनीय है।यह किसी फिल्म जैसा लग रहा है।मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या हो रहा है।मैं (दिमित्रोव) को और उनके सभी हाइलाइट्स को देखा करता था।आज उन्होंने मेरे खिलाफ जितने भी पॉइंट्स बनाए, उन्हें मैं टीवी पर देखा करता था।अब उनके खिलाफ खेलना, 'वाह' । मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या हो रहा है, लेकिन मैं बस इसका मज़ा लेने की कोशिश कर रहा हूं।'

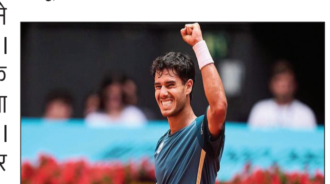

शुरुआती विकेट गंवाना बना हार का कारण : पांड्या

मुम्बई ।मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिली हार पर निराशा जतायी है।मुम्बई की ये लगातार पांचवीं हार है।इसके लिए पांड्या ने टीम की खराब बल्लेबाजी पर निराशा जतायी है।उनका कहना है कि पावरप्ले में ही शुरुआती विकेट गिरने से मुम्बई को नुकसान हुआ। सीएसके की जीत में संजू सैमसन के शतक के साथ ही स्पिनर अकील हुसैन की घातक गेंदबाजी की भी अहम भूमिका रही है।

सीएसके के हाथों मुम्बई को 103 रनों से बड़ी हार का सामना करना पड़ा है।इस जीत से जहां सीएसके छह अंक लेकर तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई है, वहीं मुंबई इंडियंस चार अंकों के साथ आठवें स्थान पर फिसल गई है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके ने सैमसन के नाबाद 101 रनों की पारी से 20 ओवर में 6 विकेट पर 207 रन बना दिये।इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियंस केवल 104 रन ही बना पायी।यह मुंबई इंडियंस की आईपीएल इतिहास में रनों के मामले में इतनी बड़ी हार है।पांड्या ने कहा, पावरप्ले में शुरुआती विकेट खोना टीम के लिए नुकसानदेह रहा।इससे टीम लक्ष्य का पीछा करते समय दबाव में आ गयी।उन्होंने माना है कि टीम की बल्लेबाजी उम्मीद के अनुसार नहीं रही।पांड्या ने आगे कहा, हमें बेहतर बल्लेबाजी करनी चाहिए थी।लक्ष्य का पीछा करने के लिए लय की आवश्यकता होती है पर हम उसे हासिल करने में विफल रहे।उन्होंने भविष्य की रणनीति पर बात करते हुए कहा, अब हमें कुछ दिनों का समय मिलेगा सोचने के लिए कि हम क्या बदलाव कर सकते हैं और कैसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं।

कोच जयवर्धने बोले, मुम्बई इंडियंस के पास अभी भी प्लेऑफ का अवसर

-बचे हुए मैचों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस क्रिकेट टीम के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने कहा है कि उनकी टीम के पास अभी भी प्लेऑफ में जाने का अवसर है, इसलिए टीम अगले सात मैचों के लिए पूरी योजना के साथ उतरेगी। मुम्बई की टीम को आईपीएल में सात में से पांच मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। कोच ने सूर्यकुमार यादव और कप्तान हार्दिक पंड्या जैसे प्रमुख खिलाड़ियों के अलावा टीम के कई सदस्यों के टी20 विश्व कप में खेलने को लेकर हुई थकान की आशंकाओं को खराब प्रदर्शन का कारण नहीं माना है। मुंबई इंडियंस की टीम में सूर्यकुमार और हार्दिक के अलावा जसप्रीत बुमराह और तिलक वर्मा भी आईसीसी टी20 विश्व कप खिताब विजेता टीम में शामिल थे। मुंबई इंडियंस को गुरुवार को चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ 103 रन की करारी हार का सामना करना पड़ा था।

कप्तान हार्दिक पांड्या ने छह मैचों में केवल तीन विकेट लिए हैं और 97 रन बनाए हैं, जबकि सूर्यकुमार ने यादव सात मैचों में 156 रन ही बनाये हैं। वहीं जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट और तिलक वर्मा ने 181 रन रन बनाये हैं। जयवर्धने ने मैच के बाद कहा, मौजूदा दौर में सभी खिलाड़ी पेशेवर हैं। विश्व कप खेलने वाले कई खिलाड़ी ब्रेक के बाद आईपीएल में लौटे हैं। मुझे नहीं लगता कि खिलाड़ी स्वयं भी थकान को कारण मानेंगे। साथ ही कहा कि हमें जीत केलिए लय और निरंतरता हासिल करनी है। यही हमारी सबसे बड़ी कमी रही है। गेंदबाजी में सुधार की जरूरत है, लेकिन बल्लेबाजी भी लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा, हमें वह संतुलन ढूंढना होगा जहां हम मुकाबला कर सकें। हम अगर अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलें तो हमारे पास अच्छा मौका है, लेकिन अगले सात मैचों के लिए आत्मविश्वास, एकाग्रता और अनुशासन जरूरी है।

पीएसएल में शुभंकर के बीच टकराव का तमाशा कराकर मजाक का पात्र बना पाकिस्तान

लाहौर ।पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2026 के मुकाबले खेले जा रहे हैं।इसी दौरान कुछ अलग करने के प्रयास में अपनी एक अजीब हरकत के कारण ये लीग मजाक का पात्र बनकर रही गयी है।यहां लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच खेले गए 35वें मैच से पहले दोनों टीमों के शुभंकर पस में टकरा गये गए।जिसको लेकर पाकिस्तान की हंसी उड़ रही है।गद्दाफी स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में टॉस के लिए जब दोनों टीमों के कप्तान शाहीन अफरीदी और डेविड वॉर्नर प्रजेंटर रमीज राजा के साथ मैदान पर आए, तो उनके साथ उनकी टीमों के शुभंकर भी थे।टॉस से ठीक पहले, कैमरे के सामने ही दोनों शुभंकर एक-दूसरे से टकरा गये और उनके बीच भिड़ंत का नाटक हुआ।ये सब मनोरंजन के लिए मजाकिया अंदाज में किया गया था पर इसे देखकर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेविड वॉर्नर और शाहीन अफरीदी हैरान हो गये।इसके बाद ये मालला तत्काल ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई और इसे लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आईं, जिसमें कई लोगों ने इसे पीएसएल की छवि के लिए खराब बताया।यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब पीएसएल पहले ही कई मुश्किलों का सामना कर रही है।लीग की बदहाली का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अधिकांश मैच खाली स्टेडियमों में खेले जा रहे हैं।इसके पीछे मुख्य वजह देश में गहराता आर्थिक संकट और ईंधन की कमी है।इसी कारण आयोजक प्रशंसकें का मनोरंजन करने के लिए अनोखे तरीके अपना रहे हैं।

बेथेल को लेकर कुक के बयान से सहमत नहीं पीटरसन

लंदन ।इंग्लैंड क्रिकेट के दो दिग्गज, पूर्व कप्तान एलिस्टर कुक और केविन पीटरसन युवा बल्लेबाज जैकब बेथेल के आईपीएल खेलने को लेकर आमने-सामने आ गये हैं। जहां कुक का मानना है कि बेथेल को आईपीएल छोड़कर काउंटी क्रिकेट खेलना चाहिये।वहीं पीटरसन इससे सहमत नहीं हैं उनका कहना है कि बेथेल को काउंटी से ज्यादा अनुभव और एक्सपोजर इस लीग में खेलने से अनुभव मिलेगा।ऐसे में उसे आईपीएल में ही बने रहना चाहिये।वहीं इससे पहले कुक ने कहा था कि आरसीबी टीम में शामिली बेथेल को आईपीएल में अबतक अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिल रही। ऐसे में उनका बैंच पर बैठे रहना अच्छा नहीं है। इससे बेहतर तो ये रहेगा कि वह इंग्लैंड लौटकर काउंटी में खेलें।कुक ने कहा, बेटेल आईपीएल में बैठा हुआ है और कुछ कर नहीं रहा, ऐसे में उसे काउंटी क्रिकेट खेलना चाहिए।उन्होंने कहा कि अगर बेथेल इंग्लैंड के लिए सलामी बल्लेबाज के रूप में जगह बनाना चाहते हैं, तो उन्हें लगातार प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलना होगा और वारविकशायर के लिए रन बनाकर अपनी क्षमता साबित करनी होगी। कुक के अनुसार, किसी भी क्रिकेटर के लिए मैच अभ्यास जरुरी है और इसे बिना खेले हासिल नहीं किया जा सकता है।बेथेल को इस सत्र में अब तक आरसीबी की अंतिम ग्यारह में मौका नहीं मिला है।टीम अपने विदेशी खिलाड़ियों के संयोजन में फिल साल्ट, जोश हेजलवुड, टिम डेविड और रोमारियो शेफर्ड जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ही उतर रही है।ऐसे में बेथेल लगातार बेंच पर बैठे हैं और उन्हें मैदान पर बल्लेबाजी करने का अवसर नहीं मिल पा रहा है।यही वजह है कि उनके बाहर बैठने पर सवाल उठाये जा रहे हैं।वहीं पीटरसन ने कहा कि कुक की बात गलत है।पीटरसन के अनुसार कुक को आईपीएल का कोई अनुभ नहीं है और उन्हें बिल्कुल भी अंदाजा नहीं है कि यहां क्या होता है।साथ ही कहा कि आईपीएल में विश्व के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना, उनसे सीखना और बड़े टूर्नामेंट के माहौल का अनुभव मिलत है जो किसी भी युवा खिलाड़ी के लिए महत्वपूर्ण है।उन्होंने कुक की बातों को खारिज करते हुए कहा है कि बेथेल आईपीएल में ही बने रहें।पीटरसन ने अपने बयान में जैकब बेथेल को सीधा संदेश दिया, ㊎जैकब, भारत में ही रहो।भले ही तुम खेल नहीं रहे हो पर तुम सीख रहे हो और इससे तुम बेहतर खिलाड़ी बनोगे।㊎ साथ ही कहा कि इस अनुभव का लाभ उन्हें भविष्य में मिलेगा।

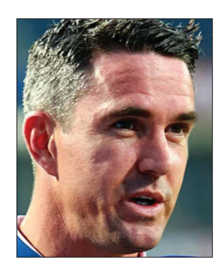

संजू सैमसन ने खोला राज, इस चीज ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ शतक बनाने के लिए प्रेरित किया

मुंबई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन ने बताया कि कट्टर प्रतिद्वंद्वी मुंबई इंडियंस के खिलाफ रन बनाने की ऊंची उम्मीदों और दबाव ने उन्हें अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन करने और वानखेड़े स्टेडियम में मैच जिताने वाला शतक बनाने के लिए प्रेरित किया। सैमसन की 54 गेंदों पर शानदार 101 रनों की पारी, जिसमें 10 चौके और छह छक्के शामिल थे, ने CSK को 207/6 के कुल स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में MI नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही और 19 ओवरों में सिर्फ 104 रनों पर ही ऑल आउट हो गई।

IPL द्वारा X पर जारी एक वीडियो में सैमसन ने कहा, 'IPL में यह एक बहुत बड़ा मौका होता है; हर कोई CSK और मेरे खेल पर नजर रखता है, और मैं पहली बार इसका हिस्सा बना हूं। इसलिए मैं माहौल को बनते हुए देख सकता था, मैं उस तीव्रता को महसूस कर सकता था और ठीक उसी समय मेरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी सामने आता है।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे चुनौतियां पसंद हैं, मुझे तब अच्छा लगता है जब हालात मुश्किल होते हैं। इसलिए मैंने आज के खेल का सचमुच आनंद लिया। मुझे लगता है कि विकेट वानखेड़े के सामान्य विकेट जैसा नहीं था; गेंद स्विंग हो रही थी और बुमराह नई गेंद से गेंदबाजी कर रहे थे। सच कहूं तो यह एक बहुत ही प्रतिस्पर्धी मुकाबला था। इसलिए मैं बहुत खुश हूं कि मैंने टीम की जीत में योगदान दिया और आज हमें जीत मिली।'

पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद CSK ने हर क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन किया। सैमसन ने 101 रनों की शानदार नाबाद पारी खेलकर टीम की अगुवाई की जबकि डेवाल्ड ब्रेविस (21) और कार्तिक शर्मा (18) जैसे खिलाड़ियों ने भी उपयोगी रन बनाकर योगदान दिया। जवाब में MI की शुरुआत ही खराब रही और अंततः वे 19 ओवरों में 104 रनों पर ऑल आउट हो गए। गेंदबाजी में अकील हुसैन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार विकेट चटकाए, जबकि नूर अहमद ने उन्हें अहम सहयोग दिया।

सैमसन के अनुसार हर खिलाड़ी के छोटे-छोटे योगदान ने भी इस मैच के परिणाम में बहुत बड़ा अंतर पैदा किया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि टीम में जितने युवा खिलाड़ी हैं, मैं निश्चित रूप से उन सभी खिलाड़ियों को श्रेय देना चाहूंगा जिन्होंने योगदान दिया है। बात सिर्फ 100 रन या 4 विकेट की नहीं है, मुझे लगता है कि बल्लेबाजों और गेंदबाजों के छोटे-छोटे योगदान भी इस बड़े मैच में बहुत मायने रखते हैं। इसलिए इस जीत से मैं बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि हम इस लय को बनाए रखना चाहेंगे और अगले मैच में भी सकारात्मक सोच के साथ उतरेंगे।'

इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने उस भावना के बारे में भी बताया जब वह शतक के करीब पहुंचे थे और आखिरी ओवर से पहले अकील हुसैन के साथ हुई बातचीत का भी खुलासा किया। उस ओवर में सैमसन ने सभी गेंदों का सामना किया और कृष्ण भगत के खिलाफ 16 रन बनाकर इस सीजन का अपना दूसरा शतक पूरा किया। उन्होंने कहा, 'जब आप अपने शतक के करीब पहुंचते हैं, तो आप निश्चित रूप से शतक बनाना चाहते हैं। लेकिन मैंने हमेशा टीम को प्राथमिकता देने की कोशिश की है। मुझे लगता है कि मेरी शुरुआत बहुत अच्छी रही। आम तौर पर विकेट पर जमने के बाद मैं थोड़ा और आक्रामक खेलना पसंद करता हूं, लेकिन विकेट लगातार गिर रहे थे। इसलिए मैं साझेदारी बनाना चाहता था और आखिर तक क्रीज पर टिके रहना चाहता था।'

उन्होंने आगे कहा, 'तो किस्मत से मुझे एक बड़ा ओवर मिला और मैं शतक के करीब पहुंच गया। उस ओवर से पहले मेरी और अकील की बातचीत हुई थी कि मैं उस ओवर की सभी छह गेंदों का सामना करना चाहूंगा। मुझे लगता है कि हम वहां से ज्यादा से ज्यादा रन बटोरना चाह रहे थे और अकील को भी ऐसा ही लगा। इसलिए मैं बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि शतक बनाना हमेशा ही बहुत खास एहसास होता है और जब यह MI के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में बने, तो यह और भी ज्यादा खास एहसास होता है।'

ऑस्ट्रेलिया पहुंचकर इलाज कर रहे कॉनोली

चंडीगढ ।आईपीएल अंक तालिका में नंबर एक पर चल रही पंजाब किंग्स को बड़ा झटका लगा है।उसके बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के कूपर कॉनोली चोटिल हो गये हैं।कूपर कॉनोली पीठ की चोट के कारण टूर्नामेंट बीच में ही छोड़कर स्वदेश लौट गए हैं। कॉनोली ने खुद सोशल मीडिया के माध्यम से अपने प्रशंसकों को इस खबर की पुष्टि की।उन्होंने बताया कि वह ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुके हैं और अपनी चोट का प्रबंधन कर रहे हैं पर साथ ही कहा कि जैसे ही वह फिट होने पंजाब की टीम से जुड़ जाएंगे।कॉनोली ने इस सत्र में जबरदस्त प्रदर्शन किया है।जिससे उनकी कमी टीम को खलेगी।

कॉनोली ने अपनी आक्रामक शैली और मैच जिताने की क्षमता का प्रदर्शन किया। पंजाब किंग्स के लिए, कॉनोली इस सीजन के सबसे बड़े मैच विजेताओं में से एक बनकर उभरे थे। उन्होंने कई महत्वपूर्ण पारियां खेलीं, जिसमें गुजरात टाइटन्स के खिलाफ नाबाद 72 रन की पारी रही है, जिसने टीम को एक कठिन लक्ष्य का पीछा करने में मदद की।इसके अतिरिक्त, लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ उनकी 87 रन की तेज पारी ने भी टीम को दबाव की स्थिति से निकालकर जीत दिलायी।पंजाब किंग्स ने मौजूदा सीजन में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है।उन्होंने 6 में से 5 मुकाबले जीते हैं और आत्मविश्वास से लबरेज होकर अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज हैं।कॉनोली जैसे प्रभावशाली ऑलराउंडर की अनुपस्थिति निश्चित रूप से टीम के संतुलन और रणनीति पर असर डालेगी।उनकी धमाकेदार बल्लेबाजी की कमी टीम को मध्य क्रम में महसूस हो सकती है, और उनकी जगह भरना कप्तान और टीम प्रबंधन के लिए एक बड़ी चुनौती होगी।टीम को अब ऐसे खिलाड़ी की तलाश होगी जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और जरूरत पड़ने पर गेंदबाजी की भूमिका को कुछ हद तक पूरा कर सके।

गर्मी के मौसम के लिए मुनमुन दत्ता ने साझा किए देसी ड्रिंक

छोटे परदे की लोकप्रिय अभिनेत्री मुनमुन दत्ता ने अपने समर मॉर्निंग रूटीन की एक झलक सोशल मीडिया पर साझा की है। यह पोस्ट उनके फैंस को बेहद पसंद आ रही है। मुनमुन दत्ता ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए यह बताया है कि वह अपनी सुबह की शुरुआत किस तरह से करती हैं ताकि गर्मियों में भी तरोताजा और स्वस्थ रह सकें। तारक मेहता का उल्टा चश्मा सीरियल में बबीता जी के किरदार से घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाली अभिनेत्री ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो और कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें उनके हेल्दी नाश्ते और पेय पदार्थों की स्पष्ट झलक देखने को मिल रही है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, मैंने सुबह के लिए एक ऐसी ड्रिंक तैयार की है, जो पेट की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है और शरीर को अंदर से मजबूत बनाती है। यह कैप्शन ही उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और आयुर्वेदिक सिद्धांतों में उनके विश्वास को दर्शाता है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि मुनमुन दत्ता छाछ से एक विशेष पेय बना रही हैं, जिसे वह पेट की सेहत के लिए बेहद बेहतरीन ड्रिंक मानती हैं। इसे तैयार करते समय उन्होंने उसमें बारीक कटा हुआ प्याज, ताजा हरा धनिया और अन्य कई स्वास्थ्यवर्धक चीजों को मिलाया, जिससे इसका स्वाद और पौष्टिकता दोनों बढ़ जाती है। छाछ, जिसे दही से बनाया जाता है, पारंपरिक रूप से गर्मियों में शरीर को ठंडक देने और पाचन को सुधारने के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसके अलावा, मुनमुन ने एक और तस्वीर के माध्यम से एक और खास देसी ड्रिंक के बारे में जानकारी दी, जिसे रागी अंबली कहा जाता है। उन्होंने कैप्शन में बताया, यह देसी पेय पाचन को बेहतर बनाता है। साथ ही, यह गर्मियों में शरीर को ठंडक पहुंचाने का भी काम करता है। यह शरीर को हल्का महसूस कराता है और ऊर्जा का स्तर बनाए रखता है। रागी अंबली, जो रागी के आटे से बनता है, दक्षिण भारत में एक लोकप्रिय और पौष्टिक पेय है, जो फाइबर और कैल्शियम से भरपूर होता है। मुनमुन दत्ता अपनी फिटनेस और हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए जानी जाती हैं। वह अक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर व्यायाम, योग और स्वस्थ खानपान से जुड़े वीडियो और तस्वीरें साझा करती रहती हैं। उनका दृढ़ता से मानना है कि फिट और स्वस्थ रहने के लिए नियमित व्यायाम के साथ-साथ सही और संतुलित खानपान भी उतना ही आवश्यक है।

एक समय खुद को बेहद अकेला महसूस करने लगी थीं मालविका

हाल ही में साउथ की मशहूर अभिनेत्री मालविका मोहनन ने बताया कि एक वक्त ऐसा आया था, जब वह अंदर से पूरी तरह टूट गई थीं। अभिनेत्री ने अपने फैंस के साथ दिल की बात साझा की। मालविका ने खुलासा किया कि परिवार और अपने करीबियों से दूर रहने की वजह से वह खुद को बेहद अकेला महसूस करने लगी थीं। यह खुलासा मालविका मोहनन ने इंस्टाग्राम पर अपने फैंस के साथ आयोजित किए गए आस्क मी एनीथिंग सेशन के दौरान किया। इस सत्र के दौरान एक प्रशंसक ने उनसे पूछा कि वह आखिरी बार कब रोई थीं? इस सवाल का जवाब देते हुए मालविका ने बेहद ईमानदारी से अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया, पिछले महीने में काम के सिलसिले में चेन्नई में थी। मुझे वहां काफी लंबे समय तक रुकना पड़ा। मेरी टीम बहुत अच्छी थी और काम भी सुचारु रूप से चल रहा था, लेकिन लंबे समय तक घर और परिवार से दूर रहने के कारण मैं धीरे-धीरे अकेलापन महसूस करने लगी थी। मालविका ने अपनी भावनाओं को विस्तार से बताते हुए कहा, दिनभर शूटिंग और काम में व्यस्त रहने के बाद, जब मैं रात को अपने होटल के कमरे में लौटती थी, तो वहां मुझसे बात करने वाला कोई नहीं होता था। यह बात मुझे अंदर ही अंदर परेशान करने लगी थी। मैं मानसिक रूप से काफी उदास थी और लगातार अकेले रहने का गहरा असर मेरे मन पर पड़ने लगा था, जिसकी वजह से मुझे रोना आता था।

उनका यह अनुभव दिखाता है कि किस तरह बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री के सितारों को भी आम इंसानों की तरह भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, भले ही उनकी जिंदगी बाहर से कितनी भी चकाचौंध भरी क्यों न लगे। अपने निजी अनुभवों को साझा करने के साथ-साथ मालविका ने अपने आने वाले प्रोफेशनल प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बात की, जो उनके जीवन में आगे बढ़ने का एक संकेत है। उन्होंने बताया कि वह इस समय अभिनेता विजय सेतुपति के साथ एक तमिल फिल्म में काम कर रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन प्रतिभाशाली त्यागराजन कुमार राजा कर रहे हैं, जिनकी तारीफ करते हुए मालविका ने कहा कि वह सबसे बेहतरीन फिल्म निर्माताओं में से एक हैं। मालविका ने यह भी बताया कि इस फिल्म का नाम पॉकेट नॉवेल है और यह इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। उन्होंने कहा, इस प्रोजेक्ट को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं और उम्मीद करती हूं कि दर्शकों को यह फिल्म जरूर पसंद आएगी। इस फिल्म पर काम करना मेरे लिए एक खास अनुभव रहा है।

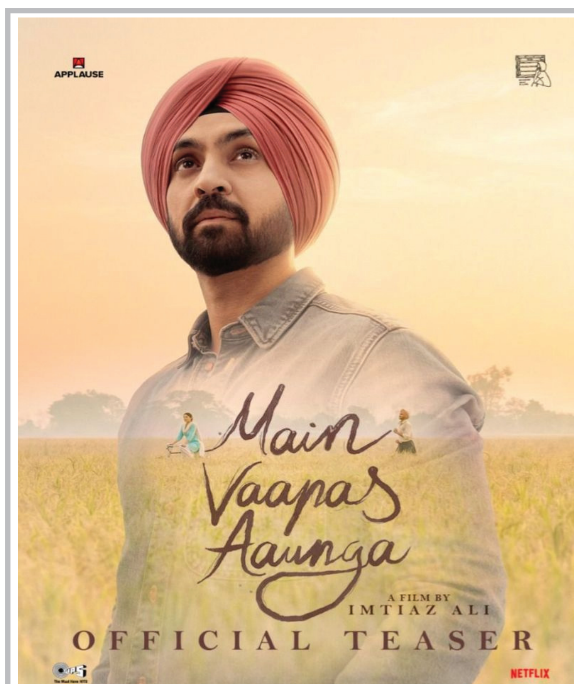

जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी में इम्तियाज अली की मैं वापस आऊंगा

मशहूर फिल्ममेकर इम्तियाज अली अपनी आगामी रोमांटिक पीरियड ड्रामा मैं वापस आऊंगा को जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी में हैं। यह फिल्म 1947 के भारत-पाकिस्तान विभाजन की हृदय विदारक पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें प्यार, यादें और घर वापसी की एक मार्मिक कहानी को खूबसूरती से दिखाया जाएगा। हाल ही में, इम्तियाज अली ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पटियाला में फिल्म की टीम के साथ एक खूबसूरत सूर्यास्त का आनंद लेते हुए एक तस्वीर पोस्ट की। इस तस्वीर में वे घर पर आराम से बैठे नजर आ रहे हैं, और उनके साथ अभिनेता वेदांग रैना, अभिनेत्री शरवरी सहित कई कलाकार मौजूद हैं। सभी लोग किसी मजेदार बातचीत में व्यस्त दिखाई दे रहे हैं, जिससे लगता है कि शूटिंग के दौरान का माहौल काफी खुशगवार और दोस्ताना रहा होगा। इम्तियाज अली ने अपनी इस पोस्ट के जरिए शूटिंग के उन यादगार पलों को फिर से ताजा किया, खासकर पटियाला के उस सुंदर सूर्यास्त को जो अब भी उनकी यादों में तरोताजा है। इस तस्वीर को साझा करते हुए इम्तियाज अली ने लिखा, शूटिंग की यादें, पटियाला में सुनहरे सूर्यास्त शरवरी और वेदांग रैना के साथ। फिल्म का नया गाना क्या कमाल है भी हाल ही में रिलीज हुआ है। मेकर्स ने दर्शकों में फिल्म के प्रति उत्सुकता जगाने के लिए पहले गाने का ऑडियो जारी किया था, और कुछ दिनों बाद ही इसका वीडियो भी रिलीज कर दिया। दर्शकों ने ऑडियो और वीडियो दोनों को ही बेहद पसंद किया है। इस गाने के जरिए निर्देशक इम्तियाज अली, संगीतकार एआर रहमान और गीतकार इरशाद कामिल की एक बार फिर से सफल तिकड़ी वापसी हुई है, जिन्होंने अतीत में कई यादगार गाने दिए हैं। इस खास गाने को दिलजीत दोसांझ ने अपनी भावपूर्ण आवाज दी है, जबकि इसका संगीत एआर रहमान ने तैयार किया है और इरशाद कामिल ने इसके दिल को छू लेने वाले बोल लिखे हैं। फिल्म मैं वापस आऊंगा में दिलजीत दोसांझ, नसीरुद्दीन शाह, शरवरी और वेदांग रैना जैसे प्रतिभाशाली कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का संगीत एआर रहमान दे रहे हैं, जो इसकी भावनात्मक गहराई को और बढ़ाएगा। यह फिल्म विभाजन के दर्द और व्यक्तियों के बीच रिश्तों की गहराई को छूती हुई एक शक्तिशाली रोमांटिक कहानी पेश करेगी। इम्तियाज अली अपनी भावुक और यादगार फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, और उम्मीद है कि यह फिल्म भी उनकी इसी पहचान को बरकरार रखेगी। यह फिल्म 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

आमिर ने नए दौर के स्टार्स की आदतों पर जताई नाराजगी

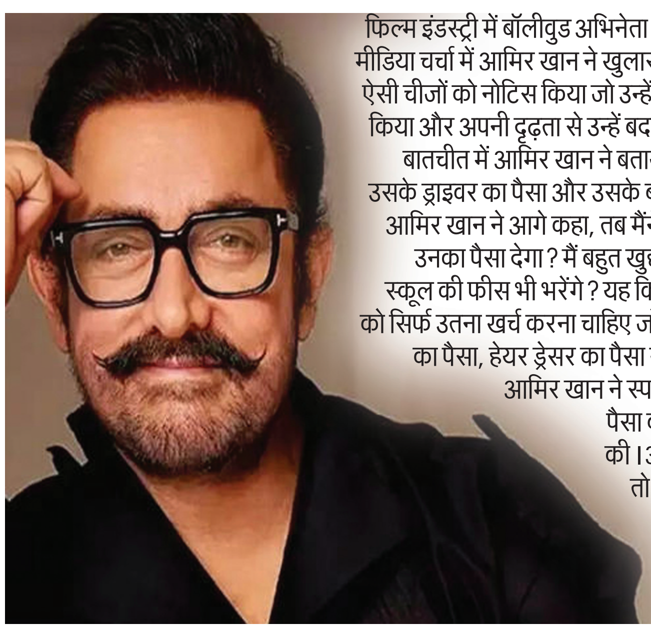

फिल्म इंडस्ट्री में बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान ने कुछ चीजों को अपनी दूरदर्शिता और सिद्धांतों के दम पर बदला है। मीडिया चर्चा में आमिर खान ने खुलासा किया था कि जब वह नए-नए भारतीय सिनेमा जगत में आए थे, तो उन्होंने कुछ ऐसी चीजों को नोटिस किया जो उन्हें बेहद अजीब और अनुचित लगीं। आमिर खान ने इन चीजों को बदलने का फैसला किया और अपनी दृढ़ता से उन्हें बदलकर ही दम लिया, जिससे बॉलीवुड में एक नया मानक स्थापित हुआ। मीडिया से बातचीत में आमिर खान ने बताया, जब मैं इंडस्ट्री में आया था, तब एक सिस्टम था कि जब कोई स्टार आता है, तो उसके ड्राइवर का पैसा और उसके बॉय (पर्सनल असिस्टेंट) का पैसा प्रोड्यूसर देता है। इस प्रथा पर सवाल उठाते हुए आमिर खान ने आगे कहा, तब मैंने सोचा कि यार, बॉय और ड्राइवर तो मेरे लिए काम करते हैं ना। तो प्रोड्यूसर क्यों उनका पैसा देगा? मैं बहुत खुद्दार आदमी हूं, मुझे नहीं चाहिए कि आप मेरे पैसे दें। कल को क्या आप मेरे बच्चे के स्कूल की फीस भी भरेंगे? यह किसी हद पर जाकर तो रुकना चाहिए ना। आमिर खान का मानना था कि प्रोड्यूसर को सिर्फ उतना खर्च करना चाहिए जो फिल्म के निर्माण पर आधारित है। उन्होंने सुझाया कि प्रोड्यूसर को मेकअप मैन का पैसा, हेयर ड्रेसर का पैसा या कॉस्ट्यूम वाले का पैसा देना चाहिए, क्योंकि ये सब सीधे फिल्म से जुड़े होते हैं। आमिर खान ने स्पष्ट रूप से कहा कि उन्हें यह पसंद नहीं था कि प्रोड्यूसर उनके बॉय और ड्राइवर का पैसा क्यों देंगे। उन्होंने नए दौर के स्टार्स की कुछ आदतों पर अपनी नाराजगी भी जाहिर की। आमिर खान ने कहा, जब आप एक हद से ज्यादा प्रोड्यूसर को तंग करने लगते हो, तो वह गलत है। जब मैं सुनता हूं कि आपकी जरूरतों और फरमाइशों की लिस्ट जब बहुत लंबी होती चली जाती है, तो मुझे बहुत तकलीफ होती है। सुपरस्टार ने बताया कि उनके बॉय और ड्राइवर उनके लिए काम करते हैं और इसलिए वह उन्हें खुद पैसा देंगे।

समीरा रेड्डी का आखिरी सवाल से कमबैक

संजय दत्त की आगामी फिल्म 'आखिरी सवाल' इस साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बन गई है, जिसकी दर्शक बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे हैं। हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर इसका टीजर जारी किया गया, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के इतिहास की एक ऐसी झलक दिखाई गई है, जिसे पहले कभी इस अंदाज में नहीं देखा गया था। यह टीजर दर्शकों के बीच गहरी उत्सुकता जगा रहा है और उन्हें एक नई कहानी से जोड़ने का वादा करता है। इस फिल्म के जरिए लंबे अंतराल के बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहीं अभिनेत्री समीरा रेड्डी ने अपने किरदार और फिल्म के चुनाव को अपने करियर का सबसे बड़ा और निडर फैसला बताया है। उन्होंने कहा, मैंने फिल्मों में वापसी सिर्फ सुरक्षित भूमिकाएं निभाने के लिए नहीं की है, और 'आखिरी सवाल' बिल्कुल भी आसान फिल्म नहीं है। समीरा ने आगे बताया, आरएसएस को लेकर मेरी समझ पहले सीमित थी, लेकिन जब मैंने इसकी स्क्रिप्ट पढ़ी तो महसूस हुआ कि कई बातें वैसी नहीं हैं जैसी दिखती हैं।

मेरे लिए दोस्त ही सबसे बड़ी ताकत और खुशी है: मनीषा कोइराला

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री मनीषा कोइराला आज भी भारतीय सिनेमा और अन्य मंचों पर सक्रिय हैं। दिल से, मन और गुप्त जैसी कई फिल्मों में अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री को हाल ही में संजय लीला भंसाली की भव्य पीरियड ड्रामा हीरामंडी- द डायमंड बाजार में देखा गया। मनीषा कोइराला अक्सर कला और संस्कृति से जुड़े अपने अनुभवों को साझा करती रही हैं। हाल ही में उन्होंने नेपाल के एक प्रतिष्ठित म्यूजियम का दौरा किया, जहां उन्होंने अपने देश नेपाल की समृद्ध संस्कृति और अद्भुत कला से रूबरू होने का अवसर पाया। मनीषा कोइराला ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें वह अपने दोस्तों के साथ खुशी के पल बिताती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि उनके लिए उनके दोस्त ही सबसे बड़ी ताकत और खुशी की कुंजी हैं। इस व्यक्तिगत पोस्ट के अलावा, अभिनेत्री ने नेपाल म्यूजियम की कुछ अद्भुत तस्वीरें भी साझा की हैं, जिनमें बौद्ध और हिंदू धर्म की कलात्मक झलक एक साथ देखने को मिल रही है। इन तस्वीरों में एक तरफ भगवान शिव के नटराज अवतार की भव्य पेंटिंग दिखाई देती है, तो दूसरी तरफ बौद्ध संस्कृति को दर्शाती शांतिपूर्ण और गहन कलाकृतियां हैं। एक पेंटिंग में अलग-अलग भाषाओं में कई प्राचीन मंत्र लिखे हुए हैं, जबकि कुछ पेंटिंग मां काली के रौद्र और शक्तिशाली रूप को अत्यंत कलात्मक ढंग से प्रदर्शित करती हैं। इन प्यारी और कलात्मक तस्वीरों को साझा करते हुए मनीषा ने लिखा, मुझे कुछ अद्भुत कलाकारों और मेरे दोस्तों का काम नेपाली कला संग्रहालय में देखने का मौका मिला। थंका और पौभा, जो समृद्ध नेवारी कला परंपराओं के प्रतीक हैं, उनके प्रति मेरा प्रेम समय के साथ और गहरा होता जा रहा है। हर कलाकृति में ऐसी भक्ति, इतिहास और आत्मा समाई हुई है। इसे देखना और इसके बारे में सीखना सचमुच एक विशेष और प्रेरणादायक अनुभव था। अभिनेत्री ने अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि संग्रहालय में प्रदर्शित हर कलाकृति को इतने प्यार और बारीकी से तैयार किया गया था कि वे बिल्कुल जीवंत लगती थीं। उन्होंने महसूस किया कि हर प्रतिमा और पेंटिंग से कुछ न कुछ नया सीखने को मिल रहा है, जो उनके मन को शांति और प्रेरणा प्रदान कर रहा था। मनीषा ने इस बात का भी खुलासा किया कि उनकी भाभी भी काफी सालों से नेपाल में रहकर एक आर्ट एकेडमी चला रही हैं। उन्होंने कहा कि, किसी भी विदेशी महिला के लिए इस तरह की संस्था को बिल्कुल शुरुआत से शुरू करना आसान नहीं होता, लेकिन उनकी भाभी ने अपनी लगन और मेहनत से इसे संभव कर दिखाया है। मनीषा ने गर्व से बताया कि आज उनकी भाभी की दृढ़ता और परिश्रम की बदौलत ही इस संस्था ने कला जगत में एक मजबूत और सम्मानित नाम कमाया है, जो नेपाल की कला और संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

सुभाष घई ने की राजा शिवाजी की दिल खोलकर तारीफ

हाल ही में अपनी घोषणा के बाद से चर्चा में रही फिल्म राजा शिवाजी अब एक नए स्तर पर पहुंच गई है। अभिनेता-निर्देशक रितेश देशमुख के निर्देशन में बनी फिल्म राजा शिवाजी मराठा साम्राज्य के संस्थापक, छत्रपति शिवाजी महाराज के असाधारण जीवन पर आधारित है। फिल्म के ट्रेलर और पोस्टर सामने आने के बाद से ही दर्शकों में इसे लेकर अपार उत्साह देखा जा रहा है, और अब इस उत्साह को दिग्गज फिल्ममेकर सुभाष घई की प्रतिक्रिया ने और बढ़ा दिया है। फिल्म राजा शिवाजी का पोस्टर अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर साझा करते हुए, भारतीय सिनेमा के इस अनुभवी निर्माता-निर्देशक ने फिल्म की दिल खोलकर तारीफ की। उन्होंने फिल्म के ट्रेलर को बेहद दमदार बताते हुए भविष्यवाणी की कि यह दर्शकों को एक अनूठा और जादुई सिनेमाई अनुभव प्रदान करेगी। अपने पोस्ट में सुभाष घई ने लिखा, सोचिए, जब ट्रेलर ही इतना रॉकिंग है, तो फिल्म कैसी होगी। थिएटर में फिल्म देखने का अनुभव और भी खास और जादुई होने वाला है।

यह फिल्म दर्शकों को एक अलग ही स्तर का सिनेमाई अनुभव देने वाली है। उनकी यह टिप्पणी फिल्म के प्रति बढ़ती उम्मीदों को और बल देती है, खासकर जब यह एक ऐसे मास्टर फिल्ममेकर से आई हो, जिन्होंने भारतीय सिनेमा को कई कालजयी फिल्में दी हैं। सुभाष घई ने रितेश देशमुख के इस प्रोजेक्ट के प्रति जुनून और कड़ी मेहनत की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि रितेश ने न केवल अभिनय के मोर्चे पर बल्कि कहानी लेखन और निर्देशन के क्षेत्र में भी शानदार काम किया है। उनके अनुसार, फिल्म में देशभक्ति की भावना साफ नजर आती है, जो दर्शकों के दिलों को छू लेगी। घई ने विश्वास व्यक्त किया कि यह फिल्म न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर सफल होगी, बल्कि दर्शकों के बीच एक स्थायी छाप भी छोड़ेगी।

उन्होंने फिल्म में शामिल अन्य कलाकारों, विशेष रूप से संजय दत्त और अभिषेक बच्चन के योगदान को भी सराहा, यह मानते हुए कि इन अनुभवी सितारों ने रितेश के दृष्टिकोण को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे फिल्म की गुणवत्ता और प्रभाव कई गुना बढ़ गया है। राजा शिवाजी फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन के संघर्ष, साहस और असाधारण नेतृत्व को बड़े परदे पर उतारने का एक महत्वाकांक्षी प्रयास है। यह सिर्फ इतिहास की एक कहानी नहीं है, बल्कि प्रेरणा और देशभक्ति का एक गहरा संदेश भी देती है। फिल्म में रितेश देशमुख स्वयं मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, जिनके साथ संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, भाग्यश्री, फरदीन खान, जितेंद्र जोशी, अमोल गुप्ते और जेनेलिया देशमुख जैसे प्रतिभाशाली कलाकारों का एक विशाल समूह है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (शनिवार)
25 अप्रैल 2026

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में प्रदर्शन के दौरान अधिकारी पर हमला करने का आरोप

कोलोराडो , एजेंसी। अमेरिका के कोलोराडो में एक इमिग्रेशन अधिकारी पर एक महिला प्रदर्शनकारी के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है। अधिकारी पर तीसरे दर्जे के हमले और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया है। घटना तब हुई जब लोग एक आईसीई केंद्र के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। महिला ने आरोप लगाया कि अधिकारी ने उसे पकड़कर गला दबाया और सड़क के दूसरी ओर फेंक दिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिससे मामला और गंभीर हो गया है। इस मामले की जांच कोलोराडो जांच ब्यूरो कर रही है। पुलिस ने इसे गंभीर मामला बताया है और आगे की कार्रवाई जारी है। यह घटना अमेरिका में पुलिस और जनता के बीच बढ़ते तनाव को भी दिखाती है।

श्रीलंका : अवैध रूप से रह रहे एक भारतीय समेत 51 विदेशी गिरफ्तार

नेगोम्बो, एजेंसी। श्रीलंका के नेगोम्बो शहर में वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी अवैध रूप से रह रहे 50 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक भारतीय नागरिक भी शामिल है। आव्रजन और आप्रवासन विभाग ने मंगलवार को एक आवास पर छापा मारकर यह कार्रवाई की। गिरफ्तार किए गए लोगों में 47 चीनी, 2 मलयेशियाई और एक भारतीय नागरिक है। अधिकारियों के अनुसार ये सभी व्यापार वीजा पर श्रीलंका आए थे।

इंडोनेशिया : 16 वर्ष से कम के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर रोक

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया की संचार मंत्री मेउत्या हाफिद ने बुधवार को बताया कि वीडियो प्लेटफॉर्म यूट्यूब ने बच्चों के लिए लागू सोशल मीडिया प्रतिबंधों का पालन करने पर सहमति दे दी है। गूगल के स्वामित्व वाले यूट्यूब ने इस संबंध में अनुपालन पत्र सौंप दिया है। नए नियमों के तहत, इंडोनेशिया ने उच्च जोखिम वाले प्लेटफार्मों को 16 साल से कम उम्र के बच्चों के अकाउंट निष्क्रिय करने का निर्देश दिया है। कंपनी भविष्य में बच्चों और किशोरों को लक्षित करने वाले विज्ञापनों को भी हटाएगी। यूट्यूब ने बाल सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता जताई।

ट्रंप की मीडिया कंपनी टीएमटीजी ने ट्रुथ सोशल के सीईओ को हटाया

वाशिंगटन, एजेंसी। सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल की मूल कंपनी ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ने पूर्व कांग्रेसी डेविन नुनेस को सीईओ पद से हटा दिया है। उनकी जगह डिजिटल मीडिया कार्यकारी केविन मैकगर्न को जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह बदलाव कंपनी के शेयरों में 67 फीसदी की भारी गिरावट के बाद हुआ है, जिससे निवेशकों के 6 अरब डॉलर से अधिक डूब गए। नए सीईओ मैकगर्न ने कहा कि कंपनी अब ऊंची उड़ान भरने के लिए तैयार है। ट्रंप ने इस प्लेटफॉर्म को ट्विटर के विकल्प के रूप में बनाया था।

आईएनएस निरीक्षक पहुंचा श्रीलंका... और बढ़ेगा समुद्री सहयोग

कोलंबो, एजेंसी। भारतीय नौसेना पोत (आईएनएस) निरीक्षक ऑपरेशनल टर्नअराउंड यानी संक्षिप्त पड़ाव और प्रशिक्षण यात्रा के लिए श्रीलंका पहुंच गया हैं। इस दौरे का मकसद दोनों पड़ोसी देशों के बीच समुद्री सहयोग को और मजबूती देना है। भारतीय उच्चायोग ने बताया, श्रीलंकाई नौसेना ने मंगलवार को पुरानी नौसैन्य परंपराओं के मुताबिक कोलंबो बंदरगाह पर आईएनएस निरीक्षक का स्वागत किया। यह कमांडर शैलेश कुमार त्यागी के नेतृत्व में श्रीलंकाई गोताखोरों को प्रशिक्षण देगा व अन्य गतिविधियों में भाग लेगा।

फिटनेस से जीतना चाहते हैं चुनाव लूला दा सिल्वा

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा 80 साल की उम्र में भी चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। उम्र को लेकर उठ रहे सवालों के बीच वह रोज जिम में वर्कआउट कर रहे हैं और खुद को फिट दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। उनका कहना है कि वह 120 साल तक जीना चाहते हैं। उनके प्रतिद्वंदी फ्लेवियो बोल्सोनारो उनसे लगभग आधी उम्र के हैं और वह भी फिटनेस दिखाकर लोगों को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। दोनों के बीच अब चुनाव सिर्फ नीतियों का नहीं बल्कि छवि का भी बन गया है। कुछ लोग लूला की उम्र को लेकर चिंतित हैं, जबकि कई लोग उनकी फिटनेस से प्रेरित भी हो रहे हैं। ब्राजील में 60 साल से ऊपर के मतदाताओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जिससे यह चुनाव और दिलचस्प हो गया है। इस बार मुकाबला काफी कड़ा माना जा रहा है।

ईरान ने मेरे सम्मान में 8 महिलाओं की फांसी रोकी, ट्रंप का दावा; लेकिन खुल गई पोल

तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के बीच आठ ईरानी महिला प्रदर्शनकारियों की कथित फांसी की सजा को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। एक तरफ ट्रंप दावा कर रहे हैं कि उनके कहने पर ईरान ने फांसी रोक दी है, वहीं ईरान ने उनके दावों को पूरी तरह से झूठा और मनगढ़ंत करार दिया है।

ट्रंप का दावा: ईरान ने मेरा सम्मान किया : बुधवार को डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ईरान ने उनके प्रति सम्मान दिखाते हुए आठ महिला प्रदर्शनकारियों की फांसी रद्द कर दी है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर इसे बहुत अच्छी खबर बताते हुए कहा कि इन आठ में से चार महिलाओं को तुरंत रिहा कर दिया जाएगा और बाकी चार को सिर्फ एक महीने की जेल होगी। ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा- बहुत अच्छी खबर! मुझे अभी-अभी सूचित किया गया है कि ईरान में आज रात जिन आठ महिला प्रदर्शनकारियों को फांसी दी जाने वाली थी, उन्हें अब नहीं मारा जाएगा। चार को तुरंत रिहा कर दिया जाएगा, और चार को एक महीने की जेल की सजा सुनाई जाएगी। मैं इस बात की बहुत सराहना करता हूं कि ईरान और उसके नेताओं ने संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में मेरे अनुरोध का सम्मान किया और प्रस्तावित फांसी को रद्द कर दिया। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद! राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप।

ईरान का खंडन: ट्रंप अफवाहों का शिकार हुए : ईरान ने ट्रंप के इन दावों को सिरे से खारिज करते हुए इसे अपनी इज्जत बचाने की कोशिश बताया है। ईरानी न्यायपालिका की समाचार एजेंसी 'मीजान' ने स्पष्ट किया कि इन महिलाओं को फांसी देने की कोई योजना ही नहीं थी। एजेंसी ने बताया कि इनमें से कई महिलाओं को पहले ही रिहा किया जा चुका है। कुछ महिलाओं पर ऐसे आरोप जरूर हैं जिनमें उन्हें जेल हो सकती है, लेकिन मौत की सजा का कोई सवाल ही नहीं था। मीजान ने तंज कसते हुए कहा कि युद्ध के मैदान में खाली हाथ रहने के कारण ट्रंप हताश हैं और झूठी खबरों के जरिए अपनी फर्जी उपलब्धियां गढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। उनका कहना है कि ट्रंप ईरान विरोधी गुटों द्वारा फैलाई गई झूठी अफवाहों के झांसे में आ गए हैं।

मंगलवार को ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर सोशल मीडिया एक्टिविस्ट इयाल याकोबी की एक पोस्ट का स्क्रीनशॉट शेयर किया था। याकोबी ने अपनी पोस्ट में दावा किया था कि ईरान आठ महिलाओं को फांसी पर लटकाने की तैयारी कर रहा है। इस पोस्ट में उन महिलाओं की तस्वीरें भी शामिल थीं, जिन्हें फांसी दिए जाने का खतरा था।

इस जानकारी के सामने आने के बाद, ट्रंप ने सीधे ईरानी सरकार को संबोधित करते हुए एक सख्त लेकिन कूटनीतिक संदेश दिया था: ईरानी नेताओं को, जो जल्द ही मेरे प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करने वाले हैं: मैं इन महिलाओं की रिहाई की बहुत सराहना करूंगा। मुझे पूरा यकीन है कि वे (अमेरिकी प्रतिनिधि) इस बात का सम्मान करेंगे कि आपने ऐसा किया है। कृपया उन्हें (महिलाओं को) कोई नुकसान न पहुंचाएं! यह हमारी बातचीत के लिए एक शानदार शुरुआत होगी!!! इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद। इस बयानबाजी के पीछे एक बड़ा युद्ध और व्यापारिक तनाव छिपा है। दरअसल यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा शुरू किए गए युद्ध में अमेरिका ने एकतरफा युद्धविराम की घोषणा की है। ट्रंप ने 8 अप्रैल को इस युद्धविराम का ऐलान किया था और मंगलवार को इसकी अवधि आगे बढ़ाई थी। ट्रंप की हताशा का एक बड़ा कारण यह है कि युद्धविराम की घोषणा के बावजूद, ईरान ने स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज को दोबारा खोलने से इनकार कर दिया है। यह समुद्री रास्ता दुनिया के लिए बेहद अहम है, क्योंकि विश्व का 20% (पांचवां हिस्सा) तेल और गैस का व्यापार इसी रास्ते से होता है। इस पूरे घटनाक्रम और विवाद पर बुधवार को न तो वाइट हाउस और न ही ईरान के विदेश मंत्रालय ने तुरंत कोई आधिकारिक टिप्पणी की है। मीजान न्यूज एजेंसी लगातार इस बात पर जोर दे रही है कि ईरान ने अमेरिका के सामने कोई रियायत नहीं दी है।

अब पाकिस्तान की नेशनल तेल रिफाइनरी पर बड़ा हमला, अज्ञात लोगों ने चलाईं ताबड़तोड़ गोलियां

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की प्रमुख तेल कंपनी 'नेशनल रिफाइनरी लिमिटेड' ने बुधवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि उनके दारिगवान प्लांट पर अज्ञात बंदूकधारियों द्वारा हमला किया गया है। यह घटना पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में स्थित दारिगवान साइट पर घटी। कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, हमले के तुरंत बाद पाकिस्तानी सुरक्षाबल मौके पर पहुंच गए। उन्होंने तेजी से कार्रवाई करते हुए पूरी साइट और उसके आस-पास के इलाके को अपने घेरे में ले लिया है।

तलाशी अभियान जारी

इलाके को सुरक्षित करने के बाद, सुरक्षाबलों द्वारा वहां व्यापक स्तर पर 'क्लीयरेंस ऑपरेशन' चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि साइट के भीतर या आस-पास कोई भी हमलावर छिपा न हो और किसी भी प्रकार के विस्फोटक या खतरे को पूरी तरह से नष्ट किया जा सके। खबर लिखे जाने तक हमलावरों की पहचान नहीं हो सकी है। साथ ही, अभी तक किसी भी विद्रोही या आतंकी समूह ने आधिकारिक तौर पर इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। क्या है नेशनल रिफाइनरी लिमिटेड नेशनल रिफाइनरी लिमिटेड पाकिस्तान की प्रमुख तेल रिफाइनरी कंपनियों में से एक है। यह

कच्चे तेल को प्रोसेस करके पेट्रोल, डीजल और अन्य ईंधन उत्पाद बनाती है। दारिगवान साइट कंपनी की महत्वपूर्ण सुविधाओं में से एक है, जहां तेल संबंधी कामकाज होता है। बलूचिस्तान में खूब होते हैं हमले बलूचिस्तान पाकिस्तान में सुरक्षा चुनौतियों से भरा इलाका है। यहां बलूच अलगाववादी संगठन अक्सर सरकारी और विदेशी निवेश वाली परियोजनाओं को निशाना बनाते हैं। हाल के वर्षों में खनन क्षेत्रों (कोयला खदानें) और सुरक्षा बलों पर भी हमले हुए हैं। बलूचिस्तान प्राकृतिक संसाधनों, गैस, तेल और खनिज से काफी समृद्ध है। लेकिन यहां लंबे समय से अलगाववादी और विद्रोही गुट सक्रिय रहे हैं। फिलहाल, कंपनी और प्रशासन की ओर से स्थिति को नियंत्रण में बताया गया है और सुरक्षा बल इलाके को पूरी तरह से खतरे से मुक्त करने के लिए अपना अभियान जारी रखे हुए हैं। पिछले 50 दिनों के भीतर भारत सहित दुनियाभर के छह देशों की प्रमुख तेल रिफाइनरियों में आग लगने और धमाकों की एक बेहद रहस्यमयी घटनाएं देखी गई हैं।

अमेरिकी नाकेबंदी से ईरान पर कसा शिकंजा, अमेरिकी आर्मी बोली- अब तक 31 जहाज लौटे वापस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने गुरुवार को पुष्टि की है कि अमेरिकी सेना ने ईरान की नाकाबंदी के तहत 31 जहाजों को वापस लौटने या बंदरगाह पर जाने का निर्देश दिया है। सैन्य अधिकारियों के अनुसार, इनमें से ज्यादातर जहाज तेल टैंकर थे।

सेंट्रल कमांड ने क्या कहा सेना ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि इस कार्रवाई में उन्हें काफी सहयोग मिला है। पकड़े जाने के बाद ज्यादातर जहाजों ने अमेरिकी निर्देशों का पालन किया। इस मिशन का पैमाना बहुत बड़ा है। ईरान के बंदरगाहों की नाकाबंदी करने के लिए 10,000 से ज्यादा अमेरिकी सैनिक, 17 युद्धपोत और 100 से ज्यादा विमान तैनात किए गए हैं।

सैन्य कार्रवाई से बढ़ा तनाव : इस बड़ी सैन्य कार्रवाई की वजह से पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर पहुंच गया है। बुधवार तनाव तब और बढ़ गया जब ईरानी सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य में तीन व्यापारिक जहाजों पर गोलियां चलाईं और उनमें से दो पर कब्जा कर लिया। यह घटना राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस फैसले के ठीक 24 घंटे बाद हुई, जिसमें उन्होंने युद्धविराम को आगे बढ़ाने के साथ-साथ नाकाबंदी जारी रखने की बात कही थी। ट्रंप प्रशासन चाहता है कि ईरान संकट को कम करने के लिए बातचीत की मेज पर आए। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि अमेरिका ने युद्धविराम के लिए कोई औपचारिक समय सीमा तय नहीं की है। हालांकि, उन्होंने एक बड़ी शर्त रखी है। किसी भी स्थायी समझौते के लिए ईरान को अपने संवर्धित यूरेनियम का पूरा भंडार सौंपना होगा। यह शर्त गैर-परक्राम्य है, यानी इस पर कोई समझौता नहीं होगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ कर दिया है कि जब तक तेहरान कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं देता और बातचीत का कोई ठोस नतीजा नहीं निकलता, तब तक यह समुद्री नाकाबंदी जारी रहेगी। दूसरी तरफ, ईरान ने इस पर कड़ी नाराजगी जताई है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इस नाकाबंदी को युद्ध की कार्रवाई बताया है। उन्होंने कहा कि यह मौजूदा युद्धविराम का सीधा उल्लंघन है।

कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका के बीच अमेरिका ने रूसी तेल पर छूट का बचाव किया

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने रूस के तेल पर लगाए गए प्रतिबंधों में दी गई अस्थायी छूट का बचाव किया। उन्होंने कहा कि इस फैसले से दुनिया भर में तेल की कीमतों में अचानक बड़ी बढ़ोतरी होने से रोका जा सका। हालांकि, डेमोक्रेट नेताओं ने चेतावनी दी कि इससे रूस को युद्ध के लिए पैसा मिल सकता है और ईंधन महंगा बना रह सकता है। सीनेट की एक समिति के सामने बोलते हुए बेसेंट ने कहा कि यह कदम उस समय उठाया गया जब बाजार में काफी अनिश्चितता थी, ताकि तेल की सप्लाई स्थिर रखी जा सके। उन्होंने बताया, 'हम 25 करोड़ बैरल से ज्यादा तेल बाजार में बनाए रखने में सफल रहे।'

बेसेंट ने कहा कि अगर यह छूट नहीं दी जाती, तो कीमतें और ज्यादा बढ़ सकती थीं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, 'आज तेल की कीमत करीब 100 डॉलर है।

अगर हमने यह राहत नहीं दी होती, तो यह 150 डॉलर तक जा सकती थी।' उन्होंने कहा कि यह नीति आम लोगों को राहत देने के लिए बनाई गई है। कम कीमत लोगों के लिए बेहतर है।

वहीं, डेमोक्रेट नेताओं ने इस फैसले का विरोध किया। क्रिस कून्स ने कहा कि इस छूट से रूस को अरबों डॉलर मिल सकते हैं और इससे उस पर दबाव कम हो जाएगा, जो इस समय बहुत जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि आम लोग आज भी महंगा पेट्रोल खरीद रहे हैं। उन्होंने कहा, 'डेलावेयर में लोग 4 डॉलर प्रति गैलन के हिसाब से पेट्रोल खरीद रहे हैं।

कून्स ने सवाल उठाया कि क्या इस नीति से सच में लोगों को कोई राहत मिली है। इस पर बेसेंट ने जवाब दिया कि रूस या ईरान को इससे कोई बड़ा फायदा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, 'मैं इस बात से बिल्कुल सहमत नहीं हूं। उन्होंने बताया कि इस छूट को बढ़ाने का फैसला दुनिया के कई गरीब और कमजोर देशों की मांग पर लिया गया था। उन्होंने कहा, '10 से ज्यादा गरीब देशों ने हमसे इस छूट को बढ़ाने की अपील की थी, इसलिए इसे सिर्फ 30 दिनों के लिए बढ़ाया गया।

इसी बीच, कुछ नेताओं ने बढ़ती ईंधन कीमतों पर भी चिंता जताई। जैक रीड ने कहा कि अमेरिका में लोग 4 डॉलर प्रति गैलन से ज्यादा कीमत पर पेट्रोल खरीद रहे हैं, जो आम परिवारों पर बोझ है।

बेसेंट ने कहा कि बाजार के हालात धीरे-धीरे बेहतर हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि तेल बाजार इस समय 'बैकवर्डेशन' की स्थिति में है, यानी आगे चलकर कीमतें कम हो सकती हैं। उन्होंने उम्मीद जताई, 'मुझे लगता है कि यह संघर्ष खत्म होगा और पेट्रोल की कीमतें फिर पहले जैसी या उससे भी कम हो जाएंगी। यह पूरी बहस अमेरिका की राजनीति में मतभेद को दिखाती है। सरकार का कहना है कि थोड़ी लचीलापन रखने से बाजार स्थिर रहता है, जबकि आलोचकों का मानना है कि इससे रूस पर दबाव कम होता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से रूस के ऊर्जा क्षेत्र पर प्रतिबंध पश्चिमी देशों की नीति का अहम हिस्सा रहे हैं। कोशिश यह रही है कि रूस की कमाई कम हो, लेकिन दुनिया में तेल की सप्लाई पर बड़ा असर न पड़े।

दुनिया में तेल की कीमतें अब भी अंतरराष्ट्रीय तनाव, खासकर मध्य पूर्व की स्थिति से प्रभावित होती हैं। वहां किसी भी तरह की गड़बड़ी से कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं, जिसका असर भारत जैसे बड़े तेल आयात करने वाले देशों पर भी पड़ता है।

होर्मुज में तीन जहाजों पर हमले के बाद भ्रम की स्थिति, इस्राइली हमले में पत्रकार की मौत

वॉशिंगटन।, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ युद्धविराम को अनिश्चित काल के लिए बढ़ा दिया है। पाकिस्तान ने बातचीत के दूसरे दौर की मेजबानी करने का प्लान बनाया था, लेकिन ईरान के बातचीत फिर से शुरू करने की कोशिशों को मना करने पर व्हाइट हाउस ने वाइस प्रेसिडेंट जेडी वेंस की इस्लामाबाद की प्लान की गई यात्रा को रोक दिया। ईरानी सरकारी टीवी के अनुसार, ईरान ने युद्धविराम बढ़ने की बात तो मानी है, लेकिन वह नई बातचीत के लिए तैयार नहीं है।

इस बीच, ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड ने बुधवार को होर्मुज जलडमरूमध्य में तीसरे जहाज पर हमला किया, जिससे युद्ध खत्म करने की कोशिशों पर सवाल उठ रहे हैं। जिस जहाज पर हमला हुआ उसका नाम यूफोरिया है। मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि यह जहाज ईरानी तट पर फंस गया था, लेकिन उन्होंने ज्यादा जानकारी नहीं दी गई। इससे पहले ईरान ने दो अन्य जहाजों पर हमला करके उन्हें अपने कब्जे में ले लिया था।

दक्षिणी लेबनान में इस्राइली हवाई हमले में लेबनानी पत्रकार अमल खलील की मौत हो गई। वह इस्राइल-हिजबुल्ला संघर्ष की रिपोर्टिंग कर रही थीं और हमले के दौरान एक घर में शरण ली हुई थी। बचावकर्मियों के अनुसार, उनका शव मलबे से कई घंटे बाद निकाला गया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यह हमला दक्षिणी गांव अल-तिरी में हुआ। खलील इससे पहले एक अन्य हवाई हमले के बाद अपने सहयोगी के साथ कार से उतरकर इस घर में छिप गई थीं। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि पहले हमले में दो लोगों की मौत हुई, जबकि दूसरे हमले में उसी घर को निशाना बनाया गया जहां खलील और उनकी सहयोगी जैनब फराज मौजूद थीं। बचावकर्मी शुरुआत में फराज को गंभीर हालत में निकालने में सफल रहे। लेकिन इस्राइली गोलीबारी के कारण उन्हें खलील तक पहुंचने का प्रयास रोकना पड़ा। कई घंटों बाद लेबनानी सेना, पुलिस और रेड क्रॉस की मदद से उनका शव निकाला जा सका। इस्राइली सेना ने कहा कि गांव में कुछ लोगों ने युद्धविराम का उल्लंघन किया था, जिससे उनके सैनिकों को खतरा था। हालांकि, सेना ने पत्रकारों को निशाना बनाने और बचाव कार्य में बाधा डालने के आरोपों से इनकार किया है और मामले की जांच की बात कही है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने अमेरिका को एक कड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा है कि वे बातचीत और समझौते के लिए तैयार हैं। उनके मुताबिक कूटनीति के रास्ते अभी बंद नहीं हुए हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि इसके लिए अमेरिका को होर्मुज जलडमरूमध्य की नौसैनिक नाकाबंदी तुरंत खत्म करनी होगी।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के लिए 'साहसी बने रहें : मैकी सैल

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार की दिशा में 'हमें साहसी बने रहना होगा ', यह बात संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद के उम्मीदवार मैकी सैल ने कही। संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद के उम्मीदवार मैकी सैल ने बुधवार को यहां एक उम्मीदवार फोरम में कहा, सुरक्षा परिषद में सुधार पर चल रही बहस 30 वर्षों से अधिक समय से जारी है लेकिन 'जिस बात पर हम सभी सहमत हो सकते हैं, वह यह है कि आज सुरक्षा परिषद मौजूदा दुनिया का प्रतिनिधित्व नहीं करती।' उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद में सुधार के कई अलग-अलग प्रस्ताव हैं, और कुछ का यह भी मानना है कि 'यह अभी तनाव के समय में नहीं हो सकता, इसके लिए और समय की आवश्यकता है।

उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, 'मैं जो कर सकता हूं वह है इस एजेंडे को आगे बढ़ाना,' यह जवाब उन्होंने भारत, जर्मनी, जापान और ब्राजील (जी 4) के प्रतिनिधि के रूप में दिया, जो संयुक्त रूप से सुधार की वकालत करते हैं। उन्होंने कहा, 'हमें समावेश सुनिश्चित करना होगा, साथ ही परिषद की विश्वसनीयता और सबसे महत्वपूर्ण उसकी प्रभावशीलता को बनाए रखने की आवश्यकता को भी ध्यान में रखना होगा क्योंकि पांच वीटो शक्तियों के साथ यह पहले से ही एक कठिन काम है। उन्होंने कहा, 'सभी विकल्प खुले हैं, और मैं जितना संभव हो सके उतना प्रयास करूंगा।' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि 'बेशक, अंतिम निर्णय महासचिव का नहीं होता। यदि यह

सुधार आगे बढ़ना है, तो यह सदस्य देशों का निर्णय होगा।' सेनेगल के पूर्व राष्ट्रपति मैकी सैल इस वर्ष एंटोनियो गुटेरेस का कार्यकाल समाप्त होने के बाद संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद की दौड़ में चार उम्मीदवारों में से एक हैं। वे अफ्रीका से एकमात्र उम्मीदवार हैं, जबकि अन्य तीन लैटिन अमेरिका से हैं। उन्हें बुरुंडी द्वारा नामित किया गया है, जिसके राष्ट्रपति एवरिस्टे नदायिशिमीये अफ्रीकी संघ (एयू) के अध्यक्ष हैं। हालांकि, उनके अपने देश ने उनका समर्थन नहीं किया है। तीन घंटे के सत्र के दौरान जब उन्होंने राजनयिकों और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों के सवालों का सामना किया, तब उनके समर्थक और विरोधी संयुक्त राष्ट्र भवन के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। मैकी सैल 2022-23 में अफ्रीकी संघ के अध्यक्ष रहे थे, जब संगठन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नई दिल्ली शिखर सम्मेलन के दौरान जी 20 का सदस्य बना। उन्होंने जी 20 में अफ्रीकी संघ की सदस्यता के अपने प्रयासों को यह दिखाने के उदाहरण के रूप में पेश किया कि अगर वे संयुक्त राष्ट्र प्रमुख बने तो कैसे नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि अफ्रीकी संघ का जी 20 में शामिल होना 'उस समय एक स्वाभाविक बात नहीं थी लेकिन यह संवाद और बातचीत के माध्यम से संभव हुआ।

लेबनान में इजरायली हमले में एक और पीसकीपर की मौत, यूएन महासचिव गुटेरेस ने जताया दुख

वाशिंगटन, एजेंसी। लेबनान में इजरायली हमले में एक फ्रांसीसी सैनिक की मौत हो गई। संयुक्त राष्ट्र ने इजरायली हमले में मारे गए फ्रांसीसी सैनिकों को लेकर चिंता जाहिर की है। यूएन महासचिव के प्रवक्ता के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, लेबनान में यूनाइटेड नेशंस इंटरिम फोर्स (यूएनआईएफआईएल) में काम कर रहे दूसरे फ्रांसीसी सैनिक की शनिवार को हुए हमले में घायल होने से मौत से दुखी हैं।

गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बुधवार (लोकल टाइम) को एक बयान में कहा कि पीसकीपर्स पर हमले बंद होने चाहिए। ये अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का गंभीर उल्लंघन हैं और वॉर क्राइम की श्रेणी में आ सकते हैं। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने यूएन प्रवक्ता के हवाले से बताया कि पीसकीपर्स पर हुए सभी हमलों की तुरंत जांच होनी चाहिए और जो लोग इसके लिए जिम्मेदार हैं, उन पर असरदार तरीके से मुकदमा चलाया जाना चाहिए और उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। इस बारे में, महासचिव शनिवार की घटना के बारे में लेबनानी अधिकारियों के बताए गए प्रतिबद्धता का स्वागत करते हैं। गुटेरेस ने सभी लोगों से गुरुवार को घोषित इजरायल-लेबनान सीजफायर का सम्मान करने की अपील की। ??बयान में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र दुश्मनी खत्म करने और सुरक्षा परिषद प्रस्ताव 1701 को पूरी तरह लागू करने की दिशा में डिप्लोमैटिक कोशिशों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसका मकसद हिज्बुल्लाह और इजरायल के बीच लड़े गए 2006 के लेबनान युद्ध को सुलझाना है। गुटेरेस ने दूसरे शांति सैनिक के परिवार, दोस्तों और सहकर्मियों के साथ-साथ फ्रांस की सरकार और लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना जताई है। बुधवार को पहले, स्टीफन दुजारिक ने मारे गए फ्रांसीसी

सैनिक की पहचान 31 साल के कॉर्पोरल अनिसेट गिरार्डिन के रूप में की, जो एक स्पेशलिस्ट डॉग हैंडलर थे।

गिरार्डिन इतनी बुरी तरह से घायल हुए थे कि बुधवार को पेरिस के एक हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया। दुजारिक ने कहा कि जब दक्षिणी लेबनान में सड़क साफ करते समय यूएनआईएफिल की फ्रांसीसी टुकड़ी के साथ काम कर रही विस्फोटक ऑर्डिनेंस डिस्पोजल टीम पर हमला हुआ, तो वह बुरी तरह घायल हो गए। यह कार्रवाई यूएनआईफिल के अलग-थलग पड़े ठिकानों तक दोबारा पहुंच बहाल करने के प्रयास के तहत की जा रही थी। गिरार्डिन शनिवार की घटना में मरने वाले दूसरे सैनिक थे। एक और फ्रांसीसी सैनिक, जो बुरी तरह घायल हो गया था, उसे भी इलाज के लिए मंगलवार को पेरिस वापस भेज दिया गया। वह अभी भी मेडिकल केयर में है। दुजारिक ने कहा कि एक चौथा पीसकीपर, जिसे मामूली चोटें आई थीं, दक्षिणी लेबनान में अपनी यूनिट के साथ अपनी पोस्ट पर लौट आया है। यूएन महासचिव के प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र का शुरुआती अंदाजा था कि पीसकीपर पर नॉन-स्टेट हथियारबंद समूह हिज्बुल्लाह ने शायद हमला किया था।

ब्रिटेन में आने वाली पीढ़ी के लिए सिगरेट पर रोक की तैयारी : लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की संसद ने एक नया बिल पास किया है, जिसके तहत 31 दिसंबर 2008 के बाद जन्मे लोग कभी भी सिगरेट नहीं खरीद पाएंगे। यह कानून लागू होने के बाद देश में धूम्रपान को कम करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग ने इसे ऐतिहासिक फैसला बताया और कहा कि इससे लोगों की जान बचेगी और स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव कम होगा। इस बिल के तहत वेपिंग (ई-सिगरेट) पर भी कई जगहों पर रोक लगाई जाएगी, जैसे स्कूल, पार्क और अस्पताल। हालांकि, लोग अपने घरों में धूम्रपान कर सकेंगे और कुछ खुले स्थानों पर भी इसकी अनुमति होगी। यह कदम ब्रिटेन को दुनिया के सबसे सख्त एंटी-स्मोकिंग देशों में शामिल कर सकता है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.